



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 138]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 10, 2003/भाद्र 19, 1925

No. 138]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 10, 2003/BHADRA 19, 1925

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 2003

संदर्भ सं. जी/18-सीडब्ल्यू ए/9/2003.—कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स एक्ट, 1959 के खण्ड 18 के उपखण्ड 5 के अनुसरण में दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की परिषद् की वार्षिक रिपोर्ट और उक्त संस्थान की 31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के ऑडिट किए हुए लेखों को सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किया जा रहा है।

बी. वी. रमणा मूर्ति, अध्यक्ष

[विज्ञापन/III/IV/71/03-असाधारण]

44वीं वार्षिक रिपोर्ट, 2002-2003

लागत एवं संकर्म एकाउंटेंट अधिनियम, 1959 की धारा 18(5) के अधीन जारी।

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया परिषद् की 31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आई सी डब्ल्यू ए आई की वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा-परीक्षित लेखे प्रस्तुत कर रही है।

परिषद् ने दिनांक 22 जुलाई, 2002 को हुई अपनी बैठक में वर्ष 2002-2003 के लिए इन्स्टीट्यूट के अध्यक्ष के रूप में श्री बी.वी. रामणा मूर्ति, बी.कॉम, बी.ए., एलएलबी, एफ आई सी डब्ल्यू ए, एफ सी एस, तथा उपाध्यक्ष के रूप में डा. के.एल. जयसिंह, एफ आई सी डब्ल्यू ए, एफ सी एस, एफ एसटीए, एमआईआईएम, पीएचडी(ए.एम.) का चुनाव किया।

वर्ष 2002-2003 के दौरान परिषद् की 5 बैठकें हुई।

परिषद् की समितियां

परिषद् द्वारा दिनांक 22 जुलाई, 2002 को गठित की गई विभिन्न समितियों के स्वीकृत अनुबंध में दिए गए हैं

अध्ययन निदेशालय

पंजीकृत विद्यार्थी

छात्र वर्ष के दौरान, 13,100 विद्यार्थियों ने स्वयं को इन्स्टीट्यूट में पंजीकृत कराया। पूर्ववर्ती वर्ष में यह संख्या 15,178 थी। वर्ष के अंत में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 1,52,321 थी। 2001-2002 और 2002-2003 के वर्षों के दौरान पंजीकृत विद्यार्थियों का क्षेत्र-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

पंजीकरण		
क्षेत्र	2001-02	2002-03
उत्तरी	2,102	2,181
पूर्वी	1,683	1,506
पश्चिमी	3,160	2,527
दक्षिणी	5,551	5,052
योग	12,496	11,268
नए सिरे से	2,682	1,838
कुल योग	18,178	13,106

कोचिंग

वर्ष के दौरान 26,376 विद्यार्थियों ने कोचिंग के लिए स्वयं को पंजीकृत कराया। क्षेत्र-वार ब्यौरा निम्नानुसार है :-

पाठ्यक्रम	क्षेत्र	डाक द्वारा		मौखिक द्वारा		कुल	
		2001-2002	2002-2003	2001-2002	2002-2003	2001-2002	2002-2003
फाउंडेशन	उत्तरी		300		687	0	987
	पूर्वी		250		270	0	520
	पश्चिमी		181		490	0	671
	दक्षिणी		780		1,670	0	2,450
	उप योग	0	1,511	0	3,117	0	4,628
इंटर	उत्तरी	2,816	2,490	1,232	1,200	4,048	3,690
	पूर्वी	1,267	1,059	1,380	1,489	2,647	2,548
	पश्चिमी	2,253	1,840	3,155	2,652	5,408	4,492
	दक्षिणी	5,253	4,438	5,239	5,115	10,492	9,553
	उप योग	11,589	9,827	11,006	10,456	22,595	20,283
फाइनल	उत्तरी	317	296	120	60	437	356
	पूर्वी	174	99	116	93	290	192
	पश्चिमी	246	157	129	98	375	255
	दक्षिणी	547	497	252	165	799	6,62
	उप योग	1,284	1,049	617	416	1,901	1,465
कुल योग		12,873	12,387	11,623	13,989	24,496	26,376

वर्ष के दौरान, क्षेत्रीय परिषदों के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्ययन नोट्स, परीक्षा पत्रों तथा सुझाए गए उत्तरों के रूप में डाक द्वारा कोचिंग की सुविधा जारी रखी गई है। इंस्टीट्यूट की परीक्षाओं (फाउंडेशन, इंटर तथा फाइनल) में निर्धारित किए गए प्रश्नों के सुझाए गए उत्तरों के प्रकाशन से डाक द्वारा तथा मौखिक कोचिंग कर रहे विद्यार्थियों की मांग लगातार पूरी हो रही है।

डाक द्वारा कोचिंग के अलावा, इंस्टीट्यूट द्वारा देशभर में फैले 106 केन्द्रों और विदेश में दुबई स्थित एक कोचिंग केन्द्र के जरिए विद्यार्थियों को मौखिक कोचिंग उपलब्ध की जा रही है।

प्रायोगिक प्रशिक्षण योजना

इंस्टीट्यूट में एक प्रायोगिक प्रशिक्षण योजना चल रही है ताकि विद्यार्थियों को उद्योग, सेवा तथा अर्धव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त करने में मदद मिल सके। इंडियन ऑयल कारपोरेशन, भारतीय खाद्य निगम, आईटीसी, नाल्को, इंडोरमा, हिन्दुस्तान लीवर, हिन्दुस्तान मोटर्स, आईटीआई जैसे ख्याति प्राप्त संगठनों, विदेशी बैंकों इत्यादि द्वारा

लागत प्रशिक्षुओं को अपने-अपने संगठनों में रखा जा रहा है। वर्ष के दौरान तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, लार्संसन एण्ड टूब्रो लि०, इन्डोरमा, आईडीबीआई, आईडीबीआई बैंक, टीवीएस सुजुकी, आई सी आई सी आई इत्यादि जैसे अनेक संगठनों ने जून और दिसम्बर 2002 के सत्र में आई सी इन्स्यू ए आई की परीक्षाओं के योग्य अभ्यर्थियों को कैम्पस साक्षात्कारों/वाक-इन-साक्षात्कारों के माध्यम से अपने-अपने संगठनों में भर्ती किया।

अध्ययन नोट्स में संशोधन/उन्हें अद्यतन बनाना तथा सहायक सामग्री का प्रकाशन:

इंस्टीट्यूट ने विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम घटनाक्रमों को समाविष्ट करने के लिए अध्ययन नोट्स को अद्यतन बनाया है तथा उनमें सुधार किया है। वर्ष के दौरान वित्त अधिनियम 2002 के आधार पर प्रत्यक्ष कराधान एवं अप्रत्यक्ष कराधान हेतु कर संबंधी अद्यतन सामग्री इंस्टीट्यूट की पत्रिका 'दि मैनेजमेंट एकाउंटेंट' में प्रकाशित की गई है और विद्यार्थियों को निशुल्क वितरित की गई है।

कैरियर काउंसिलिंग उपाय

वर्ष के दौरान विद्यार्थी समुदाय के बीच पाठ्यक्रम के क्षेत्र-विस्तार का प्रसार करने के लिए विशेष उपाय किए गए थे। इंस्टीट्यूट की शाखाओं से स्थानीय शैक्षिक संस्थानों के साथ समन्वय करने अथवा वरिष्ठ विद्यार्थियों की बैठकें आयोजित करने के लिए कहा गया था जिनमें इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था और उभरते हुए आर्थिक परिदृश्य में लागत एवं प्रबंधन लेखाकरण के व्यवसाय के क्षेत्र विस्तार को रेखांकित किया था। इस दिशा में परिषद् द्वारा किए गए उपायों पर जोरदार प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है और इस वित्त वर्ष के दौरान अनेक कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रमों को किया गया है। इसके अलावा, सबसे अधिक पढ़े जाने वाले अनेक समाचार-पत्रों तथा पत्रिकाओं द्वारा अपने पाठकों के लिए कैरियर गाइड के रूप में आईसीडब्ल्यू ए आई पाठ्यक्रम के बारे में ब्यौरे प्रकाशित किए गए।

कोचिंग स्तर का कम्प्यूटराइजेशन

संस्थान में पहली बार छात्रों की कोचिंग को कम्प्यूटरीकृत करना संभव हुआ है और फाइलें सभी क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को भेजी जाती हैं। इस संबंध में 5 दिसम्बर, 2002 को एक अधिसूचना को पत्रिका में भी प्रकाशित किया गया था। कम्प्यूटराइजेशन से क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों के लिए यह संभव हुआ है कि वे छात्रों के प्रश्नों का जवाब मुख्यालय के बिना संदर्भित करते हुए दे सकते हैं।

संशोधित पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन और फाउंडेशन पाठ्यक्रम में कोचिंग की शुरुआत

केन्द्र सरकार ने संशोधित पाठ्यक्रम और कोचिंग की शुरुआत 25.6.2002 को अनुमोदित कर दी थी और उसे 26.6.2002 को राजपत्र में प्रकाशित किया गया था। संशोधित पाठ्यक्रम के तहत सभी अध्ययन नोट्स को प्रकाशित करना संभव हुआ है। छात्रों के लिए संशोधित पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन और फाउंडेशन पाठ्यक्रम में कोचिंग की शुरुआत के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया जाना संभव हुआ है।

विदेशी संस्थाओं द्वारा मान्यता

यह नोट करना उत्साहजनक है कि कैंनेडियन स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट ने क्रमशः आंतरिक लेखा परीक्षकों के ग्रेजुएट प्रमाणीकृत पाठ्यक्रम में दो प्रश्नपत्रों वित्तीय प्रबंधन एवं प्रबंधन लेखाकारों में ग्रेजुएट प्रमाणीकृत पाठ्यक्रम में तीन प्रश्न-पत्रों को छूट प्रदान की। सी आई एम ए. यू.के. ने आई सी डब्ल्यू ए आई के अध्ययन निदेशक के पत्र के जवाब में संस्थान के संशोधित पाठ्यक्रम में फाइनेंशियल एकाउंटिंग फंडामेंटल्स, मैनेजमेंट एकाउंटिंग फंडामेंटल्स, इकोनामिक्स फॉर बिजनेस, बिजनेस लॉ, बिजनेस मैथमैटिक्स, फाइनेंस, बिजनेस टेक्सेशन, परफार्मेंस मैनेजमेंट प्रश्न-पत्रों में छूट प्रदान की है। वैश्विक लेखा शिक्षण अनुसंधान परियोजना में यूरोपियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन मैनेजमेंट द्वारा किए गए अध्ययनों की विशिष्टता को फरवरी, 2002 में हांग-कांग में आई ए ए ई आर में प्रस्तुत किया था। अनुसंधान संबंधी परिणामों की शैक्षिक गुणवत्ता का दिसम्बर, 02 में लंदन विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय पी एच डी समारोह के दौरान सफलतापूर्वक बचाव किया गया था। उक्त परियोजना के बारे में एक संक्षिप्त रिपोर्ट कोसमोस क्रॉनिकल ऑफ आई ए आर न्यूजलेटर की प्रति में प्रकाशित की गई थी। अनुसंधान के परिणामों को वर्ल्ड कांग्रेस स्तर पर मान्यता दी गई थी।

ई-लर्निंग और सूचना प्रणाली लेखा-परीक्षा पर प्रस्ताव प्रशिक्षण एवं शिक्षण सुविधा समिति एवं परिषद के विचारार्थ है और बहुत जल्द इस पर निर्णय

लिया जाएगा ताकि छात्र एवं सदस्य उस स्थिति में होंगे जिससे वे स्वयं को इस सुविधा से लाभ पहुंचा सकें।

परीक्षाएं

जून, 2002 और दिसम्बर, 2002 की परीक्षाएं 78 अन्तर्देशी और 3 विदेशी केन्द्रों पर आयोजित की गई थी। इन दोनों सत्रों के लिए लक्ष्य 29633 और 28697 परीक्षार्थी नामांकित किए गए थे। पुराने पाठ्यक्रम के साथ-साथ संशोधित पाठ्यक्रम के तहत पहली परीक्षा दिसम्बर, 2002 में आयोजित की गई थी। पाठ्यचर्चा के तहत परीक्षा लगातार चार सत्रों तक जारी रहेंगी और पुराने पाठ्यक्रम के तहत अंतिम परीक्षा जून, 2004 में आयोजित की जाएगी। अन्तर्देशी और विदेशी दोनों परीक्षा केन्द्रों के स्थानों की सूची नीचे दी गई है।

हमारे इंस्टीट्यूट की वेबसाइट www.icai.org में आगे और सुधार किया गया था और जून, 2002 एवं दिसम्बर, 2002 परीक्षाओं के लिए प्रवेश-पत्रों के आंकड़ों और परिणामों को वेबसाइट में डाला गया था ताकि छात्र प्रवेश-पत्रों और प्राप्त अंकों के ब्यौरे को डाउनलोड कर सकें। इसे छात्र समुदाय द्वारा काफी सराहा गया था। परीक्षार्थियों के लिए सेवाओं में आगे और सुधार करने तथा परीक्षाओं के सुगम और कुशल संचालन हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

तथापि काफी समय से चली आ रही कोबोल प्रणाली की जगह ओकेल आधारित एकीकृत परीक्षा प्रसंस्कृत प्रणाली की शुरुआत संभव हो गई है। इससे परीक्षा प्रक्रिया में सुधार लाना काफी हद तक संभव होगा। उम्मीद है कि बहुत जल्द आई सी डब्ल्यू ए आई के मुख्यालय में पूरी कम्प्यूटर प्रणाली का विकेंद्रीकरण होगा जैसाकि संस्थान की परिषद एवं परीक्षा समिति द्वारा पहले निर्धारित किया गया था।

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय लागत सम्मेलन के दौरान किया गया था तथा पुरस्कारों के सफल प्राप्तकर्ताओं की संख्या काफी हो गई जिससे उक्त आयोजन बेहद सफल रहा जिसमें ख्याति प्राप्त हस्तियां उपस्थित हुई थीं।

वर्ष के दौरान परीक्षा से जुड़े विभिन्न कर्तव्यों के निर्वाह हेतु परीक्षा समिति ने पांच बैठकें की थीं।

परीक्षा केन्द्र - जून 2002 और दिसम्बर, 2002**अन्तर्देशी**

पश्चिमी क्षेत्र	दक्षिणी क्षेत्र	पूर्वी क्षेत्र	उत्तरी क्षेत्र
अहमदाबाद	बंगलौर	अगरतला	अजमेर
औरंगाबाद	चेन्नई	आसनसोल	इलाहाबाद
बड़ौदा	कोयंबटूर	भुवनेश्वर	चण्डीगढ़
भिलाई	एर्णाकुलम	बोकारो	देहरादून
भोपाल	हैदराबाद	कोलकाता	दिल्ली
बिलासपुर	कोट्टायम	कटक	फरीदाबाद
इन्दौर	मदुरै	घनबाद	गाजियाबाद
कोल्हापुर	मंगलौर	दुर्गापुर	जयपुर
मुम्बई	मैसूर	गुवाहाटी	जम्मू
नागपुर	नईवेली	हावड़ा	जोधपुर
नासिक	पाण्डिचेरी	जमशेदपुर	कानपुर
पणजी (गोवा)	राजमुंदरी	नैहाटी	कोटा
पुणे	सलेम	पटना	लखनऊ

सूत	तिरुवनंतपुरम	संची	पटियाला
विद्यानगर	तिरुचिरापल्ली	राउरकेला	उदयपुर
	तिरुवेलविली		जालंधर
	उक्कुनाग्राम		
	वेल्लोर		
	विजयवाड़ा		
	वाल्तेयर		

विदेशी

बोत्सवाना	दुबई	मस्कट
-----------	------	-------

सदस्य सेवा एवं सदस्य सुविधा समिति

वर्ष के दौरान 624 अभ्यर्थियों को एसोसिएट सदस्यों के रूप में प्रवेश दिया गया था और 91 एसोसिएट सदस्यों का दर्जा बढ़ाकर फेलो सदस्य बनाया गया था। 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार, सदस्यों की कुल संख्या 22016 थी जिसमें 19486 एसोसिएट सदस्य और 2530 फेलो सदस्य थे (ब्यौरे अनुबंध-रूप में दिए गए हैं)। प्रेक्टिस कर रहे सदस्यों की संख्या 1779 थी जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 1695 थी। वर्ष के दौरान नामांकित ग्रेजुएट सदस्यों की संख्या पूर्ववर्ती वर्ष के 364 की तुलना में 365 थी।

वर्ष के दौरान सदस्य सेवा एवं सदस्य सुविधा समिति द्वारा निम्नलिखित लक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रयास किए गए थे :-

1. चुककर्ता सदस्यों के खिलाफ कड़ी अनुवर्ती कार्रवाई करना जिसके द्वारा वर्ष 2003-04 के दौरान कुल 63.06 लाख रु० की सदस्यता शुल्क का संग्रह करना संभव हुआ।
2. व्यापक स्तर पर सदस्यता रिकार्ड के कम्प्यूटरीकरण के कार्य का विकास करने हेतु आगे और कदम उठाए गए हैं। मुख्यालय से औपचारिक रसीद जारी करते समय सदस्यों को ऑन लाइन बकाया सूची की सुविधाएं भी मुहैया कराई गई हैं। इसके अलावा, प्रणाली विकास संबंधी क्रियाकलाप प्रगति पर हैं।
3. बकाया राशि की वसूली करने के एक अभियान के रूप में सदस्यों से यह अनुरोध करते हुए उन्हें वर्ष के दौरान दो बार पत्र जारी किए गए थे। इन पत्रों के उत्तर में अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई थी तथा अनेक सदस्यों ने अपनी बकाया राशि का भुगतान किया।
4. सदस्यों को अपनी बकाया राशि का भुगतान करने की सूचना देते हुए मासिक पत्रिका 'दि मैनेजमेंट एकाउंटेंट' में सूचना भी प्रकाशित की गई थी।
5. सदस्यों को अपनी बकाया राशि के बारे में त्वरित सूचना प्राप्त करने में समर्थ बनाने और उन्हें अपनी प्रोफाइल को अद्यतन करने में समर्थ बनाने के लिए इंस्टीट्यूट की वेबसाइट www.theicet.org में अपेक्षित सुविधाएं उपलब्ध की गई हैं। विभिन्न फार्मों और सदस्यता संबंधी दिशा-निर्देशों को डाउनलोड करने की पहले से उपलब्ध सुविधा जारी बनी हुई है।
6. सदस्यों से प्राप्त सूचना के आधार पर उनके विवरणों को अद्यतन करने और उन्हें इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने के उपाय किए गए हैं।

7. क्लागजी काम को संभावित सीमा तक कम करने और सदस्यों को ई-मेल का अधिकधिक उपयोग करने के प्रति प्रोत्साहित करने के प्रयोजनार्थ, उनके द्वारा सूचित किए गए ई-मेल पत्तों को दर्ज करने और ई-मेल के जरिए उनके प्रश्नों का त्वरित उत्तर उपलब्ध कराने के उपाय किए गए थे।

8. सदस्यों और प्रेक्टिस कर रहे सदस्यों के लाभार्थ समस्त सरकारी अधिसूचनाओं और लागत लेखा-परीक्षा आदेशों को प्रकाशित करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

9. सदस्यता शुल्क इत्यादि के संशोधन के संबंध में कौन्सिल एवं वर्क्स एकाउंटेंट विनियमों में कतिपय संशोधनों को सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है।

10. कौन्सिल एंड वर्क्स एकाउंटेंट्स अधिनियम एवं विनियमों में व्यापक संशोधन करने हेतु परिषद ने सरकार को खण्ड-दर-खण्ड एवं विनियम-दर-विनियम द्वारा भी की गई अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप दिया है, जो 1996 से लम्बित पड़ी थीं।

11. जारी शिक्षण कार्यक्रम के तहत सभी प्रेक्टिसिंग सदस्यों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण की शुरुआत करते हुए निर्णय लिया गया ताकि सदस्यों को तीन वर्षों की अवधि में कम से कम 20 घंटों का आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा सके।

समिति को आशा है कि इन कदमों से सदस्यों को निश्चित रूप से बेहतर सेवा प्राप्त होगी और सदस्यों से इसमें आगे और सुधार करने के बारे में सुझाव प्राप्त होते रहेंगे।

अनुसंधान एवं पत्रिका समिति

अनुसंधान के क्षेत्र में अत्यधिक कीमत वाले प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर पूरा जोर दिया गया है। रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विनिर्माता एसोसिएशन (सी पी एम ए) द्वारा प्रायोजित युवन प्लास्टिक बैग के लिए कीमत फार्मूले पर हमारे द्वारा प्रयुक्त अनुसंधान परियोजना खत्म कर दी गई है और इसकी अंतिम रिपोर्ट प्रायोजकों को सौंप दी गई है जिसकी व्यापक स्तर पर सराहना की गई है। ऐसी अनुसंधान परियोजनाएं सरकार, विनियामक निकायों, विनिर्माता एसोसिएशन और उपभोक्ताओं के लिए अत्यधिक कीमती होंगी। भारतीय चाय बोर्ड ने चाय पत्ती की लागत एवं कीमत पर प्रायोजित प्रयुक्त अनुसंधान परियोजना वाले प्रस्ताव के साथ संस्थान से भी संपर्क किया है। लागत एवं प्रबंधन लेखाकारों की सुविज्ञता के साथ, जिसे कीमत एवं टैरिफ विनियम एवं लागत प्रबंधन नीतियां एवं रणनीतियां के लिए एक आवश्यक तत्व के रूप में पहचान दी गई है, अधिक से अधिक विनियामक निकायों और सार्वजनिक उपयोक्ताओं ने संगत क्षेत्रों में प्रायोजित प्रयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के लिए संस्थान से संपर्क स्थापित किया है। उदाहरणार्थ, राज्य बिजली बोर्ड और दूरसंचार प्राधिकारियों ने संगत अनुसंधान परियोजनाओं के साथ संस्थान को और इसके क्षेत्रीय परिषदों, विशेषतः पश्चिमी भारतीय क्षेत्रीय परिषद को संपर्क किया है। ऐसा महसूस किया गया है, संस्थान के अनुसंधान क्रियाकलापों का, प्रायोजित परियोजनाओं के अलावा इन-हाउस परियोजनाओं की श्रृंखलाओं को अपनाकर आगे और सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। (जो गत वर्ष में वित्तीय बाधाओं के कारण परियोजनाओं को नहीं लाया गया था लेकिन संस्थान की वित्तीय स्थिति में सुधार होने पर अब संभव हो पाया है)। हमारे देश की सर्वप्रथम व्यावसायिक पत्रिका के

रूप में 'दि मैनेजमेंट एकाउंटेंट' की बहुवर्षा की पुष्टि करना एक सुखद अहसास है जिसे समूचे देश ने और विदेशों के न केवल लागत एवं प्रबंधन लेखाकारों ने बल्कि आर्थिक जगत के अन्य व्यवसायिकों ने भी सराहा है। अन्य व्यवसायिक पत्रिकाओं में 'दि मैनेजमेंट एकाउंटेंट' में प्रकाशित लेखों का बार-बार संदर्भित होना हमारी गौरवपूर्ण स्थिति का एक प्रमाण होना है जो हमारी पत्रिका से बनी हुई है। व्यवसायिकों के लिए पत्रिका का व्यवहारिक यथार्थ और उसकी उपयोगिता की ओर हमारी प्राथमिकता का पुनर्गठन करने का हमारा सतत प्रयास रहा है। पत्रिका का विषय, कवरेज की सीमा, इसकी गुणवत्ता और इसकी गहराई, ये सब मिलकर लोगों के दिमाग में हमारे व्यवसाय को ऊंचाई प्रदान करते हैं। पत्रिका का छात्र संबंधी संस्करण भी पढ़ने योग्य बन गया है और विद्यार्थियों के लिए यह बहुत कीमती संदर्भित गाइड बन गई है।

हमारा छाहरी रिसर्च बुलेटिन की संख्या में भी वृद्धि हुई है। यह परिषद सदस्यों, अनुसंधानकर्ताओं और व्यवसायिकों जैसी के लिए एक कीमती स्रोत है।

संस्थान ने गाइडेंस नोट्स टू कॉस्ट ऑडिट का प्रकाशन किया गया है और यह व्यवसायिकों में बहुत लोकप्रिय हो गया है। यह गाइडेंस नोट्स लागत लेखा-परीक्षा और साथ ही लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट नियम-2000 की व्यवहार्यता और विधि-प्रणाली में हमारी लम्बी अनुसंधान का परिणाम है जिसकी सहायता से समूची लागत लेखा परीक्षा को पुनः बहाल किया गया है और प्रबंधन लेखा परीक्षा में वास्तविक तौर पर इसका रूपान्तरण किया गया है। उक्त प्रकाशन व्यवसायिकों का प्रयास है जिन्होंने गाइडेंस नोट्स के प्रकाशन में भी मदद की है। यह सुखद अहसास है कि संस्थान ने एक तकनीकी परामर्शी बोर्ड (टीएबी) की स्थापना की है ताकि निजी व्यक्तियों और कोरपोरेट निकायों द्वारा तकनीकी प्रश्नों का जवाब दिया जा सके। टी ए बी पहले से ही उद्योग द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब दे चुका है और इसे संस्थान की अनुसंधान एवं तकनीकी संबंधी बुनियादी सुविधाओं से भारी सहायता मिली है।

हमारे अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों में विशिष्टता हासिल होने से चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एसोसिएशन ने हमसे संपर्क स्थापित किया है और उन्होंने आम सहमति वाले संगत हित के क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी अध्ययन और दिशा-निर्देशों को बनाने के लिए एक अनुकूल साझेदारी के लिए प्रस्ताव करा है। इस संदर्भ में, इंडियन मर्वेंट चैम्बर ने लागत प्रतिस्पर्द्धा, उद्योग लागत ढांचा और विभिन्न डब्ल्यू टी ओ से संबद्ध मुद्दों से संबंधित भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी अध्ययन, मार्गदर्शन और सहायता के लिए आई सी डब्ल्यू ए आई की डब्ल्यू आई आर सी के साथ एक समझौता-ज्ञापन पहले से ही किया ताकि भारतीय उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के साथ सम्पन्न किया जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय कार्य

संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय लेखाकार परिसंघ (आई एफ ए सी), एशियाई एवं प्रशांत लेखाकार महासंघ (सीएपीए) और दक्षिण एशियाई लेखाकार परिसंघ (एस ए एफ ए) जैसी सभी अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण निकायों में प्रतिनिधित्व किया। प्रसंगवश, संस्थान इन तीनों अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण निकायों का संस्थापक सदस्य बन गया।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, श्री एस. रामानाथन, पूर्व अध्यक्ष तथा मौजूदा परिषद सदस्य आई एफ ए सी की प्रतिष्ठित एफ एम ए सी (अंतर्राष्ट्रीय लेखाकार परिसंघ की वित्तीय एवं प्रबंधन लेखा समिति) का सदस्य नियुक्त

किया है और श्री बी.वी. देवबर्बर तत्काल पूर्व अध्यक्ष, इसी समिति में तकनीकी सहालाकार के रूप में नियुक्त हैं।

संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण निकाय की विभिन्न बैठकों, जिसमें आई एफ ए सी - एफ एम ए सी बैठक, सी ए पी ए एक्सकॉन और एस ए एफ ए एसम्बली शामिल हैं, और इससे जुड़ी अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भाग लिया। इन सभी बैठकों में संस्थान ने भारतीय लेखाकारों विशेषतः लागत एवं प्रबंधन लेखाकारों के हितों को दर्शाते हुए और इन सबके अलावा, भारत के राष्ट्रीय हितों को उपयुक्त ढंग से दर्शाते हुए विशिष्टता का बैनर ऊंचा रखा है।

श्री बी. वी. रामणामूर्ति, अध्यक्ष ने ढाका का दारा किया और दिनांक 7 एवं 8 सितम्बर, 2002 को एस ए एफ ए सम्मेलन में भाग लिया। श्रीमती दीपा गुप्ता, परिषद की तत्कालीन सरकार द्वारा नामांकित, ने श्री बी.वी. रामणामूर्ति, अध्यक्ष के साथ सम्मेलन में भाग लिया। श्रीमती गुप्ता ने 'आई टी एज ए व्हीकल ऑफ इकोनॉमिक प्रोग्रेस' के दस्तावेज पर विवरणकर्ता के रूप में भाग लिया। कम से कम हम कह सकते हैं कि यह सम्मेलन एक अपार सफलता थी।

संस्थान की ओर से, श्री बी.वी. रामणामूर्ति, अध्यक्ष ने 18 से 22 दिसम्बर, 2002 के दौरान हांगकांग में वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ एकाउंटेंट्स में भाग लिया। वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ एकाउंटेंट्स के अलावा श्री रामणामूर्ति ने आई-एफ-ए सी और एक्सकाम की परिषद बैठक और सी ए पी ए की वार्षिक आम बैठक में भी भाग लिया। इन सभी अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में उन्होंने हमारे व्यवसायिक नजरिए को उपयुक्त ढंग से रखा जिसके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में संस्थान के दृष्टिकोण को सबके सामने रखा गया।

सतत् शिक्षा कार्यक्रम समिति

वर्ष 2002-2003 के दौरान संस्थान की सतत् शिक्षा कार्यक्रम समिति ने 26 प्रबंधन संबंधी विकास कार्यक्रमों को आयोजित किया (देखें अनुबंध-III)। इन कार्यक्रमों का आयोजन भारत में भिन्न-भिन्न स्थानों पर किया गया और सिंगापुर, मलेशिया और बैंकाक में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। वर्ष के दौरान इन कार्यक्रमों का आयोजन निम्न विषयों पर आधारित था:-

1. प्रबंधन लेखा और सर्वोत्तम कार्य-निष्पादन।
2. निगमित वित्त।
3. लागत नियंत्रण एवं लागत मितव्ययिता।
4. लेखाकरण मानक।
5. प्रबंधन लेखाकरण।
6. पेट्रोलियम उद्योग के लिए लागत लेखा रिकार्ड नियम।
7. निगमित वित्तीय जोखिम प्रबंधन एवं वित्तीय पुनर्गठन।
8. वित्तीय प्रबंधन में नवीनतम प्रवृत्तियां।
9. निगमित कर ढांचा।
10. स्रोत पर काटा गया कर।
11. निगमित लेखाकरण नीतियां, विधियां एवं प्रणालियां।
12. इंजीनियर्स के लिए लागत-निर्धारण।
13. आंतरिक लेखा-परीक्षा।
14. गैर-वित्त कार्यकारियों के लिए वित्तीय प्रबंधन।

विभिन्न संगठनों के लिए इन-हाउस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था जिसमें शामिल है मैसर्स मारुति उद्योग लि०, ओ एन जी सी लि०, तेल उद्योग विकास बोर्ड, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, श्रीलंका केन्द्रीय

पर्यावरण प्राधिकरण, अपजैनको, कम्पनी मामला विभाग, भारत सरकार और भारतीय जल सेना भी।

समिति ने सिंगापुर, मलेशिया एवं बैंकाक में 5वीं बार वित्तीय प्रबंधन की नवीनतम प्रवृत्तियों पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया था और इस कार्यक्रम में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उपक्रमों के काफी संख्या में वरिष्ठ कार्यकारियों द्वारा भाग लिया गया था। सी ई पी समिति द्वारा आयोजित अन्य इन-लैंड कार्यक्रमों में भी सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र वाले उद्यमों, बहुराष्ट्रीय बैंकों, बीमा कंपनियों, वित्तीय संस्थानों और सरकारी विभागों के वरिष्ठ एवं मध्यम स्तर के कार्यकारियों द्वारा संख्या में भाग लिया था। इन कार्यक्रमों की विभिन्न संगठनों द्वारा सहायता की गई और समर्थन किया गया। समिति ने पेट्रोलियम उद्योग के लाभार्थी लागत लेखाकरण रिकार्ड (पेट्रोलियम उद्योग) नियमों पर एक अनन्य कार्यक्रम का आयोजन किया।

समिति की आने वाले वर्ष में ऑटोमोबाइल उद्योग, बागान एवं दूरसंचार उद्योग के लिए लागत लेखाकरण रिकार्ड नियमों पर वर्कशॉप और सेमिनारों का आयोजन करने की योजना है। समिति की हमेशा की तरह इन हाउस कार्यक्रमों और स्वतः चालित कार्यक्रमों के अलावा भिन्न-भिन्न स्थानों पर आगामी वर्ष के दौरान तीन अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों को आयोजित करने की भी योजना है।

व्यवसाय में सतत् विकास के लिए समिति उद्योग द्वारा, भागीदारों द्वारा, संस्थान की परिषद् द्वारा और संस्थान के कर्मचारियों द्वारा दिए गए सतत् सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करती है।

व्यावसायिक विकास समिति

वर्ष के दौरान आई सी डब्ल्यू ए आई में व्यावसायिक विकास क्रियाकलाप काफी उत्साहजनक थे। कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 209(1)(घ) के दायरे के अंदर कुछेक बड़े उद्योगों को लाने से प्रैक्टिस के दायरे में व्यापक स्तर पर वृद्धि लाई गई है। कंपनी मामला विभाग ने लागत लेखाकरण रिकार्ड नियमों को बनाने हेतु (1) दूरसंचार (2) पेट्रोलियम और (3) बागान उत्पाद उद्योगों को अधिसूचनाएं जारी करीं।

आई सी डब्ल्यू ए आई ने दिनांक 17 से 19 दिसम्बर 2002 को होटल पियरलैस इन, कोलकाता में लागत नियंत्रण तथा लागत मितव्ययिता पर एक गैर-आवासीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन अल्पसंख्यक विकास, युवा सेवाएं एवं तकनीकी शिक्षा, पश्चिमी बंगाल सरकार के माननीय प्रभासी मंत्री मोहम्मद सलीम द्वारा किया गया था। अपने उद्घाटन भाषण में माननीय मंत्री जी ने यह उल्लेख किया है कि इस समय में जब वैश्विकरण और आर्थिक उदारीकरण देश की आर्थिक स्थिति का जायजा लेने के प्रमुख स्रोतों के रूप में उभरे हैं, तब लागत नियंत्रण और लागत मितव्ययिता भी किसी आर्थिक क्रियाकलाप में एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनने के लिए बाध्य हुए हैं। उन्होंने संस्थान के प्राधिकारियों को, जब कभी भी आवश्यकता पड़े, सर्वोत्तम सहायता उपलब्ध कराने का भी वादा किया है। श्री रोबिन देब, पश्चिम बंगाल विधान सभा के माननीय सदस्य, ने भी उक्त कार्यक्रम में अपनी रमणीय उपस्थिति दर्ज कराई और मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में उक्त विषय की संगतता के बारे में भी बताया। श्री श्यामल बैनर्जी, जो संस्थान के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं, ने भी न केवल उद्घाटन सत्र में उक्त कार्यक्रम में भाग लिया बल्कि संकाय सदस्य के रूप में भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। श्री डी के वर्मा, निदेशक(वित्त) कोल इंडिया लिमिटेड, भी एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे और उन्होंने

उक्त विषय पर भी विचार-विमर्श किया। श्री हरीजिबन बैनर्जी, संस्थान के पूर्व अध्यक्ष भी उपरोक्त कार्यक्रम में उपस्थित थे।

आई सी डब्ल्यू ए आई ने दिनांक 20 से 24 जनवरी, 2003 को ई आई आर सी, 84, हरीश मुखर्जी रोड, कोलकाता में ओएनजीसी अधिकारियों के लिए प्रबंधन लेखाकरण पर एक अन्य कार्यक्रम का आयोजन किया था। पश्चिम बंगाल विधान सभा के माननीय सदस्य, श्री रोबिन देब ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने उल्लेख किया कि दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है जोकि लागत एवं प्रबंधन लेखाकार और लागत लेखाकरण का राष्ट्रीय प्राधिकरण है और लागत लेखाकारों के लिए उत्पत्ति का स्रोत है जो इस क्षेत्र में उच्च श्रेणी का व्यवसाय है। उन्होंने कहा कि व्यापक संदर्भ में लागत लेखाकरण शेष विश्व में प्रबंधन लेखाकरण के रूप में जानी जाती है और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के साथ इसकी नामपद्धति में बदलाव लाना हमारे देश के उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा किया जाना बाकी है। उन्होंने आगे बताया कि जबसे सरकार द्वारा उदारीकरण नीति की घोषणा की गई है तबसे आर्थिक परिदृश्य में पर्याप्त बदलाव पहले से ही आ चुके हैं। इस बदलते हुए परिदृश्य के तहत लागत एवं प्रबंधन लेखाकारों का एक महत्वपूर्ण रोल होगा। इसलिए, इस विषय की संगतता पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं है और आशा की जाती है कि भागीदारों को इससे व्यापक लाभ होगा। उक्त कार्यक्रम की अपार सफलता की कामना करते हुए उन्होंने अपनी बात यह कहकर समाप्त की थी कि उक्त कार्यक्रम में व्यापक किस्म के मुद्दे और ऐसी आशा जताई है कि भागीदारों की इस पर सजीव रूप से चर्चा होगी। संस्थान के अशीति-वर्षीय भूतपूर्व सचिव श्री एस. एन. घोष, जोकि संस्थान के साथ शुरू से ही जुड़े हुए थे, ने उक्त कार्यक्रम में एक आदरणीय अतिथि के रूप में भाग लिया और संस्थान में अपने द्वारा लम्बे समय से की गई सेवाओं के कुछ हसीन पलों के बारे में सभी संबंधितों को बताया। श्री हरीजिबन बैनर्जी, संस्थान के भूतपूर्व अध्यक्ष भी मौजूद थे।

समकालीन मुद्दों पर विचार-विमर्श करने हेतु और विचारों को तैयार करने हेतु आई सी डब्ल्यू ए आई ने वर्ष के दौरान संस्थान के ऑडिटोरियम में निम्नलिखित सेमिनारों/वर्कशॉप का आयोजन किया जिसमें सदस्यों के अनुभव को बांटने और निपुणता और ज्ञानता को अद्यतन बनाने के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान होते हैं : (i) वेट पर सेमिनार, (ii) लागत लेखाकरण रिपोर्ट नियम-2001, (iii) चाय उद्योग : (iv) दूरसंचार उद्योग। कोलकाता में चाय बोर्ड के कुछेक प्रतिनिधि चाय उद्योग के सेमिनार में उपस्थिति थे। उन्हें अनुभवी वक्ताओं के विचारों को सुनकर और उपस्थित सदस्यों से बातचीत करके बहुत खुशी हुई। यह विचारणीय बात थी कि चाय बोर्ड प्राधिकारियों ने संस्थान को राष्ट्रीय महत्व की परामर्शी सेवाएं प्रदान की और इन सेवाओं को संस्थान द्वारा स्वीकार किया गया।

वर्ष के दौरान, लागत एवं प्रबंधन लेखाकरण व्यवसाय की प्रगति पर्याप्त दिखती है। संस्थान की पहल पर प्रैक्टिसिंग सदस्यों द्वारा प्राप्त किए गए कुछेक अवसरों को संलग्न किया गया है।

नए केन्द्रीय उत्पाद मूल्यांकन नियमों के तहत परिवहन लागत के प्रमाणीकरण हेतु व्यावसायिक विशेषज्ञों के रूप में लागत लेखाकारों को मान्यता दी गई है। ये निर्यात से विदेशी मुद्रा अर्जन का प्रमाणीकरण करने के लिए भी अधिकृत हैं। केन्द्र सरकार द्वारा बनाई गई हस्तांतरण कीमत संबंधी निर्यात समूह ने अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया है और इसकी प्रमुख सिफारिशों में से एक प्रमुख सिफारिश हस्तांतरण कीमत

संबंधी नीति पर एक विवरण देने की शुरुआत करना और इसका कार्यान्वयन, जिसकी लागत लेखाकारों द्वारा लेखा परीक्षण किया जाना जरूरी है। लागत लेखाकारों को राज्य वेट के मामले में उचित मान्यता दी गई है (इन राज्यों में शामिल हैं, गोवा, तमिलनाडु, कर्नाटक, उड़ीसा एवं केरल) जिससे हमारे सदस्यों को वेट लेखा-परीक्षा के लिए अधिकार मिले हैं। पश्चिम बंगाल ने हाल ही में संशोधित पश्चिम बंगाल बिक्री कर नियमों के तहत बड़े डीलरों की स्थायी संपत्तियों के प्रमाणीकृत मूल्यांकन के लिए लागत लेखाकारों को मान्यता दी है। वेट पर एक राष्ट्रीय समिति बनाई गई है ताकि सभी राज्यों में संगत राज्य बिक्री कर अधिनियम के संशोधन/स्थानापन्न की जगह वेट की शुरुआत की जा सके। यह आशा की गई है कि लागत लेखाकार समूचे भारत में इस क्षेत्र में एक बूम रोल निभाएगा।

इसके अलावा, लागत लेखाकारों के लिए जाब-मार्किट भारत में और विदेशों में दोनों जगह प्रगति के कगार पर हैं। नियोक्ता अपने-अपने संगठनों में लागत लेखाकारों को नियुक्त करने में काफी उत्सुक हैं। यह तथ्य भी एच ई एल, ओ एन जी सी इत्यादि जैसे बड़े संगठनों द्वारा लिए गए कैम्पस साक्षात्कारों से स्पष्ट दिखाई पड़ता है।

लागत लेखाकरण स्टैंडर्ड बोर्ड ने चार लागत लेखाकरण स्टैंडर्ड (कैस) को तैयार किया है। वर्ष के दौरान इनमें से तीन संस्थान द्वारा बनाए गए हैं जैसे, कैस 2-योग्यता निर्धारण पर, कैस 3 - अतिरिक्त खर्चों के आबंटन एवं संविभाजन पर, कैस 4 - कैपिटल खपत के लिए लागत उत्पादन पर। औसत परिवहन लागत के निर्धारण कैस 5 पर बने मैसौदे को प्रकाशित किया गया है और यथा समय में निर्धारित किया जाएगा। इसी बीच, भारत सरकार ने दिनांक 13 फरवरी, 2003 के केन्द्र सरकार के परिपत्र सं० 692/08/2003- सी एक्स के द्वारा कैपिटल खपत हेतु कैस 4 के लिए आवेदन करना आवश्यक कर दिया है।

कंपनी कार्य विभाग, वित्त एवं कंपनी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने दिनांक 5 फरवरी, 2003 के पत्र सं० 10/32002-आईजीसी द्वारा संस्थान के प्राधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे इसमें उठाए गए मुद्दों के विरुद्ध न्यायोचित विस्तृत प्रस्तावों को प्रस्तुत करें ताकि उन पर आगे कार्रवाई की जा सके। यह नोट करना उत्साहजनक है कि संस्थान ने दिनांक 20 मार्च, 2003 के अपने पत्र सं० जी-142/3/2003 के द्वारा न्याय देते हुए निम्नलिखित प्रस्तावों को प्रस्तुत किया है और इस संबंध में सरकार के निर्णय की प्रतीक्षा है :-

1. आयकर अधिनियम, 1961 के तहत 'लेखाकार' की परिभाषा में लागत लेखाकारों को शामिल करना।
2. कुल बिक्री 40 लाख रु० से ज्यादा होने के मामले में बिक्री-कर लेखा परीक्षा कराने हेतु लागत लेखाकारों को प्राधिकृत करना।
3. वेट संबंधी विचारधारा की शुरुआत करने के संदर्भ में वेट लेखा-परीक्षा करने हेतु लागत-लेखाकारों को प्राधिकृत करना।
4. लेखाकारों को को-ऑपरेटिव सोसाइटीज और को-ऑपरेटिव बैंकों का लेखा परीक्षा करने के लिए प्राधिकृत करना चूंकि इन क्षेत्रों के कार्यों में काफी सामर्थ्य होता है।
5. उपभोक्ता संरक्षण के एक उपाय के रूप में, लागत लेखाकारों को प्राधिकृत करना ताकि कम आवश्यकता वाली उपभोक्ता वस्तुओं की पैकिंग पर अधिकतम खुदरा कीमत को प्रमाणीकृत किया जा सके। उपरोक्त के अलावा, संस्थान ने केन्द्र सरकार से यह भी अनुरोध किया है कि वे लागत लेखाकारों के लिए आगे का मार्ग प्रशस्त करने और इनके पूर्वेक्षणों का सुदृढीकरण करने हेतु निम्नलिखित उपाय पर विचार करें:-

- लिमिटेड कंपनियों के स्टॉक मूल्यांकन का प्रमाणीकरण करने के लिए योग्य लागत-लेखाकारों को प्राधिकृत करना।
- माओकैरे के तहत चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को दिए गए मौजूदा अधिकारों की बजाय लागत लेखाकारों को प्राधिकृत करना ताकि धारा 209(३)(घ) के तहत लागत लेखाकरण रिकॉर्ड का रख-रखाव किया जा सके।
- वित्ती मंत्रालय की लागत लेखा शाखा द्वारा अलग से लागत लेखा-परीक्षा आदेश जारी करने की आवश्यकता के बिना ही स्वयं ही वार्षिक लागत लेखा-परीक्षा कराना।
- वार्षिक आम बैठक में वैधानिक लेखापरीक्षकों (चार्टर्ड एकाउंटेंट्स) के समतुल्य लागत लेखाकार की भी नियुक्ति करना और उनका वेतन निर्धारित करना। वार्षिक रिपोर्ट के साथ संक्षिप्त लागत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का प्राधिकृत प्रकाशन करना।
- 5.00 करोड़ एवं इससे ज्यादा की प्राधिकृत प्रदत्त पूंजी के साथ कंपनियों के लिए मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए पात्रता के रूप में योग्य लागत लेखाकार को शामिल करना।
- आई सी डब्ल्यू ए आई का नाम बदलकर आई सी एम ए (इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंट) रखना जिससे विश्व के अन्य देशों द्वारा किया गया है। आई सी डब्ल्यू ए आई, आई सी डब्ल्यू ए (लंदन) की शाखा है और इस पेरेंट निकाय का नाम सी आई एम ए बहुत पहले बदला गया था।
- लागत लेखाकारों को प्राधिकृत करना ताकि वार्षिक लेखा में सैगमेंट रिपोर्ट के तहत दिए गए आंकड़ों को प्रमाणीकृत किया जा सके।
- हस्तांतरण कीमत के तहत संबद्ध पार्टी लेने-देने के लिए आंकड़ों को प्रमाणीकृत करने हेतु लागत लेखाकारों को प्राधिकृत करना।
- डी आर डी ए के लेखों की लेखा-परीक्षा करने हेतु लागत लेखाकारों को प्रमाणीकृत करना।

लेखा

संस्थान की वर्ष 2002-2003 के लेखा परीक्षित लेखे, उस पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट, जिसमें दो वर्षों के बड़े घाटों के पश्चात् अतिरिक्त लाभ को दर्शाया गया है, को अलग से भेजा जा रहा है।

सराहना एवं धन्यवाद

व्यवसाय के हेतु को आगे बढ़ाने के लिए परिषद अधिकारियों तथा कर्मचारियों एवं सभी सदस्यों द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना करती है। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान परिषद को प्रदत्त सहयोग एवं सहायता के लिए परिषद सरकारी विभागों विशेषरूप से विधि, न्याय एवं कंपनी कार्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, उद्योग मंत्रालय, अन्य सरकारी विभागों, विभिन्न सरकारी एवं निजी क्षेत्र के संगठनों, स्वायत्तशासी निकायों, बैंकों, बीमा कंपनियों, वित्तीय संस्थाओं तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सचिवों एवं अधिकारियों को भी हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करती है। समिति भविष्य में भी इस प्रकार की सतत् मदद सहयोग एवं मार्गदर्शन की आशा करती है।

परिषद के आदेश से

दिनांक: 21 जुलाई, 2003

ह०/-

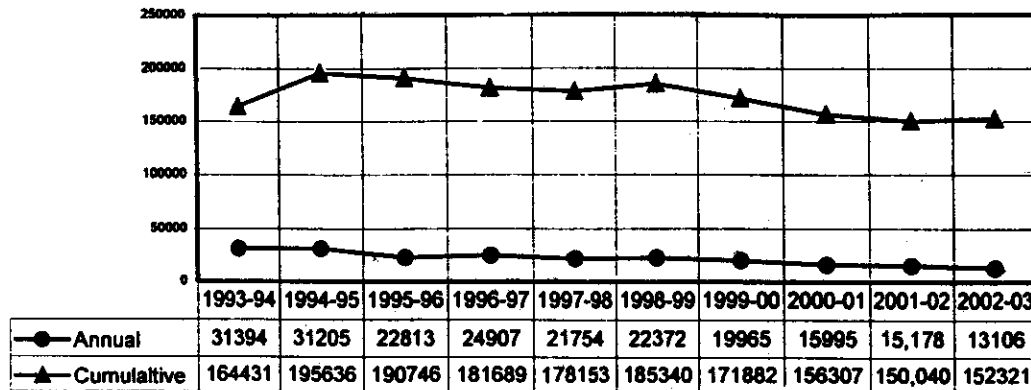
(बी.वी. रमणावृत्ति)

अध्यक्ष

छात्रों का वार्षिक पंजीकरण (गत 10 वर्ष)

YEAR	1993-94	1994-95	1995-96	1996-9	1997-98	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
Annual	31394	31205	22813	24907	21754	22372	19965	15995	15,178	13106
Cumulative	164431	195636	190746	181689	178153	185340	171882	156307	150,040	152321

ANNUAL STUDENTS REGISTRATION (Last Ten Years)



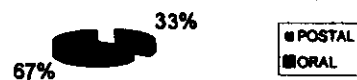
इंटरमीडिएट एवं फाइनल विद्यार्थियों समूह का वितरण (डाक एवं मौखिक योजना)

YEAR	FOUNDATION			INTERMEDIATE			FINAL		
	POSTAL	ORAL	TOTAL	OSTA	ORAL	TOTAL	POSTAL	ORAL	TOTAL
2001-2002	0	0	0	11589	11006	22595	1284	617	1901
%				51	49	100	68	32	100
2002-2003	1,511	3,117	4,628	9827	10456	20283	1049	416	1465
%	33	67	100	48	52	100	72	28	100

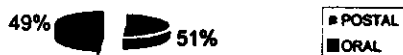
FOUNDATION (2001-2002)



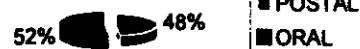
FOUNDATION (2002-2003)



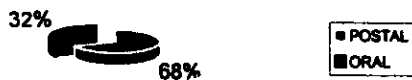
INTERMEDIATE (2001-2002)



INTERMEDIATE (2002-2003)



FINAL (2001-2002)



FINAL (2002-2003)



अनुबंध-1

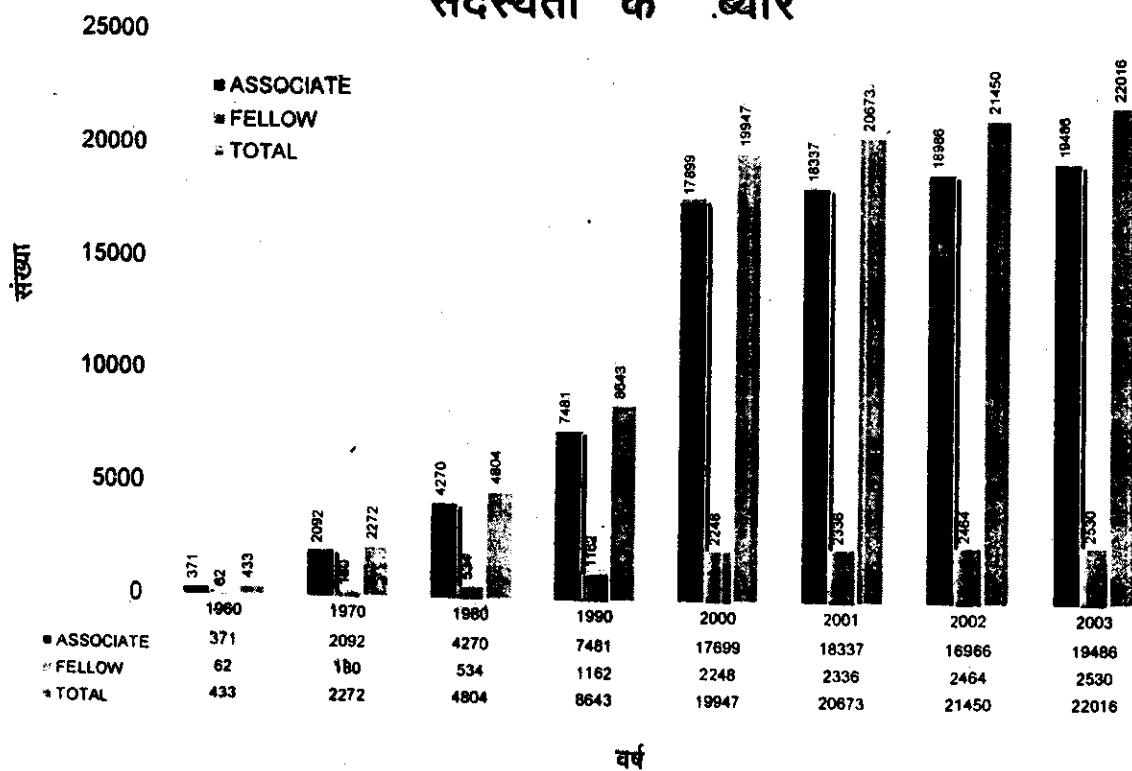
वर्ष 2002-2003 के लिए परिवर्ध की स्थायी समितियाँ एवं अन्य समितियाँ
(22 जुलाई, 2002 की स्थिति के अनुसार)

स्थाई समितियाँ	आयोजित बैठकों की संख्या-4	5. अनुसंधान एवं पत्रिका समिति (कोरम 2)	आयोजित बैठकों की संख्या
1. कार्यकारी समिति (कोरम 3) (1) श्री बी.वी. रामणामूर्ति अध्यक्ष, चेयरमैन (2) डा.के.एल. जयसिंह, उपाध्यक्ष सदस्य (3) श्री एस. रामानाथन सदस्य (4) श्री वी.वी. देवधर, निवर्तमान सदस्य अध्यक्ष (5) श्री बिनाबन्द्र मजुमदार सदस्य सचिव		(1) श्री डी.वी. जोशी चेयरमैन (2) श्री बिनाबन्द्र मजुमदार सदस्य (3) डा. एच.आर. सुब्रमण्यम सदस्य श्री सिद्धार्थ सेन सचिव निदेशक(अनुसंधान एवं पत्रिका)	
2. अनुशासन समिति (कोरम 2) (1) श्री बी.वी. रामणा मूर्ति, चेयरमैन अध्यक्ष (2) सुश्री दीपा गुप्ता, सदस्य सरकार द्वारा नामित (3) श्री वी.वी. देवधर, सदस्य		6. जारी शिक्षा कार्यक्रम समिति (कोरम 3) (1) श्री एस. रामानाथन चेयरमैन (2) श्री डी.सी. बजाज सदस्य (3) श्री पी. मोहंती सदस्य (4) सुश्री दीपा गुप्ता सदस्य श्री डी. चन्दु सचिव उप निदेशक(कार्यक्रम)	
3. परीक्षा समिति (कोरम 2) (1) डा. के.एल. जयसिंह चेयरमैन उपाध्यक्ष (2) श्री बिनाबन्द्र मजुमदार सदस्य (3) श्री चन्द्र वधवा, सरकार द्वारा नामित सदस्य सुश्री सी. बोस सचिव निदेशक(परीक्षा)	आयोजित बैठकों की संख्या-5	7. व्यावसायिक विकास समिति (कोरम 2) (1) श्री वी.वी. देवधर चेयरमैन (2) श्री डी.सी. बजाज सदस्य (3) श्री एस. रामानाथन सदस्य (4) श्री कुणाल बैनर्जी सदस्य श्री ए.पी. कार निदेशक(तकनीकी)	
अन्य समितियाँ 4. प्रशिक्षण एवं शैक्षिक सुविधाएं संबंधी समिति (कोरम 3) (1) श्री बिनाबन्द्र मजुमदार चेयरमैन (2) श्री डी.सी. बजाज सदस्य (3) श्री एस. रामानाथन सदस्य (4) श्री कुणाल बैनर्जी सदस्य श्री स्वप्न डे सचिव निदेशक(अध्ययन)	आयोजित बैठकों की संख्या-1	8. सदस्य सेवाएं और सदस्य सुविधा समिति (कोरम 3) (1) डा.ओ अशोक अग्रवाल चेयरमैन (2) श्री वी. मजुमदार सदस्य (3) श्री परवाकर मोहंती सदस्य (4) श्री डी.वी. जोशी सदस्य श्री कौशिक बैनर्जी सचिव उप निदेशक(सदस्यता)	
9. वित्तीय सहायता, बीमा और सेवा क्षेत्र समिति (कोरम 2) (1) श्री एच.आर. सुब्रमण्यम चेयरमैन (2) श्री डी.वी. जोशी सदस्य (3) डा. ए.के. अग्रवाल सदस्य (4) श्री विजय जालानी सदस्य श्री एस.आर. साहा सचिव उप निदेशक(ए एंड एफ)		12. सार्वजनिक क्षेत्र समन्वय समिति (कोरम 3) (1) श्री कुणाल बैनर्जी चेयरमैन (2) श्री वी.वी. देवधर सदस्य (3) श्री एस. रामानाथन सदस्य श्री एस. सी. गुप्ता सचिव उप निदेशक(पी एंड डी)	
10. क्षेत्रीय परिवर्ध और स्कॉलर समन्वय समिति (कोरम 2) (1) श्री परवाकर मोहंती चेयरमैन (2) श्री बी.सी. देवधर सदस्य (3) श्री बी.आर. केडिया सदस्य श्री एस. चक्रवर्ती सचिव संयुक्त निदेशक(अध्ययन)	आयोजित बैठकों की संख्या-1	13. नवी मुम्बई अनुसंधान केन्द्र परिसर समिति (कोरम 3) (1) श्री डी.वी. जोशी चेयरमैन (2) श्री वी.वी. देवधर सदस्य (3) श्री वी.आर. केडिया सदस्य श्री आर.एन. पाल सचिव निदेशक(ए एंड एफ)	
11. कंप्यूटर एवं नेटवर्किंग समिति (कोरम 3) (1) श्री डी.सी. बजाज चेयरमैन (2) डा. अशोक कु. अग्रवाल सदस्य (3) श्री बी. मजुमदार सदस्य (4) श्री एच.आर. सुब्रमण्यम सदस्य श्री बनही मट्टाचार्य सचिव उप निदेशक(पत्रिका)			

सदस्यता के ब्यारे

वर्ष	एसोसिएट	फेलो	कुल
1960	371	62	433
1970	2092	180	2272
1980	4270	534	4804
1990	7481	1162	8643
2000	17699	2248	19947
2001	18337	2336	20673
2002	16986	2464	21450
2003	19486	2530	22016

सदस्यता के ब्यारे



अनुबंध-III

अप्रैल, 2002 से मार्च, 2003 के दौरान आयोजित प्रबंधन विकास कार्यक्रम

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	दिनांक	स्थान
1.	मास्केटि उद्योग लि० कार्यक्रम - गैर वित्त कार्यकारियों के लिए वित्तीय प्रबंधन	26-27 अप्रैल, 2002	गुडगाव, हरियाणा
2.	ओएनजीसी कार्यक्रम - गैर वित्त कार्यकारियों के लिए वित्तीय प्रबंधन	24-28 जून, 2002	नई दिल्ली
3.	मास्केटि कार्यक्रम- वित्त एवं लागत प्रबंधन	25-26 जुलाई, 2002	गुडगाव, हरियाणा
4.	मास्केटि उद्योग लि० कार्यक्रम-गैर वित्त कार्यकारियों के लिए वित्त	6-8 अगस्त, 2002 (तीन आधा दिन)	गुडगाव, हरियाणा
5.	ओ आई डी बी कार्यक्रम - वित्तीय प्रबंधन	19-23 अगस्त, 2002	नई दिल्ली
6.	एन एच ए आई -लेखा अधिकारियों/लेखाकारों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम	19-23 अगस्त, 2002	गोवा
7.	रेजिडेंसियल प्रोग्राम - आंतरिक लेखाकरण	16-19 सितम्बर 2002	गोवा
8.	ओएनजीसी कार्यक्रम -इंजीनियरों के लिए लागत	23-27 सितम्बर 2002	नई दिल्ली
9.	श्रीलंकाई केन्द्रीय पर्यावरण प्राधिकरण के लिए वित्त प्रबंधन एवं प्रबंधन लेखाकार	23 सितम्बर 2002 और 6 अक्टूबर 2002	चेन्नई
10.	निगमित लेखाकरण नीतियां, पद्धतियां एवं प्रणालियां	6-11 अक्टूबर 2002	तिरुवनंतपुरम
11.	ओएनजीसी कार्यक्रम -गैर-वित्त कार्यकारियों के लिए वित्त प्रबंधन	28 अक्टूबर से 1 नवम्बर 2002	नई दिल्ली
12.	स्त्रोत पर कर की कटौती	12-14 नवम्बर 2002	चेन्नई
13.	लेखाकरण मानक	20-22 नवम्बर 2002	नई दिल्ली
14.	डीईपी कार्यक्रम -प्रबंधन लेखा एवं संपूर्ण निष्पादन	27-29 नवम्बर 2002	हैदराबाद
15.	अपजैन्को (पीएफसी) इन-हाउस कार्यक्रम -वित्त प्रबंधन में लागत लेखाकरण, कम्प्यूटर्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी	28-30 नवम्बर 2002	इन्नाहिमपट्टनम्, आन्ध्र प्रदेश
16.	लागत नियंत्रण एवं लागत मितव्ययता	17-19 दिसम्बर, 2002	कोलकाता
17.	निगम कर योजना	18-20 दिसम्बर, 2002	भुवनेश्वर
18.	ओ एन जी सी इन-हाउस कार्यक्रम -लागत नियंत्रण एवं लागत मितव्ययता	6-10 जनवरी, 2003	दिल्ली
19.	वित्त प्रबंधन में नवीनतम प्रवृत्तियां	15-25 जनवरी, 2003	सिंगापुर कुआलालम्पुर और बैंकाक
20.	ओ एन जी सी इन-हाउस कार्यक्रम -प्रबंधन लेखाकरण	20-24 जनवरी, 2003	कोलकाता
21.	निगमित वित्त जोखिम प्रबंधन एवं वित्त पुनर्गठन	3-6 फरवरी, 2003	पोर्ट ब्लेयर
22.	कंपनी कार्य मामला विभाग, भारत सरकार कार्यक्रम -लागत एवं लेखाकरण	17-21 फरवरी, 2003	मुम्बई
23.	ओएनजीसी इन-हाउस कार्यक्रम -इंजीनियरों के लिए लागत	17-21 फरवरी, 2003	नई दिल्ली
24.	स्त्रोत पर कर की कटौती	18-20 फरवरी, 2003	बंगलौर
25.	इंडियन नैवल प्रोग्राम-लागत प्रबंधन	3-7 मार्च, 2003	नई दिल्ली
26.	लागत लेखाकरण रिकॉर्ड (पेट्रोलियम उद्योग) नियम, 2002 पर सेमिनार	6 मार्च, 2003	नई दिल्ली

पश्चिम भारत क्षेत्रीय परिषद (डब्ल्यू आई आर सी)

डब्ल्यू आई आर सी ने रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए:-

- (1) दिनांक 18 से 19 जुलाई, 2002 को लागत लेखा (रिपोर्ट) नियम, 2001 पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन श्री सुरेश कोटक, अध्यक्ष, इंडियन मर्चेंट चैम्बर द्वारा किया गया था। अन्य अतिथियों में शामिल थे - श्री सी.ड. पैक, क्षेत्रीय निदेशक, डीसीए, मुम्बई, श्री आई.पी. सिंह, संयुक्त निदेशक (लागत), श्री पी.डी. फडके, श्री वी.वी. दिओघर (पूर्व अध्यक्ष), आई सी डब्ल्यू ए आई और कुछेक परिषद सदस्य/पदाधिकारी। श्री सुरेश कोटक ने भी इस मौके पर दिनांक 18.7.2002 को 'गाइडेंस नोट टू कॉस्ट ऑडिट' जारी किया था।
- (2) दिनांक 18.10.2002 को लागत लेखा परीक्षा (रिपोर्ट) नियम 2001 पर दूसरे सेमिनार का आयोजन किया गया था जिसका उद्घाटन श्री विक्रम शास्त्र, अध्यक्ष, महाराष्ट्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा किया गया था। अन्य अतिथियों में शामिल थे- डब्ल्यू आई आर सी के उच्च अधिकारीगण, पूर्व अध्यक्ष एवं पदाधिकारी।
- (3) दिनांक 22 से 23 नवम्बर, 2002 को औरंगाबाद में अप्रत्यक्ष कर योजना पर क्षेत्रीय लागत सम्मेलन - ए कॉस्ट मैनेजमेंट टूल का आयोजन किया गया था। श्री आर.एन. बगलाजी, उद्यमी एवं अध्यक्ष, बालूजा इंडस्ट्रीज एशोसिएशन ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।
- (4) दिनांक 13.12.2002 को पाटनरोधी सुरक्षापाय शुल्क पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया था जिसका उद्घाटन श्री मोहन निहालानी, अध्यक्ष, अखिल भारतीय निर्यातक एवं आयातक एशोसिएशन द्वारा किया गया था। श्री पी.डी. फडके, पूर्व अध्यक्ष, आई सी डब्ल्यू ए आई द्वारा मुख्य भाषण दिया गया था।
- (5) दिनांक 20.12.2002 को प्रतिभूतिकरण, पुनर्गठन एवं सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 की बाधकता और विनियम क्रय-विक्रय योग्य साख-पत्र अधिनियम पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। श्री जयारामण अय्यर, कार्यकारी निदेशक, आई डी बी आई ने सेमिनार का उद्घाटन किया और श्री जी.एम. रामामूर्ति, वैधानिक सलाहकार, आई डी बी आई ने मुख्य भाषण दिया था।
- (6) दिनांक 20 से 21 फरवरी, 02 को लागत लेखा-परीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 2001 पर एक अगला सेमिनार का आयोजन किया गया था जिसका उद्घाटन श्री अमिलाल आनंदपारा, पूर्व अध्यक्ष, एम सी सी आई द्वारा किया गया। अन्य अतिथियों में शामिल थे डब्ल्यू आई आर सी के उच्च अधिकारीगण, पूर्व अध्यक्ष एवं पदाधिकारी।
- (7) आई ओ सी एल के अधिकारियों के लिए तीन माह का कार्यकारी विकास कार्यक्रम पूर्ण किया गया। आई ओ सी एल के अधिकारियों के लिए मुख्यालय की ओर से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी प्रबंध किया गया।
- (8) अहमदाबाद और पुणे में उत्पाद अधिकारियों के लिए उत्पाद लेखा-परीक्षा एवं लागत लेखा परीक्षा पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

- (9) डब्ल्यू आई आर सी ने अपने तीन पॉवर जनरेशन स्टेशनों के लिए एमएसईबी से लागत एवं लागत लेखाकरण प्रणाली के डिजाइन एवं विकास हेतु प्रयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं प्राप्त की हैं जिनके तुरंत रिपोर्ट पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी है। एम एस ई बी से कुछ और कार्य आने की योजना है।
- (10) व्यवसाय से जुड़े सदस्यों के लाभार्थ प्रत्येक शनिवार को सदस्यों की बैठकों का आयोजन किया जाता है जिसमें व्यवसाय संबंधी हित के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाता है।
- (11) दिनांक 14.2.2003 को भारतीय मर्चेंट चैम्बर और डब्ल्यू आई आर सी के बीच एक समझौता-झापन किया गया जिस पर श्री सुरेश कोटक, अध्यक्ष, भारतीय मर्चेंट चैम्बर और श्री डी.वी. जोशी, क्षेत्रीय परिषद सदस्य और अध्यक्ष, डब्ल्यू आई आर सी द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।
- (12) वर्ष के दौरान कोषिण के स्तर में आगे और सुधार लाने हेतु संकाय की मौखिक शिक्षण एवं डाक द्वारा शिक्षण पर दो बैठकों का आयोजन किया गया था।
- (13) वर्ष के दौरान छात्रों के लिए मौखिक एवं डाक द्वारा पाठ्यक्रमों पर एक छात्रों के कार्निवल का आयोजन किया गया।
- (14) क्षेत्र के छात्रों के लाभार्थ प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कराधान पर एक विशेष मार्गदर्शन व्याख्यान का आयोजन किया गया था।
- (15) डब्ल्यू आई आर सी के पूर्व एवं मौजूदा अध्यक्ष से विज्ञप्ति के प्रकाशन से क्षेत्र के सदस्यों को हो रहे कार्यकलापों के बारे में जानकारी मिलती रही थी।
- (16) आई सी डब्ल्यू ए आई के पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु कंप्यूटर प्रयोगशाला और इसमें दिए गए प्रशिक्षण से छात्रों को सहायता मिली है।
- (17) योग्य छात्रों को लाभ देने के लिए प्लेसमेंट सुविधा भी मुहैया कराई गई है।
- (18) डब्ल्यू आई आर सी ने क्रमशः दिनांक 20.8.2002 और 20.2.2003 को श्री बी.वी. रामणामूर्ति अध्यक्ष और डा० के० एल० जयसिंह, उपाध्यक्ष को सम्मानित किया।
- (19) श्री अशोक कपूर, सलाहकार (लागत), डी सी ए, नई दिल्ली के दौर पर डब्ल्यू आई आर सी में एक सदस्य बैठक का आयोजन किया गया था।

दक्षिण भारतीय क्षेत्रीय परिषद(एस आई आर सी)

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान एस आई आर सी ने निम्नलिखित कार्यकलापों को किया:-

- (1) "वैश्विक प्रबंधन लेखाकरण - मैराडाइम फॉर न्यू इकॉनॉमिक आर्डर" पर चेन्नई में 4 से 6 जनवरी, 2003 को 44 वां राष्ट्रीय लागत सम्मेलन का आयोजन किया गया था। तमिलनाडु के राज्यपाल महामहिम श्री पी.एस. राम मोहन राव द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन किया गया था। चार टेक्नीकल सत्रों के अंत में दिनांक 6.1.2003 को विदाई सत्र का आयोजन किया गया जिसमें श्री बी. वी. रामणामूर्ति अध्यक्ष मुख्य अतिथि थे।
- (2) दिनांक 22 से 23 नवम्बर, 2002 को हैदराबाद में दक्षिण भारत क्षेत्रीय लागत सम्मेलन का आयोजन किया गया था और इसका शीर्षक था "कम्पीट फॉर ग्लोबल सक्सेस"। सम्मेलन का उद्घाटन श्री बी. वी. मोहन रेड्डी, अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, इन्फोटेक एंटरप्राइजेज लि०, हैदराबाद द्वारा किया गया था।

- (3) दिनांक 3.1.2003 को राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'कॉस्ट ऑडिट-ए पार्ट ऑफ कारपोरेट गवर्नंस' पर एक प्रेजेंटेशन सम्मेलन का आयोजन किया गया था। श्री के. वी. शेट्टी, उपाध्यक्ष, ऑटोमोटिव कम्पोनेंट्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन और प्रबंध निदेशक, आई पी रिंग्स लि०, चेन्नई ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और मुख्य भाषण दिया।
- (4) चेन्नई में 7.10.2002 को बैंकर्स बैठक का आयोजन किया गया था। श्रीमती रंजना कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इंडियन बैंक ने बैठक का उद्घाटन किया और बैंकिंग उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रबंधन लेखाकारों के रोल पर मुख्य भाषण दिया।
- (5) 19 से 20 जून, 2002 के दौरान 'कर सम्मेलन' पर दो दिन के सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- (6) एस आई आर सी ने विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे:-
- (क) भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के कार्यकारियों के लिए दिनांक 3 से 5 जुलाई, 02 को गैर-वित्त कार्यकारियों के लिए वित्त विषय पर एक इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। उक्त प्रशिक्षण का कार्यक्रम श्री पी.के. कपूर, अतिरिक्त महाप्रबंधक (कोम.), ए ए आई द्वारा किया गया था।
- (ख) 26.8.2002 से 21.9.2002 तक इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि० के कार्यकारियों के लिए वित्त एवं पद्धतियों पर एक कार्यकारी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। श्री आर.के.पुरी, महाप्रबंधक (वित्त), आई ओ सी एल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- (ग) 6 से 30 नवम्बर, 2002 के दौरान इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि० के कार्यकारियों के लिए वित्त एवं लेखाकरण पद्धतियों संबंधी पाठ्यक्रम पर एक कार्यकारी विकास कार्यक्रम (चरण २) का आयोजन किया गया था। संस्थान एवं उद्योग के विशेष संकायों ने उक्त विषय पर टैक्निकल सत्रों को कराया। विदाई सत्र के दौरान श्री आर.के. पुरी, महाप्रबंधक (वित्त), इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि० ने भागीदारों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।
- (घ) दिनांक 15.2.2003 को दैलविन इंडस्ट्री लि० के कार्यकारियों के लिए 'फंडामेंटल्स ऑफ फाइनेंस एंड एकाउंट्स' पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। श्री आर.गोपालन, कंपनी के प्रबंध निदेशक ने प्रशिक्षण का उद्घाटन किया। संस्थान और उद्योग के विशिष्ट संकायों ने सत्रों का संबोधन किया।
- (7) एस आई आर सी ने निम्नलिखित व्यावसायिक विकास बैठकों का आयोजन किया:-
- (क) दिनांक 6.5.2002 को कारपोरेटों के लिए सुबह और प्रेजेंटेशन के लिए दोपहर को संशोधित लागत लेखाकरण रिकॉर्ड नियम, 2001 पर एक आधे-दिन का वर्कशॉप का आयोजन किया गया था जिसे उद्योग द्वारा और साथ ही प्रेजेंटेशन द्वारा बड़े उद्योगों द्वारा बड़ी संख्या में भाग लिया था।
- (ख) दिनांक 26.7.2002 को स्रोत पर कर की कटौती, केन्द्रीय बिक्री कर एवं सेवाकर पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया था जिसमें काफी संख्या में कारपोरेटों ने बात-चीत में भाग लिया था।
- (ग) दिनांक 6 से 7 मार्च, 2003 को गैर-वित्त कार्यकारियों के लिए वित्त पर दो दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें काफी संख्या में भागीदारों ने भाग लिया था।
- (8) दिनांक 5.3.2003 को केन्द्रीय बजट, 2003 पर एक वार्ता का आयोजन किया गया था। बजट पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सत्रों के अतिरिक्त एक बात-चीत के सत्र का आयोजन किया गया था जिसमें सदस्यों ने विभिन्न वक्ताओं के साथ बात-चीत की। उपरोक्त के अलावा, वर्ष के दौरान काफी संख्या में, अन्य व्यवसाय विकास बैठकों का आयोजन किया गया था।
- (9) छात्रों के लाभार्थ नवीनतम लागत प्रबंधन प्रणालियों पर वीडियो/सी डी कार्यक्रम दिखाए गए।
- (10) एस आई आर सी के कोचिंग कार्यकलापों में निम्नलिखित शामिल हैं:-
- (क) दिसम्बर 2002 से फरवरी 2003 के दौरान एसआई आर सी ने कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- (ख) 7 से 13 मई, 2002 के बीच मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक 'कैरियर फेयर' - इंफोर्मैक्स 2002 में भाग लिया, फेयर के भागीदारों में शामिल थे माननीय श्री ए पी जी अब्दुल कलाम, भारत के राष्ट्रपति, जो आई सी डब्ल्यू ए आई के पाठ्यक्रम के बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे।
- (ग) दिनांक 7-1-2003 को संस्थान और व्यवसाय पर दूरदर्शन के 'पोडीगई' चैनल पर एक कार्यक्रम का प्रसारण किया गया था। आल इंडिया रेडियो ने भी संस्थान और इसके व्यवसाय के बारे में एक कार्यक्रम प्रसारित किया।
- (घ) डाक एवं मौखिक कोचिंग लेने वाले छात्रों के लाभ के लिए रिफ्रेशर कोर्स और गेस्ट लैक्चर्स का भी आयोजन किया गया है। मौखिक एवं डाक कोचिंग लेने वाले छात्रों की एक संकाय बैठक क्रमशः दिनांक 22.2.2003 और 29.3.2003 को हुई।
- (ङ) 13 से 14 सितम्बर, 2002 को 'कॉस्ट ओ रिदम - यूफोरिया 2002' पर दो दिवसीय छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया था। श्री एस.रंगाराजन, वरिष्ठ महाप्रबंधक (वित्त), आई पी रिंग्स लि०, चेन्नई ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।
- (च) 'असरिंग न्यू विस्टास ऑफ कॉस्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटिंग' नामक शीर्षक पर दिनांक 3.1.2003 को अखिल भारतीय छात्र सम्मेलन का आयोजन किया। श्री एल सन्नतनम्, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारतीय सीमेंट लि० ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। इसके पश्चात् टोपिकल इन्ट्रस्ट के विभिन्न मुद्दों पर एक पेपर प्रजेंटेशन दिया गया।
- (छ) एस आई आर सी ने 27.2.2002 को स्कंधों की बैठकों का आयोजन किया। एसआई आर सी द्वारा किए गए राष्ट्रीय लागत सम्मेलन के साथ-साथ दिनांक 5.1.2003 को अन्व बैठक का आयोजन किया गया।

पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद्

रिपोर्टोधीन वर्ष के दौरान ई आई आर सी ने निम्नलिखित कार्यकलाप किए :-

- (1) लगभग 40 फाइनल/इंटर आई सी डब्ल्यू ए अभ्यर्थियों को कोलकाता बी एस एन एल सर्कल और उड़ीसा में काम पर लगाया गया।
- (2) कटक-भुवनेश्वर स्कंध ने निम्न कार्यकलापों में सफलता पाई है:-
- (क) उड़ीसा बैट के तहत लेखाकार की परिभाषा में चार्टर्ड एकाउंटेंट के साथ 'कॉस्ट एकाउंटेंट' का नाम शामिल करना।

- (ख) 40 फाइनल/इंटर आई सी डब्ल्यू ए अभ्यर्थियों को ग्रिडको, सैसको, ओ एच पी सी, डी पी ई पी, पी डब्ल्यू सी आर ई एल इत्यादि में काम पर लगाना ।
- (ग) 30 आई सी डब्ल्यू ए के अभ्यर्थियों को 30 डी आर डी ए एस में नियुक्ति की सहमति देना और उड़ीसा सरकार के पंचायत राज डिपार्टमेंट के तहत लागत लेखाकरण फर्मों के आंतरिक लेखा परीक्षा के कार्य करने की मंजूरी देना ।
- (3) 15.8.2002 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया । श्री बी.बी. रामणामूर्ति, अध्यक्ष ने राष्ट्रीय झंडा फहराया । इस कार्यक्रम में डा. के. एल. जयसिंह, उपाध्यक्ष, श्री अनूप शंकर बागची, सचिव एवं श्री सी.आर. चट्टोपाध्याय, कोषाध्यक्ष और स्टॉफ सदस्यों ने भाग लिया ।
- (4) दिनांक 5.10.2002 को एक प्रेक्टिसिंग सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया । श्री पी.जी. नन्दी, अध्यक्ष ने बैठक की अध्यक्षता की । श्री बी.पी. महापात्रा, उपाध्यक्ष, श्री बिमलेन्दु दासगुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, श्री सांझीबान बंदोपाध्याय, क्षेत्रीय परिषद सदस्य भी उपस्थिति थे ।
- (5) दिनांक 26.10.2002 को एक प्रेक्टिसिंग सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया था । श्री बिमलेन्दु दासगुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, श्री सांझीबान बंदोपाध्याय, सदस्य और काफी संख्या में वरिष्ठ सदस्यों ने बैठक में भाग लिया और व्यवसाय संबंधी मामलों पर विचार-विमर्श किया ।
- (6) दिनांक 15.3.2003 को केन्द्रीय बजट पर चर्चा करने हेतु एक सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया । डा० के० एल० जयसिंह, उपाध्यक्ष ने बैठक की अध्यक्षता की । श्री पी. जी. नन्दी ने सदस्यों का स्वागत किया । इसमें श्री विभावनन्दा मझुमदार, केन्द्रीय परिषद सदस्य, बी.पी. मोहापात्रा, उपाध्यक्ष, बिमलेन्दु दासगुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, सांझीबान बंदोपाध्याय, क्षेत्रीय परिषद सदस्य, भी उपस्थिति थे । श्री संपत मुखर्जी, जाने माने अर्थशास्त्री, एस.एन.एस मोहापात्रा, वरिष्ठ सदस्य और कर सलाहकार मुख्य वक्ता थे ।
- (7) 30.4.2003 को एक सदस्य बैठक का आयोजन किया गया था जिसमें श्री हरीजीवन बैनर्जी, पूर्व अध्यक्ष ने विनिवेश पर बोला था ।
- (8) 13 से 16 मार्च, 2003 के बीच हन्दिआ में टीडीएस/बिक्री कर, वर्क्स कान्ट्रैक्ट पर भारतीय ऑयल कारपोरेशन के कार्यकारियों के लिए एक ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । श्री सांझीबान बंदोपाध्याय, अध्यक्ष, प्रबंधन विकास कार्यक्रम और अनुसंधान समिति ने कार्यक्रम का समन्वय किया ।

उत्तर भारत क्षेत्रीय परिषद (एनआईआरसी)

- (1) एन आई आर सी ने 14.8.2002 और 23.8.2002 को डाइनामिक मैमोरी संबंधी विधियों पर एक माईड ब्लोइंग सेमिनार का आयोजन किया था । उक्त विषय पर दिनांक 24 और 25-8-2002 को भी दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया था ।
- (2) दिनांक 3.10.2002 को नए लागत लेखा रिपोर्ट नियम, 2001 पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया था जिसमें श्री अरुण कपूर, अध्यक्ष पी एच डी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मुख्य अतिथि थे । श्री जे.के. पुरी, अतिरिक्त मुख्य सलाहकार वित्त मंत्रालय और पूर्व अध्यक्ष आई सी डब्ल्यू ए

आई और श्री आई पी सिंह, संयुक्त निदेशक, लागत लेखा शाखा, डी सी ए ने भी उक्त विषय पर विचार-विमर्श किया ।

(3) दिनांक 23.10.2002 को श्री बी.बी. रामणामूर्ति, अध्यक्ष और डा० के.एल. जयसिंह, उपाध्यक्ष और साथ ही अन्य परिषद सदस्यों और आई सी डब्ल्यू ए आई के पूर्व अध्यक्ष के साथ एन आई आर सी द्वारा एक सदस्य बैठक का आयोजन किया जिसमें मुख्य मुद्दे जैसे

- (क) आयकर अधिनियम की धारा 288(2) में वर्णित लेखाकारों की भाषा में लागत लेखाकारों को शामिल करना ।
- (ख) सभी कंपनियों में लागत लेखाकारों की नियुक्ति जहां कंपनी अधिनियम की धारा 209(1)(घ) के तहत लागत लेखा रिकार्ड नियम लागू होते हैं ।
- (ग) कंपनियों की वार्षिक आम बैठक में लागत लेखा परीक्षकों की नियुक्ति ।
- (घ) माओकैरो रिपोर्ट में धारा 209(1)(घ) की व्यावहारिकता के बारे में प्रेक्टिसकर्ता लागत लेखाकारों द्वारा प्रमाणीकरण के लिए प्रावधान बनाना ।
- (ङ) सी डब्ल्यू ए अधिनियम एवं विनियमों में 'लागत लेखाकारों' का नाम बदलकर लागत एवं प्रबंधन लेखाकार करना ।
- (च) संस्थान के नाम को भारतीय लागत एवं प्रबंधन लेखाकार संस्थान में बदलना - विशिष्ट तौर पर रखा गया मुद्दा ।

- (4) एन आई आर सी ने दिनांक 28.10.2002 को अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय, आयात निर्यात दस्तावेज और दस्तावेजी ऋणों संबंधी एक बातचीत आयोजित की ।
- (5) आंतरिक लेखा-परीक्षा संस्थान, दिल्ली स्कंध के साथ दिनांक 8.11.2002 को सार्वजनिक वित्तीय उत्तरदायित्व पर एक सम्मेलन का आयोजन किया ।
- (6) दिनांक 21.11.2002 को बीमा संबंधी दावों और सर्वेक्षण - लागत एवं प्रबंधन लेखाकार पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विस्तारित रूप से उक्त विषय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया ।
- (7) दिनांक 13 से 14 दिसम्बर 2002 को जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय संबंधी पर्यावरण में लागत प्रबंधन पर दो दिन के लागत सम्मेलन का आयोजन किया गया था । श्री एस.सी. माथुर, राजस्थान के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और प्रशासनिक सुधार आयोग के मौजूदा अध्यक्ष, ने सम्मेलन का उद्घाटन किया । दिनांक 13.12.2002 को हुए दो तकनीकी सत्र के अलावा, दिनांक 14.12.2002 को वैट पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया था जिसमें श्री एस.सी. अग्रवाल ने अध्यक्षता की ।
- (8) दिनांक 29.12.2002 को क्षेत्रीय परिषद के घर के सदस्यों के साथ वार्षिक मिलन एवं नव-वर्ष समारोह बनाया गया ।
- (9) दिनांक 22.1.2003 को वैट निहितार्थ पर एक बातचीत का आयोजन किया गया । डा० के० श्रीवास्तव, पी सी एस, बिक्री कर उपायुक्त, मुख्य वक्ता थे जिसमें वैट से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार पूर्वक विचार-विमर्श किया गया था ।
- (10) दिनांक 22.2.2003 को औद्योगिक एवं श्रम कानून के तहत नियोजता के कर्तव्यों एवं आज्ञाकारिता पर एक पूर्ण दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया था । श्री जे.के. पुरी, अतिरिक्त मुख्य सलाहकार, वित्त मंत्रालय एवं आई सी डब्ल्यू

- ए आई के भूतपूर्व अध्यक्ष ने सेमिनार का उद्घाटन किया । वक्ताओं ने उक्त विषय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बोला ।
- (11) दिनांक 5.3.2003 को केन्द्रीय बजट, 2003 पर एक बातचीत की गई । श्री एस.डी. कपिला, वकील एवं भूतपूर्व आय-कर महानिदेशक और श्री एस.सी. कामरा, वकील ने उक्त विषय पर बोला ।
- (12) दिनांक 21.3.2003 को नए लागत लेखाकरण रिकॉर्ड एवं लागत लेखापरीक्षा नियमों पर एक बातचीत का आयोजन किया गया था । श्री ए.के. कपूर सलाहकार(लागत), लागत लेखा परीक्षा शाखा, डीसीए ने श्री आर.बालसुब्रमणियन, उप-निदेशक, लागत लेखा-परीक्षा शाखा के साथ मिलकर उक्त विषय पर बातचीत की ।
- (13) दिनांक 23.4.2003 को एंटी डंपिंग पर एक बात-चीत का आयोजन किया गया था जिसमें श्री मुकेश भटनागर, आई टी एस, निदेशक, एंटी डंपिंग महानिदेशालय और वाई.के. वैकटेश, आई सी ए एस, निदेशक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, प्रमुख वक्ता थे ।
- (14) दिनांक 25 से 26 अप्रैल, 2003 को चंडीगढ़ में ' टोटल कॉस्ट मैनेजमेंट फॉर कम्प्यूटिड एडवांटेज ' पर एक क्षेत्रीय लागत सम्मेलन का आयोजन किया गया था । हरियाणा के माननीय मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चोटाला ने सम्मेलन का उद्घाटन किया । दिनांक 26.4. 2003 कि श्री आनंद राव अदसूल, माननीय वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार, कल्वरल इवनिंग और प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि थे । अन्य प्रमुख विशिष्ट व्यक्तियों एवं उच्च पदाधिकारियों ने इस अवसर पर बोला ।
- (15) दिनांक 28.5. 2003 को नए प्रबंधन तकनीकों - सिक्स सिगमा पर एक बात-चीत का आयोजन किया गया । श्री अशीष अवस्थी, संस्थान के सदस्य और ईफइस इंटरनेशनल (इंडिया) प्रा0 लि0 के सर्विस डिलीवरी लीडर ने उक्त विषय पर बोला ।
- (16) दिनांक 23.6.2003 को न्यू कंपनी (संशोधन) बिल, 2003 पर एक बात-चीत का आयोजन किया गया जिसमें श्री जी. आर. भाटिया, एम आर टी पी आयोग में अतिरिक्त महानिदेशक (अन्वेषण एवं पंजीकरण) और श्री एस सुधाकर, जनरल मैनेजर (वित्त), बर्गर पेंट लि0 अतिथि वक्ता थे ।
- (17) आंतरिक लेखा परीक्षक संस्थान के साथ मिलकर दिनांक 4.7.2003 को मौजूदा आर्थिक परिप्रेक्ष्य में व्यवसाय के रोल पर एक बातचीत का आयोजन किया गया था । श्री एन पार्थासास्त्री, सदस्य (वित्त), दूरसंचार आयोग, भारत सरकार मुख्य वक्ता थे ।
- (18) एन आई आर सी ने अपने सदस्यों एवं छात्रों लाभार्थ www.nircicwai.org अपनी वेबसाइट की शुरुआत की ।
- (19) दिनांक 12.5.2003 को ए बी एन एमरो बैंक द्वारा कैम्पस इंटरव्यू के लिए पहल की गई थी ।

लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट

इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट ऑफ इंडिया के लिए लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

1. हमने दिनांक 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया

(दि इंस्टीट्यूट) के संलग्न तुलन-पत्र आय एवं व्यय लेखे और उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के नकद प्रवाह विवरण की भी लेखा परीक्षा की । ये वित्तीय विवरण इंस्टीट्यूट के प्रबंधन की जिम्मेदारी है । हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करने की है ।

2. हमने अपनी लेखा परीक्षा भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण मानकों के अनुसार की है । इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस बात के बारे में युक्तिसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और उसका निष्पादन करें कि क्या ये वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण गलतबयानी से मुक्त हैं । किसी लेखा परीक्षा में जांच आधार पर वित्तीय विवरणों में धनराशियों एवं प्रकटनों का समर्थन करनेवाले साक्ष्यका परीक्षण शामिल होता है । किसी लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों और लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन और समग्र वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है । हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारी राय के लिए उपयुक्त आधार प्रदान करती है ।
3. ये लेखे इंस्टीट्यूट की परिषद द्वारा अनुमोदित किए गए हैं किंतु इन पर सचिव ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं क्योंकि उक्त तारीख को इंस्टीट्यूट में कोई सचिव नहीं था ।

4. निम्नलिखित की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है :-

- 4.1 वर्ष के दौरान संस्थान की नियत परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन नहीं किया गया है ।
- 4.2 फ्री होल्ड लैंड एंड बिल्डिंग में लैंड के लिए 31, 29,503 रु0 शामिल हैं जिसका अनुसूची 5 में अलग से नहीं दिखाया गया है ।
- 4.3 18,27,619 रु0 मूल्य के फ्री होल्ड लैंड के दस्तावेज और 1,72,21,270 रु0 मूल्य की बिल्डिंग के दस्तावेज हमारी जांच हेतु उपलब्ध नहीं थे ।
- 4.4 जैसाकि लेखाकरण नीति 1(ख) में उल्लेख किया गया है, पट्टे पर रखी भूमि के संबंध में कुछ भी बट्टे खाते में नहीं डाला गया । हमारी राय में, यह सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है और पट्टे वाली भूमि को पट्टे की अवधि के दौरान परिशोधित किया जाना चाहिए ।
- 4.5 काफी मामलों में बिल्डिंग पूरी होने की तिथि के पश्चात् भी बिल्डिंग का पूंजीकरण करने में लम्बी प्रतीक्षा करनी पड़ी है जिसके परिणामस्वरूप 17,93,245/-रु0 की लागत पर (कन्याण, अम्बरनाथ, भोपाल और बैल्लोर) और 32,01,969/-रु0 की लागत पर (लेखों की टिप्पणीमें शामिल कोचीन और विशाखापट्टनम) लगभग 3 से 8 वर्षों के लिए मूल्य ह्रास नहीं लगाया गया है ।

- 4.6 हमारी राय में अग्रिमों के भुगतान एवं वसूलियों, क्षेत्रीय परिषदों एवं शाखाओं के साथ लेन-देनों,

- वार्षिक अंशदान तथा शिक्षण शुल्क के समाशोधन एवं विभिन्न खातों एवं असम्बद्ध मदों के समाशोधन के संबंध में आंतरिक नियंत्रण को सुदृढ़ करना तथा औपचारिक रूप देना अपेक्षित है। आगे नियंत्रण जोखिम के कतिपय क्षेत्रों को अभिव्यक्त किया गया है और इसलिए आंतरिक लेखा परीक्षकों को विशेषध्यान देना अपेक्षित है।
- 4.7 न्यास निधि में 500/- रु० के निवेश संबंधी शेयर पर्ची हमारे सत्यापन हेतु उपलब्ध नहीं थी।
- 4.8 वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा प्रकाशन, पेपर और अध्ययन सामग्री के स्टॉक का वास्तविक सत्यापन नहीं किया गया है। तदनुसार हम मात्राओं का सत्यापन करने में असमर्थ रहे हैं। इसके अलावा, शेष रिकॉर्ड बुक के अनुसार हैं (क्षेत्रीय परिषदों से प्राप्त विवरण-पत्रों के आधार पर रखे गए हैं जिनकी प्राप्ति एवं जारी विवरण-पत्र के अनुसार समायोजन नहीं किया जा सका)। पेपर स्टॉक के संबंध में प्रिंटर से पुष्टि भी उपलब्ध नहीं थी।
- 4.9 विविध कर्जदारों से बकाया शेष उनसे प्राप्त पुष्टि के आधार पर समाशोधन और परिणामी समायोजन के अधीन है। तदनुसार हम टिप्पणी करने में असमर्थ हैं यदि इस संबंध में कोई प्रावधान अपेक्षित है।
- 4.10 वापसी आए चैकों और ड्राफ्ट के संबंध में 32,295 रु० का बैंक शेष शामिल है।
- 4.11 भवन निर्माण के लिए क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को अग्रिमों की महत्वपूर्ण राशि और रजत जयंती पूंजी अनुदान का समायोजन होना दस्तावेजों की कमी की वजह से लम्बी अवधि से बाकी पड़ा है। हम इस समय इस मुद्दे पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, पूर्ववर्ती वर्षों में 16.60 लाख रु० के मूल्य की खरीदी गई बिल्डिंग का संस्थान के लेखों में पूंजीकृत किया जाना बाकी है (कल्याण अम्बरनाथ और विजयवाड़ा)।
- 4.12 जैसाकि नोट 14 में उल्लेख किया गया है 2,68,452 रु० की राशि संदिग्ध है इन लेखों में कोई प्रावधान नहीं रखा गया है।
- 4.13 सेवानिवृत्ति के छुट्टी नकदीकरण की गणना नकद आधार पर की जाती है जो भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी लेखाकरण मानक-15 'कर्मचारियों के वित्तीय विवरण में सेवानिवृत्त लाभों की गणना' प्रतिमल है।
- 4.14 प्रकाशनआय की गणना स्टोर विभाग द्वारा अग्रेषित सलाह के आधार पर की जाती है जिसमें मात्रात्मक ब्यौरे शामिल नहीं होते और इसलिए उनका सत्यापन हमारे द्वारा नहीं किया जा सका।
- 4.15 पैराग्राफ 4.4, 4.5, 4.8, 4.9, 4.11, 4.13 और 4.14 के परिणाम प्रभाव का निर्धारण नहीं किया जा सका।
- 4.16 उपर्युक्त अभिव्यक्तियों के साथ पठित एवं अधीन रहते हुए हम रिपोर्ट देते हैं कि :-
- क) हमने ऐसी समस्त सूचना और स्पष्टीकरणों को प्राप्त किया है, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के आधार पर हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।
- ख) हमारी राय में लागत एवबसंकर्म एकाउंटेंट अधिनियम, 1959 तथा लागत एवं संकर्म एकाउंटेंट विनियम 1959 के अनुरूप समुचित लेखे रखे गए हैं।
- ग) इस रिपोर्ट में विचारित तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखा और नकद प्रवाह विवरण-पत्र खाता-बहियों के अनुरूप हैं।
- घ) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम सूचना के आधार पर और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उपर्युक्त पैराग्राफ 4.1 से 4.15 के अधीन रहते हुए संलग्न लेखे तथा उन पर की गई टिप्पणियों एवं महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियों से निम्नलिखित के संबंध में भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुरूप सत्य एवं स्पष्ट स्थिति बनती है :
- i) दिनांक 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार इंस्टीट्यूट के कार्यकलापों के तुलन-पत्र के मामले में।
- ii) उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय के लेखे अथवा घाटे के मामले में।
- iii) नकद-प्रवाह विवरण-पत्र के मामले में उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए।
- कृते गुप्ता एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
- ह०/-
एस.के. गांगुली
भागीदार
- कोलकाता
दिनांक 21 जुलाई, 2002

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क एकाउन्टेन्ट ऑफ इंडिया				
31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र				
गत वर्ष		अनुसूची		इस वर्ष
2001-2002				2002-2003
(रुपये)		संख्या	(रुपये)	(रुपये)
	संस्था की निधियाँ			
65,874,133	सामान्य निधि	(1)		69,417,074
10,362,105	कर्मचारी उपदान निधि	(2)		10,947,315
331,424	कर्मचारी कल्याण कोष	(3)		350,421
720,549	विविध पुरस्कार एवं अन्य निधि	(4)		825,394
6,570,000	माँग ऋण/बैंक ड्राफ्ट (नोट सं05)			4,857,722
83,858,211	कुल			86,397,926
	द्वारा प्रतिकूलित			
	स्थायी सम्पत्तियाँ	(5)		
48,083,917	(क) सकल ब्लाक		52,338,185	
23,618,082	(ख) घटाएँ : ह्रास		27,533,123	
24,485,835	(ग) शुद्ध ब्लाक			24,805,062
500	निवेश	(6)		500
48,367,481	चालू सम्पत्तियाँ	(7)	49,539,859	
21,482,688	ऋण तथा अग्रिम	(8)	19,028,661	
69,850,149			68,568,520	
11,443,291	घटाएँ : वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	(9)	7,468,665	
58,406,858	शुद्ध चालू सम्पत्तियाँ			61,099,855
985,018	विविध व्यय			492,509
-	(उस हद तक जो बट्टे खाते में नहीं डाला गया)			
83,858,211	कुल			86,397,926
	लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	(20)		
उपर उल्लिखित अनुसूचियाँ जो लेखा का भाग हैं ।				
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार ।				
कृते गुप्ता एंड कंपनी				
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स				
एस.के. गांगुली				
पार्टनर				
कोलकाता				
दिनांक : 21 जुलाई, 2003				
के.एल. जयसिंह				
उपाध्यक्ष				
बी.बी. रमणामूर्ति				
अध्यक्ष				
आर.एन. पाल				
निदेशक(ए एंड एफ)				

31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय का लेखा			
गत वर्ष 2001-2002 (रुपये)	विवरण	अनुसूची संख्या	इस वर्ष 2002-2003 (रुपये)
	आय:		
6,699,0089	वार्षिक अंशदान	(10)	8,761,494
23,632,829	परीक्षा शुल्क	(11)	26,728,166
23,433,654	शिक्षण शुल्क	(12)	23,661,792
137,180	कंप्यूटर ट्रेनिंग-निवृत्त		1,908,870
1,842,530	ब्याज		1,705,379
3,683,372	प्रकाशन आय		3,460,912
499,042	पत्रिका शुल्क (विज्ञापन सहित)		557,418
4,998,171	सी.ई. कार्यक्रम आय		4,151,491
	अनुसंधान अध्ययन योजना-निवृत्त		196,274
64,925,786	कुल		71,351,79
	व्यय:		
30,688,295	स्थापना	(13)	31,618,672
8,568,573	कार्यालय खर्च	(14)	7,460,929
177,025	विज्ञापन		
40,000	वैधानिक लेखा परीक्षा शुल्क		43,200
52,000	आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क		53,125
1,869,814	यात्रा और वाहन		1,692,579
8,339,637	परीक्षा प्रभार	(15)	8,519,418
3,848,769	परिचर और साधारण बैठक संबंधी व्यय	(16)	1,439,503
492,509	पुनाव खर्च		492,509
2,855,799	पत्रिका खर्च		
4,175,992	क्षेत्रीय परिचरों को अंशदान	(17)	2,753,652
99,320	स्पर्धी की अनुदान		87,555
1,670,215	विदेशी निकायों को सदस्यता अंशदान		1,691,018
696,378	अंतराष्ट्रीय सम्मेलन और बैठकें		124,244
3,841,156	सी.ई. कार्यक्रम संबंधी खर्च		3,105,680
506,362	व्यवसायिक विकास कार्यक्रम		192,014
-	स्टॉक बट्टे खाते में		2,256,010
2,011,757	प्रयुक्त अध्ययन सामग्री		2,905,864
850,943	प्रयुक्त प्रकाशन स्टॉक		845,235
2,848,368	ह्रास		2,908,558
73,460,260	कुल		70,354,406
(8,534,474)	वर्ष के लिए अतिरिक्त/घाटा		997,396
64,925,786	कुल		71,351,796
(8,534,474)	वर्ष के लिए अतिरिक्त/(घाटा) अग्रणीत		997,396
155,195	उपदान निधि में योगदान रिजर्व बैंक		-
(8,379,279)	कुल		997,396
175,070	पूर्व अवधि आय	(18)	911,391
328,499	पूर्व अवधि खर्च	(18)	3,257,722
(8,532,708)	सामान्य निधि में अंतरित		(1,348,935)
	लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	(20)	
उपर उल्लिखित अनुसूचियाँ जो लेखा का भाग हैं।			
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार।			
कृते गुप्ता एंड कंपनी			
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स			
एस.के. गांगुली			
पार्टनर			
कोलकाता			
दिनांक 21 जुलाई, 2003			
		के.एल. जयसिंह	बी.बी. रमणामूर्ति
		उपाध्यक्ष	अध्यक्ष
		आर.एन. पाल	निदेशक (ए एंड एफ)

दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट ऐंड वर्क्स एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया
12, सवर स्ट्रीट, कोलकाता-700016

31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष का नकद प्रवाह विवरण-पत्र

	2002-2003	
	रुपये	रुपये
संचालित क्रियाकलापों से नकद प्रवाह		
सदस्यों/विद्यार्थियों से नकद प्राप्ति	64,350,083	
अन्य प्राप्तियां	823,128	
	65,173,211	
कर्मचारियों को दिया गया नकद	(32,303,611)	
अन्य संचालित खर्च	(33,759,396)	
संचालित क्रियाकलापों से निवल नकद		(889,796)
निवेश संबंधी क्रियाकलापों से नकद प्रवाह		
स्थायी संपत्तियों की खरीद	(190,129)	
उपकरणों की बिक्री से प्राप्ति	59,812	
निवेशों से प्राप्त ब्याज	2,580,144	
अग्रिमों की वापसी	300,540	
किया गया निवेश	(309,873)	
निवेश संबंधी क्रियाकलापों से निवल नकद		2,440,494
वित्तीय क्रियाकलापों से नकद प्रवाह		
प्रदत्त ब्याज		(511,985)
नकद एवं समतुल्य नकद में निवल वृद्धि		1,038,713
अवधि की शुरुआत में नकद एवं समतुल्य नकद (रुपया देखें नोट 1)		25,875,693
अवधि की समाप्ति पर नकद एवं समतुल्य नकद (रुपया देखें नोट 1)		26,914,406
नोट-1		
बैंकों के पास कैश-इन-हैंड एवं शेष मुद्रा 2001-02		(4,759,236)
बैंकों के पास अवधि जमा: 2001-02		30,634,929
		25,875,693
बैंकों के पास कैश-इन-हैंड एवं शेष मुद्रा 2002-03		(3,785,524)
बैंकों के पास अवधि जमा: 2002-03		30,679,930
		26,914,406

पिछले वर्ष के आंकड़ों का उल्लेख नहीं किया गया है चूंकि नकद प्रवाह-विवरण-पत्र बनाने का यह प्रथम वर्ष है।

हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुप्ता एंड कंपनी

चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स

एस.के.गांगुली
भारतनर

के.एल. जयसिंह
उपाध्यक्ष

बी.बी. रमणामूर्ति
अध्यक्ष

कोलकाता
दिनांक 21 जुलाई, 2003

आर.एन. पाल
निदेशक(ए एंड एफ)

अनुसूची सं 1 : सामान्य निधि : 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार			
गत वर्ष 2001-2002 (रुपये)	विवरण		इस वर्ष 2002-2003 (रुपये)
67,248,291	पिछले लेखा के अनुसार शेष		65,874,133
26,474	(-) : वर्ष के दौरान वापसी		9,800
67,221,817			65,864,33
	जोड़िए		
38,108	त) गत वर्ष में जारी चेकों का निरसन		
	ल) भवन निर्माण हेतु स्कुंधों द्वारा अंशदान		
5,392,411	भवन निर्माण		
	बंगलौर स्कुंध	432,000	
	विशाखापत्तनम स्कुंध	2,061,044	
	कोचीन स्कुंध	446,200	
	भिलाई स्कुंध	6,026	
20,304	रुत) अन्य	202,434	3,147,704
72,872,648			69,012,037
	घटाए :		
474,580	र) अग्रिम का समायोजन		
62,576	रु) अन्य	130,820	130,820
72,135,474			68,881,217
	ल) क्षेत्रीय परिषदों को पूंजीगत अनुदान		
75,000	पुस्तकालय के लिए	61,275	
8,000	फर्नीचर के लिए	7,550	68,825
72,051,474			68,812,392
368,887	योग: प्रवेश शुल्क (सदस्य)	402,257	
1,986,480	प्रवेश शुल्क (छात्र)	1,561,360	1,953,617
74,406,841			70,766,009
	योग: वर्ष के लिए अतिरिक्त/घाटा		
(8,532,708)	आव एवं व्यय लेखा (मुख्यालय)		(1,349,935)
85,874,133	कुल		69,417,074

अनुसूची संख्या 2 : कर्मचारी उपदान निधि 31 मार्च, 2003 तक की स्थिति के अनुसार			
गत वर्ष 2001-2002 (रुपये)	विवरण		इस वर्ष 2002-2003 (रुपये)
10,813,486	गत लेखानुसार शेष		10,362,105
-	जोड़िए : अवधि के लिए अंशदान		1,063,501
10,813,486			11,425,606
1,477,121	जमा: अवधि के लिए निधि के निवेश पर अर्जित व्याज		1,271,411
12,290,607			12,697,017
1,773,307	घटाए: अवधि के दौरान कर्मचारियों को दिया गया उपदान		1,749,702
	आव एवं व्यय लेख में वापस की गई राशि		
155,195	खर्च खाता		
10,362,105	कुल		10,947,315

अनुसूची सं 3 : कर्मचारी कल्याण कोष 31 मार्च, 2001 तक की स्थिति के अनुसार			
गत वर्ष 307,272	गत लेखा अनुसार शेष		331,424
	जोड़िए: अवधि के दौरान अंशदान		
7,336	नियोजता	7,120	
3,668	कर्मचारीगण	3,560	10,680
25,779	जोड़िए: अवधि के लिए निधि के निवेश पर अर्जित व्याज		25,801
344,055			367,905
12,631	घटाए: अवधि के दौरान कर्मचारियों को प्रुगतान		17,484
331,424	कुल		350,421

अनुसूची 4 : (31.3.2003 तक की स्थिति के अनुसार विविध पुरस्कार एवं अन्य निधियाँ)						
	प्रारंभिक	वर्ष के दौरान	क्रेडिट की		पुरस्कार की	अंतिम
पुरस्कार निधि का नाम	शेष	अभिवृद्धि	गयी आय	कुल	लागत	शेष
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
बी.डी. पुरी पुरस्कार निधि	17,328.85	-	1,020.00	18,348.85	1,602.06	16,746.79
वाजीर देवीपुरी पुरस्कार निधि	16,288.00	-	1,200.00	17,488.00	1,602.06	15,885.94
बी.सी. चक्रवर्ती पुरस्कार निधि	10,184.70	-	602.00	10,786.70		10,786.70
डी. डी. कालस पुरस्कार निधि	15,024.30	-	648.00	15,672.30	584.00	15,078.30
ए.के. विश्वास पुरस्कार निधि	44,377.75	-	2,201.00	46,578.75	2,566.06	44,012.69
विक्रमजीत मजूमदार पुरस्कार निधि	12,280.30	-	500.00	12,780.30	552.00	12,228.30
बी.एन. गांगुली पुरस्कार निधि	7,678.30	-	171.00	7,849.30		7,849.30
के. रामचन्द्रन पुरस्कार निधि	7,071.26	-	710.00	7,781.26	650.00	7,131.26
श्रीमती राजम्मा एम.आर.एस. आर्यगर पुरस्कार निधि	6,762.70	-	484.00	7,246.70	500.00	6,746.70
यू.एन. सूर पुरस्कार निधि	13,851.50	-	954.00	14,805.50	1,000.00	13,805.50
मौजीराम जैन पुरस्कार निधि	11,768.00	5,000.00	1,079.00	17,847.00	1,000.00	16,847.00
पुणे लागत लेखाकार पुरस्कार निधि	13,603.00		990.00	14,593.00	1,200.00	13,393.00
गंगादास मृदंडा पुरस्कार निधि	15,178.00	-	1,139.00	16,317.00	1,602.06	14,714.94
वी. श्रीनिवासन पुरस्कार निधि	16,204.00	-	1,138.00	17,342.00	1,602.06	15,739.94
वी.के. कंसल एवं एस. पी. कंसल	27,023.00	-	1,901.00	28,924.00		28,924.00
जे.एन. बोस पुरस्कार निधि	15,679.00	-	358.00	16,037.00	1,602.06	14,434.94
सुभाष अध्या पुरस्कार निधि	5,338.56	-	500.00	5,838.56	500.00	5,338.56
एन. सरकार पुरस्कार निधि	15,085.56	-	1,000.00	16,085.56	1,000.00	15,085.56
जी. इन्दिरा देवी पुरस्कार निधि	23,143.11	-	939.00	24,082.11	1,602.06	22,480.05
पुष्पासनी डे पुरस्कार निधि	17,919.55	-	1,093.00	18,012.55	1,602.06	17,410.49
श्रीनिवासन जगन्नाथन पुरस्कार निधि	31,590.62	-	1,985.00	33,575.62	1,602.06	31,973.56
सुल्तान चंद पुरस्कार निधि	43,067.00	-	3,416.00	46,483.00	2,338.00	44,145.00
के.के. दत्ता पुरस्कार निधि	19,916.83	-	1,718.00	21,634.83		21,634.83
केदारनाथ प्रहलादराय धनुका पुरस्कार निधि	26,203.00	-	2,019.00	28,222.00	1,436.00	26,786.00
धनपति गोयल पुरस्कार निधि	30,170.91	-	2,100.00	32,270.91	1,602.06	30,668.85
कांसीराम प्रभाकर पुरस्कार निधि	31,146.91	-	2,100.00	33,246.91	1,602.06	31,644.85
मंदाकिनी वसंत लिमये पुरस्कार निधि	4,354.50	-	500.00	4,854.50	500.00	4,354.50
कर्नल अम्बुज नाथ बोस पुरस्कार निधि	42,884.00	-	2,700.00	45,584.00	1,802.06	43,781.94
एम. कृष्णमूर्ति पुरस्कार निधि	10,095.00	-	900.00	10,995.00	1,000.00	9,995.00
लक्ष्मी बाई धोषेपत कविश्वर पुरस्कार निधि	7,279.00	-	208.00	7,487.00		7,487.00
कमला मुखर्जी पुरस्कार निधि	13,438.00	-	861.00	14,299.00		14,299.00
पी. गांगुली स्मृति पुरस्कार निधि	101,243.00	100,000.00	8,250.00	109,493.00		109,493.00
प्रिंसिपल श्रीमती वी.जे. तलाती पुरस्कार निधि	26,316.00	2,250.00	28,566.00	26,316.00		28,566.00
अनुपूर्णा और रेवाती आर भट्टाचार्य पुरस्कार निधि	21,053.00	20,000.00	1,800	22,653.00		22,653.00
ए.बी.एस राव इंफोर्मेट लेक्चर निधि	-	10,001.00	414.00	10,415.00		10,415.00
छात्र कल्याण निधि	-	70,201.00	2,254.00	72,455.00		72,455.00
कुल	720,549.21	85,202.00	49,848.00	785,398.21	32,458.72	825,394.49

अनुसूची सं. 5 : 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार स्थाई सम्पत्तियाँ										
संपत्ति का विवरण	सकल स्थाक				ह्रास				शुद्ध स्थाक	
	01.4.2002 को प्रारंभिक लागत	वर्ष के दौरान अतिवृद्धि	घटाएँ: वर्ष के दौरान स्थायी संपत्तियों की विक्री/समावोजन	31.3.2003 को कुल	1.4.2002 तक	इस अवधि के लिए	घटाएँ: वर्ष के दौरान स्थायी संपत्तियों की विक्री/समावोजन पर ह्रास	31.3.2003 तक	2002-2003 इस वर्ष	2001-2002 गत वर्ष
	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०
श्री होल्ड भूमि और बवन										
मुख्यालय	2,847,998	-		2,847,998	1,192,662	151,534		1,344,196	1,503,802	1,655,336
क्षेत्रीय परिषद और स्कंध	29,703,430	4,005,375		33,708,805	11,959,063	1,852,526		13,811,589	19,897,216	17,744,367
लोज होल्ड भूमि:										
क्षेत्रीय परिषद और स्कंध	367,175	39,895		407,070					407,070	367,175
(समृद्ध, नागपुर, लक्कुना ग्राम, विभागापत्तनम, पुणे (भिरगुड))										
फर्नीचर एवं फिटिंग्स :										
मुख्यालय	2,662,136	-	13,937	2,648,199	1,855,974	80,616	12,054	1,924,536	723,663	806,162
पुस्तकालय पुस्तकें:										
मुख्यालय	787,357	31,033		818,390	396,045	42,234		438,279	380,111	391,312
कार्यालय उपकरण :										
मुख्यालय	3,199,546	180,315	213,209	3,166,652	2,012,888	132,118	155,929	1,989,077	1,717,575	1,186,658
जनेटोर:										
मुख्यालय	280,545	-		280,545	269,146	2,850		271,996	8,549	11,399
लिफ्ट:										
मुख्यालय (ई आई एन सी परिसर)	416,062	-		416,062	240,536			284,418	131,644	175,526
नोटर कार:										
मुख्यालय	738,878	-	75,004	663,874	477,558	52,264	74,355	455,467	208,407	261,320
कम्प्यूटर :										
मुख्यालय	7,080,790	299,800		7,380,590	5,214,210	1,799,355		7,013,565	367,025	1,866,580
	48,883,917	4,556,418	302,150	52,338,185	23,618,082	4,157,379	242,338	27,533,123	24,895,062	24,465,835
नोट इस वर्ष के लिए कंप्यूटर पर ह्रास में गत वर्ष के 12,48,821/- रु० शामिल हैं।										

अनुसूची सं. 6 : 31 मार्च, 2003 तक की स्थिति के अनुसार निवेश (लागत पर)

गत वर्ष			इस वर्ष
2001-2002			2002-2003
(रुपये)	विवरण	(रुपये)	(रुपये)
	शेयर (सामान्य निधि) :		
500	जय वृन्दावन प्रीमियम ट्रस्ट फंड, बम्बई में 100-100 रुपये के 5 शेयर		500
500	कुल :		500

अनुसूची सं. 7 : चालू सम्पत्तियों 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार

गत वर्ष 2001-2002			इस वर्ष 2002-2003
रूपये	विवरण	रूपये	रूपये
3,047,390	प्रकाशन स्टॉक (लागत पर)		2,557,744
449,349	पेपर स्टॉक (लागत पर)		623,733
2,928,800	अध्ययन सामग्री स्टॉक (लागत पर)		1,932,413
8,820	स्टॉक सिल्वर टाईज		8,820
990,139	सावधि जमा में निवेश पर प्राप्त ब्याज		1,267,534
922,789	स्कंधों को भवन निर्माण इत्यादि के लिए ऋण पर उद्भूत ब्याज और आर सी		1,052,565
6,938,881	विविध कर्जदार		9,798,030
	रोकड़ एवं बैंक शेष:		
78,714	हाथ में (खुदरा रोकड़ और पोस्टेज स्टैम्प सहित)	124,863	
285,097	डाकघर में	289,498	
	अनुसूचित बैंकों में जमा राशि		
1,607,643	चालू खाते में	1,032,820	
494,910	बचत खाते में	171,910	1,619,090
	सावधि जमा :		
14,144,645	कर्मचारी उपदान निधि	14,144,645	
15,700,000	इंस्टीट्यूट फंड (नोट सं० 7)	15,700,000	
263,007	कर्मचारी कल्याण कोष	263,007	
527,277	विविध पुरस्कार निधि एवं अन्य निधि	572,278	30,679,930
48,367,481	कुल		49,539,859

अनुसूची सं. 8 : ऋण तथा अग्रिम: 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार

गत वर्ष 2001-2002			इस वर्ष 2002-2003
रूपये	विवरण	रूपये	रूपये
	स्कंधों को भवन निर्माण ऋण :		
	(क)		
2,295,969	85 भवन निर्माण ऋण	2,230,223	
122,870	45 भवन निर्माण ऋण	113,978	2,344,201
726,723	स्कंधों को कम्प्यूटर ऋण:		720,912
	(ख)		
11,879,050	भवन निर्माण के लिए क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को अग्रिम		10,979,050
	(ग)		
2,132,138	स्कंधों को रजत जयंती पूंजीगत अनुदान (अग्रिम) (घ)		1,932,138
1,888,885	कर्मियों को भवन निर्माण अग्रिम		1,963,606
28,027	कर्मचारियों को वाहन खरीद अग्रिम		35,323
1,231,269	अन्य अग्रिम		94,176
210,874	कर्मचारियों को त्यौहार अग्रिम		232,208
563,352	स्थाई सम्पत्तियों के लिए अग्रिम		268,452
2,370	कर्मचारियों को भविष्य निधि अंशदान के लिए वेतन अग्रिम		2,370
255	बाद राहत अग्रिम		255
156,982	पूर्व संदत्त खर्च		122,150
2,43,924	*जमा		331,820
21,482,688	कुल		19,026,661

अनुसूची सं० 8 (क) : स्कंधों को भवन निर्माण ऋण 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार				
गत वर्ष 2001-2002 ₹0		स्कंध का नाम	इस वर्ष 2002-03 ₹0	
4% ऋण	8% ऋण		4% ऋण	8% ऋण
16,552		कल्याण-अम्बरनाथ	16,552	
16,318		गोवा	7,426	
	47,796	सूरत दक्षिण गुजरात		46,607
	100,000	कोल्हापुर-सांगली		100,000
	200-000	कोयम्बदूर		200,000
	59,532	विशाखापत्तनम		29,975
	160,000	रानीपेट वेलोर		150,00
	25,000	मैसूर		..
90,000		हावड़ा	90,000	
	150,000	बोकारो स्टील सिटी		150,000
	200,000	दुर्गापुर		200,000
	200,000	आसनसोल		200,000
	200,000	धनबाद-सिन्धी		200,000
	191,897	सेरामपुर		191,897
	186,744	कटक-भुवनेश्वर		186,744
	135,000	जयपुर		135,000
	200,000	उदयपुर		200,000
	100,000	कानपुर		100,000
	140,000	कोटा		140,000
122,870	2,295,969	कुल	113,978	2,230,223
		2002-2003 के दौरान भवन ऋण की वसूली (4% और 8%)	राशि ₹0	
		गोवा	8,892	
		सूरत-दक्षिण गुजरात	1,189	
		विशाखापत्तनम	29,557	
		रानीपेट	10,000	
		मैसूर	25,000	
		कुल:	74,638	
अनुसूची सं० 8 (ख) : स्कंधों को कम्प्यूटर ऋण 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार				
गत वर्ष 2001-2002 ₹0		स्कंध का नाम	इस वर्ष 2002-03 ₹0	
	64,150	गोवा	64,150	
	62,150	अहमदाबाद	62,150	
	62,368	विशाखापत्तनम	62,368	
	56,889	कोचीन	54,889	
	52,727	नेवेली	52,727	
	50,885	त्रिवेन्द्रम	47,074	
	64,150	हावड़ा	64,150	
	64,150	दुर्गापुर	64,150	
	64,150	आसनसोल	64,150	
	62,150	कटक-भुवनेश्वर	62,150	
	58,804	जयपुर	58,804	
	64,150	उदयपुर	64,150	
	726,723		720,912	
		2002-2003 के दौरान कम्प्यूटर-ऋण की वसूली	राशि ₹0	
		कोचीन	2,000	
		त्रिवेन्द्रम	3,811	
		कुल :	5,811	

अनुसूची सं० 8 (ग) : भवन निर्माण के लिए क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को अग्रिम 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार		
गत वर्ष 2001-2002 रु०	स्कंध का नाम	इस वर्ष 2002-03 रु०
3,892,000	एन.आई.आर.सी	3,892,000
2,700,000	डब्ल्यू.आई.आर.सी	2,700,000
300,000	मिलाई	300,000
300,000	कोचीन	-
300,000	उदयपुर	300,000
300,000	लखनऊ	300,000
300,000	विशाखापत्तनम	-
200,000	नासिक-ओझर	200,000
300,000	कटक-भुवनेश्वर	300,000
300,000	बंगलोर	-
150,000	जयपुर	150,000
300,000	दुर्गापुर	300,000
300,000	बोकारो	300,000
200,000	कोल्हापुर-सांगली	200,000
300,000	आसनसोल	300,000
200,000	कानपुर	200,000
300,000	धनबाद	300,000
300,000	मैसूर	300,000
300,000	सेरामपुर	300,000
300,000	त्रिसूर	300,000
127,050	दक्षिणी सूरत गुजरात	127,050
210,000	कोटा	210,000
11,879,050	कुल	10,979,050

अनुसूची सं० 8 (घ) : स्कंधों को रजत जयंती पूजागत अनुदान(अग्रिम): 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार		
गत वर्ष 2001-2002 रु०	स्कंध का नाम	इस वर्ष 2002-03 रु०
100,000	कानपुर	100,000
100,000	बंगलोर	-
100,000	दुर्गापुर	100,000
32,138	जयपुर	32,138
100,000	अहमदाबाद	100,000
100,000	हावड़ा	100,000
100,000	जमशेदपुर	100,000
100,000	नेहाटी इच्छापुर	100,000
100,000	फरीदाबाद	100,000
100,000	चण्डीगढ़	100,000
100,000	कटक-भुवनेश्वर	100,000
100,000	बोकारो	100,000
100,000	कोचीन	-
100,000	कल्याण-अम्बरनाथ	100,000
100,000	बडोदा	100,000
100,000	भोपाल	100,000
100,000	त्रिवेन्द्रम	100,000
100,000	नागपुर	100,000
100,000	गोवा	100,000
100,000	लखनऊ	100,000
100,000	नासिक-ओझर	100,000
100,000	मैसूर	100,000
2,132,138	कुल	1,932,138

अनुसूची सं० ९ : चालू देयताएं एवं प्रावधान 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार

गत वर्ष 2001-2002 ₹0	विवरण	इस वर्ष 2002-03 ₹0
	चालू देयताएं:	
451,956	पुस्तकालय जमा	452,756
331,767	अनिर्दिष्ट जमा (वापसी योग्य)	241,490
86,000	मौखिक शिक्षा संस्थानों से प्रतिभूति जमा (वापसी योग्य)	82,000
5,362,618	विविध लेनदार	3,827,827
201,728	अन्य देयताएं	118,592
635,600	बुक ओवर ड्राफ्ट	526,893
3,780,275	विदेशी निकायों को बकाया सदस्यता शुल्क	1,747,107
593,347	प्रावधान	470,000
11,443,291	कुल	7,466,665

अनुसूची सं० ९ का परिशिष्ट

प्रावधानों की अनुसूची			
गत वर्ष 2001-2002 ₹0	विवरण	₹0	इस वर्ष 2002-03 ₹0
	प्रावधान		
30,000	को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी प्रा० लि०, को अनुदान हेतु प्रावधान स्वर्ण जयंती अंशदान हेतु		30,000
140,000	क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को स्वर्ण जयंती अंशदान हेतु प्रावधान		140,000
123,347	दुर्बत और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान घटाएं -वर्ष के दौरान प्रयोज्य	123,347 123,347	-
150,000	दरों और करों के लिए प्रावधान		150,000
150,000	आई एफ ए सी को अंशदान के लिए प्रावधान		150,000
593,347	कुल		470,000

अनुसूची सं० 10 : आय वार्षिक अंशदान और अन्य शुल्क: 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए

गत वर्ष 2001-2002 ₹0	विवरण	इस वर्ष 2002-03 ₹0
2,855,110	वार्षिक सदस्यता शुल्क	5,904,309
2,979,720	छात्रों के वार्षिक अंशदान	2,327,040
159,688	सदस्यों के प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र शुल्क	212,200
684,840	ग्रेड सी. डब्ल्यू.ए. शुल्क	317,700
450	सदस्यता बहाली शुल्क	45
-	सदस्य शिकायत शुल्क	200
19,200	नामांकन शुल्क	-
6,699,008	कुल	8,761,494

अनुसूची सं० 11: आय परीक्षा एवं अन्य शुल्क 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए

22,247,935	परीक्षा शुल्क	24,998,617
84,248	उत्तर पत्रों के सत्यापन शुल्क	117,048
1,244,272	परीक्षा फार्मों की बिक्री द्वारा	1,003,712
56,374	विविध आय द्वारा	608,589
23,632,829	कुल	26,728,166

अनुसूची सं० 12 : आय शिक्षण एवं अन्य शुल्क: 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए		
15,114,182	शिक्षण शुल्क	14,111,288
50,000	आवर्ती वार्षिक शुल्क	55,500
3,214,145	सेवा शुल्क	3,264,535
2,536,518	अध्ययन नोट्स की बिक्री	3,383,689
17,103	डेनोवो फार्म की बिक्री	19,075
50,619	कोचिंग पुनर्वैधीकरण फार्मों की बिक्री द्वारा	30,545
2,451,087	शिक्षा समापन प्रमाण-पत्र पुनःवैधीकरण शुल्क द्वारा	3,017,160
23,433,654	कुल	23,881,792

अनुसूची सं० 13 : स्थापना 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए		
गत वर्ष 2001-2002 ₹०	विवरण	इस वर्ष 2002-03 ₹०
24,773,884	वेतन और भत्ते	24,693,809
-	कर्मचारी कल्याण निधि में नियोक्ता का अंशदान	1,063,501
2,276,191	कर्मचारी भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान के लिए	2,276,191
7,336	कर्मचारी उपदान निधि में नियोक्ता का अंशदान	7,120
1,153,400	कर्मचारियों को चिकित्सीय लाभ	1,293,672
139,000	कर्मचारियों को छुट्टी यात्रा भत्ता	274,000
2,131,464	कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण	1,800,023
64,249	कर्मचारियों के ई.डी.एल.आई में नियोक्ता का अंशदान	62,694
507	ई.डी.एल.आई निरीक्षण प्रभार	510
34,035	आर.पी.एफ.सी. हेतु प्रशासनिक प्रभार	35,785
108,229	प्रशिक्षण और विकास (एच.आर.डी.)	41,541
30,688,2८5	कुल	31,618,672

अनुसूची सं० 14: व्यय/कार्यालय खर्च 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए		
गत वर्ष 2001-2002 ₹०	विवरण	इस वर्ष 2002-03 ₹०
1,702,187	मुद्रण एवं लेखन सामग्री	1,161,335
2,346,558	डाक, तार दूरभाष और फैक्स	2,112,417
734,065	विद्युत खर्च	772,619
15,961	जनरेटर खर्च	8,688
58,303	दर और कर	394,131
52,580	बीमा	47,692
559,056	मरम्मत और रख-रखाव	592,755
580,670	मोटर गाड़ी खर्च	279,729
7,310	प्रतिभूति जमा पर ब्याज	6,970
316,515	अध्ययन सामग्री वितरण खर्च	332,360
135,286	पुस्तकें तथा पत्रिकाएँ	108,067
132,375	कानूनी खर्च	76,256
629,536	मांग ऋण पर ब्याज / बैंक ओवर ड्राफ्ट पर ब्याज	511,985
51,367	बैंक खर्च	57,367
426,653	कम्प्यूटर खर्च जिसमें भाड़ा खर्च भी शामिल है	485,262
31,710	जन संपर्क खर्च	16,833
39,688	सुरक्षा खर्च	39,651
260,216	कर्मचारी कल्याण	214,690
3,600	डेलीगेट शुल्क	-
296,100	राजपत्र अधिसूचना	179,140
188,837	विविध खर्च	92,762
8,568,573	कुल	7,460,929

अनुसूची सं० 15 : परीक्षा खर्च : 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए		
गत वर्ष 2001-2002 ₹०	विवरण	इस वर्ष 2002-03 ₹०
8,247,084	परीक्षा खर्च	8,488,449
92,553	पुरस्कार एवं पुरस्कार वितरण खर्च	30,969
8,339,637	कुल	8,519,418
अनुसूची सं० 16 : परिषद और समिति बैठक खर्च 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए		
गत वर्ष 2001-2002 ₹०	विवरण	इस वर्ष 2002-03 ₹०
2,782,928	परिषद और समिति बैठक संबंधी खर्च	843,684
1,065,841	परिषद के सदस्यों को यात्रा भत्ता	595,819
3,848,769	कुल	1,439,503

अनुसूची 17: 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राजस्व व्यय की प्रतिपूर्ति सहित क्षेत्रीय परिषदों को राजस्व अनुदान (क) वर्ष के दौरान निम्न लेखों से क्षेत्रीय परिषदों को प्रतिपूर्ति की गई और आय एवं लेखा में आभिलिखित किया गया धन

गत वर्ष 2001-2002 ₹०	विवरण	ई.आई.आर. सी रुपये	एस.आई.आर. सी रुपये	इ.आई.आर. सी रुपये	एन.आई.आर. सी रुपये	इस वर्ष 2002-2003 रुपये
75,697	मरम्मत एवं रख-रखाव	4,446	-	8,000	27,221	37,667
-	दर एवं कर	-	32,643	-	-	32,643
75,697	कुल(क):	4,446	32,643	8,000	27,221	70,310
225,000	टी.ए. अनुदान	-	75,000	75,000	75,000	225,000
240,000	बालू खर्च अनुदान	60,000	60,000	60,000	60,000	240,000
3,710,992	राजस्व अनुदान	321,152	1,049,730	212,870	705,100	2,288,652
4,175,992	कुल(ख):	381,152	1,184,730	347,870	840,100	2,753,652
4,251,689	कुल (क) & (ख):	385,598	1,217,373	353,870	867,321	2,823,962
-	नोट:	-	-	-	-	-

अनुसूची सं० 18 : पूर्व अवधि के खर्च : 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए

गत वर्ष 2001-2002 ₹०	विवरण	इस वर्ष 2002-03 ₹०
-	सी.ई. कार्यक्रम	245,580
-	पत्रिका विज्ञापन	5,000
60,081	विविध प्राप्तियां (बैंक खातों में असम्बद्ध लेन-देन)	499,512
94,989	विविध प्राप्तियां (गैर-विशिष्ट जमा से आंतरण)	161,299
175,070	कुल	911,391

अनुसूची सं० 19 : पूर्व अवधि के खर्च 31 मार्च, 2003 को समाप्त हुए वर्ष के लिए

गत वर्ष 2001-2002 ₹०	विवरण	इस वर्ष 2002-03 ₹०
-	मरम्मत एवं रख-रखाव - ई आई आर सी	10,125
-	टी.ए. अनुदान-ई आई आर सी	49,980
-	सी. ई. कार्यक्रम खर्च	221,073
-	पारिश्रमिक - पीडी प्रकाशन एवं पत्रिका	93,850
-	टेलिफोन	20,627
41,613	एस आई आर सी दावा	9,771
189,000	गजट अधिसूचना	-
71,571	विविध खर्च (बैंक खातों में असम्बद्ध लेन-देन)	339,033
-	अन्य अग्रिम - यात्रा खर्च	273,784
-	अन्य अग्रिम- वैधानिक खर्च	939,672
-	कम्प्यूटर पर ह्रास	1,248,621
-	प्रशिक्षण एवं विकास (एच.आर.डी.)	9,887
26,315	परीक्षा खर्च	41,119
328,499	कुल	3,257,722

इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एण्ड बर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया

दिनांक 31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों के भाग स्वरूप टिप्पणियाँ

अनुसूची संख्या 20

क. महत्वपूर्ण लेखा-नीति

1. स्थायी सम्पत्तियाँ:

- (क) लेखा में स्थायी सम्पत्तियों का उल्लेख आयकर अधिनियम में समय-समय पर निर्धारित दर पर की गयी खरीद की तारीख को ध्यान में न रखते हुए लागत घाटा न्यूनकारी मूल्य पद्धति में उपलब्ध मूल्यहास के संबंध में किया गया है।
- (ख) पट्टे पर की जमीन बट्टे खाते नहीं डाली गई है।
- (ग) निर्माणाधीन सम्पत्तियों को चल रहे पूंजीगत कार्य के रूप में दिखाया गया है।

2. आय एवं व्यय संबंधी स्वीकार्यता:

- (क) क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों के साथ संस्था के विभिन्न प्रकाशनों की बिक्री के संबंध में ब्याज आय और लेन-देनों को छोड़कर लेखा में आय को आम तौर पर नकद राशि के आधार पर दिखाया गया है।
- (ख) स्कंधों को वार्षिक अनुदान और कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण से भिन्न खर्च को व्यावसायिक आधार पर माना गया है। चुनाव संबंधी खर्चों को तीन वर्ष में प्रभारित किया गया है।

3. निवेश:

निवेश को लागत के आधार पर दिखाया गया है।

4. भंडारसूची:

भंडारसूची में प्रकाशनों, कागजातों और अध्ययन सामग्री का स्टॉक शामिल है, जिनका मूल्यांकन क्रय मूल्य इससे जुड़े अन्य प्रासंगिक प्रभारों के आधार पर किया गया था। परन्तु खपत के अयोग्य और बिक्री के अयोग्य प्रकाशनों तथा अध्ययन सामग्रियों को स्टॉक मूल्य में शामिल नहीं किया गया है।

5. कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति लाभ:

- (क) उपदान भुगतान अधिनियम, 1972 के अनुसार उपदान के वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर लेखा में उपदान का प्रावधान किया गया है।
- (ख) संस्था के नियमों के अनुसार न्यासी को भविष्य निधि का भुगतान किया जाता है तथा संस्था के अंशदान को प्रत्येक वर्ष के राजस्व में प्रभारित किया जाता है।
- (ग) सेवानिवृत्ति पर छुट्टी नकदीकरण लाभ को नकद आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

6. विदेशी मुद्रा में लेन-देन:

लेखा में विदेशी मुद्रा में हुए लेन-देन को रुपये में संग्रहण/भुगतान अर्थात् जब उसकी प्राप्ति और खर्च रुपये के मूल्य में होता है, के आधार पर उल्लेख किया जाता है। वित्त संबंधी मद के लिए विदेशी मुद्रा में सभी लेन-देन का लेन-देन की तिथि पर चल रही दर या अंतिम दर के आधार पर उल्लेख किया जाता है।

7. पूर्व समय की आय/व्यय

पूर्व समय के विशिष्ट राजस्व भाग को आय और व्यय लेखा के नीचे दिखाया गया है तथा पूर्व समय के दूसरे समायोजनों को सामान्य निधि में और उसमें से समायोजित किया गया है।

ख. लेखा के भाग स्वरूप टिप्पणियाँ

- 1,60,479/-रुपये की रकम (जिसमें 4,99,512/-रुपये की निकासी और 3,39,033/-रुपये नामे शामिल हैं) को सामान्य निधि में समायोजित किया गया है ताकि संस्थान के विभिन्न बैंक खातों के बैंक समाधान विवरण में आंशिक बकाया राशि को बट्टे खाते डाला जा सके। आगे यथा आवश्यक समायोजन समय-समय पर किया जाएगा।
- वर्ष के दौरान तीन स्कंधों अर्थात् बंगलौर, विशाखापत्तनम और कोचीन की भूमि एवं भवन को 40,33,969/-रुपये (गत वर्ष पुणे और हैदराबाद के संबंध में 59,92,411/-रुपये) जिसमें 6026/-रु० पर भिलाई स्कंध की पट्टे वाली जमीन के साथ बंगलौर स्कंध, विशाखापत्तनम स्कंध और कोचीन स्कंध के लिए क्रमशः 4,32,000/-रु०, 20,61,044/-रु० और 4,46,200/-रु० का अंशदान शामिल है। पूंजीकरण के वर्ष से मूल्य हास दिया गया है। क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को भवन निर्माण के लिए दिए गए अग्रिम में असमायोजित शेष की राशि 1,09,79,050/-रु० है।
- वर्ष के दौरान बंगलौर स्कंध और कोचीन स्कंध को दिया गया रजत जयंत पूंजी अनुदान (अग्रिम) समायोजित कर दिया गया, अपेक्षित समर्थनकारी दस्तावेजों के अभाव में असमायोजित शेष 19,32,138/-रु० समायोजित नहीं किए जा सके।
- आयकर अधिनियम की धारा 11 के साथ पठित धारा 10(231 क) के अधीन छूट की हकदारी को देखते हुए आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।
- संस्थान ने संस्थान की निधि के तहत इंगित सावधि जमा 75.00 लाख रु० के धारणाधिकार पर 15 नवम्बर 2002 से सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, न्यू मार्केट ब्रांच, कोलकाता से 65,70,000/-रु० का मांग ऋण को ओवर ड्राफ्ट सुविधा में बदल दिया।
- दिनांक 31 मार्च, 2003 की स्थिति के अनुसार वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर निवेश, जिसमें उस पर उद्भूत 1,45,81,077/-रुपए का ब्याज भी शामिल है, की कुलना में कर्मचारी उपदान निधि 1,09,47,315/-रुपए है।

7. दिनांक 31.3.2003 की स्थिति के अनुसार निवेश जिसमें उस पद उद्भूत 3,34,675/-रुपए का ब्याज भी शामिल है, की तुलना में कर्मचारी कल्याण कोष 3,50,421/- का है, जिसके परिणामस्वरूप निवेश की राशि में 22,550/-रुपए की कमी आई है जिसे चालू वर्ष में पूरा किया जाएगा।
8. संस्थान द्वारा रखे गए सभी पुरस्कार नियमों को परिषद के निर्णयानुसार संगत निदेशों सहित लेखों में समाविष्ट किया गया है चूंकि ये नियमों अलग दाता द्वारा प्रायोजित की जाती हैं इसलिए उनके आय/व्यय का संस्थान के लेखों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। वर्ष के दौरान संस्थान ने श्रीमती मौजी राम जैन पुरस्कार निधि से 5,000/- की अतिरिक्त राशि प्राप्त की।
9. जनरल पत्रिका और सीई कार्यक्रम भागीदार शुल्क के रूप में क्रमशः 19,200/-रुपए और 7,68,600/-रुपए की राशि की वसूली की जानी थी उनका संदिग्ध एवं दूबांत ऋण एवं सामान्य निधि की तुलना में समायोजित किया गया।
10. पूर्व प्रक्रिया के अनुसार क्षेत्रीय परिषदों के लेखों को इन लेखों में समाविष्ट नहीं किया जाता है यद्यपि आयकर अधिनियम, 1961 के तहत न्यास की आय की गणना करते समय इन पर विचार किया जाता है।
11. चुनाव से संबद्ध खर्च के लिए 4,92,509/-रुपए के आय एवं खर्च लेखों में से लिया गया जिसमें लेखा नीति सं० 2(ख) के अनुसार विविध खर्च शीर्ष के तहत 4,92,509/-रुपए की राशि शेष रही।
12. चालू खाते में 3000/-रुपए और 48,955/-रुपए के संबंध में बैंक शेष की पुष्टि नहीं थी।
13. बैंक शेष में बंद बैंक खाते में 77,095/-रुपए (गत वर्ष 5,879/-रुपए) शामिल हैं।
14. मै० नेक्सस कम्प्यूटर्स लि०, मैसर्स डिजिटल इन्फ्यूमेंट्स(आई) को दिए गए 5,63,352/-रुपए के अग्रिम भुगतान में से वर्ष 2002-03 के दौरान 2,94,900/-रुपए, पांच डिजिटल पी सी की लागत होने के कारण परिणित किए गए जिससे 2,68,452/-रुपए का शेष संदिग्ध अग्रिम के रूप में रखे गए।
15. इस वर्ष के दौरान संस्थान ने एक पुरानी अम्बेसडार कार (डब्ल्यू एम एफ-1844) और 21 टाइपराइटर बेचे, इससे हुए लाभ/हानि का विविध आय में समायोजन किया गया।
16. वर्ष के दौरान 20 और 21/5/03 को हुई केन्द्रीय परिषद की 214 वीं बैठक के निर्णय के अनुसार 17,28,424/-रुपए के अध्ययन नोट्स, 5,27,586/-रुपए के प्रस्तावित उत्तर एवं स्कैनर्स (सभी पुराने कोर्स से संबंधित) की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया गया और इसका आय एवं व्यय लेखा में उल्लेख किया गया।
17. वर्ष के दौरान 20 और 21/5/03 को हुई केन्द्रीय परिषद की 214 वीं बैठक के निर्णय के अनुसार 17,28,424/-रुपए के अध्ययन नोट्स, 5,27,586/-रुपए के प्रस्तावित उत्तर एवं स्कैनर्स(सभी पुराने कोर्स से संबंधित) की राशि को बट्टे खाते में डाल दिया गया और इसका आय एवं व्यय लेखा में उल्लेख किया गया।
18. 12,13,436/-रुपए के अग्रिम, जिसमें यात्रा व्यय के कारण पांच केन्द्रीय परिषद सदस्यों से 2,73,764/-रुपए और विविध खर्चों के कारण सात केन्द्रीय परिषद सदस्यों से 9,39,672/-रुपए वसूले जाने हैं, उनका दिनांक 20 और 21/5/03 की केन्द्रीय परिषद की 214वीं बैठक के निर्णयानुसार आय एवं व्यय लेख में उल्लेख किया गया है।
19. विविध क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को जारी वेंचरफिकेशन स्लिप की वेंचरफिकेशन शेष अभी आनी बाकी है।
20. सम्पत्ति-कर के सिलसिले में दिनांक 7 नवम्बर, 2001 से सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, खान मार्केट ब्रांच, नई दिल्ली के खाता सं० सीडी/1924 को दिल्ली नगर निगम (एसेसमेंट एवं कलेक्शन विभाग) से संबद्ध कर दिया। तथापि, इसका भुगतान वर्ष 2002-03 में दे दिया गया था और बैंक एकाउंट रिलीज करने हेतु प्रक्रिया जारी की गई।
21. निम्नलिखित के संबंध में वसूलियां 3 वर्ष से अधिक समय से लंबित पड़ी हुई हैं:-
विविध कर्जदार(कार्यक्रम) 1.04 लाख रुपए
राशि की वसूली के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।
संस्थान ने अलग-अलग स्कंधों को भवन ऋण और कम्प्यूटर ऋण मंजूर किया था और तुलन-पत्र की तिथि के अनुसार बकाया राशि, नीचे दर्शायी गई है:-
8% भवन ऋण - 22.30 लाख रुपए
4% भवन ऋण - 1.14 लाख रुपए
कम्प्यूटर ऋण - 7.21 लाख रुपए
भवन ऋण पर ब्याज - 10.21 लाख रुपए
22. चालू वर्ष के लिए सदस्यों/छात्रों से प्राप्तियों में 32,295/-रुपए के रिटर्नड् ड्राफ्ट शामिल हैं। वसूली के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।
23. इस वर्ष समूहीकरण के अनुरूप बनाने के लिए पिछले वर्ष के ऑफ़िसें को जहां आवश्यक पाया गया है, पुनः समूहबद्ध किया गया है।

के.एल.जय सिंह
उपाध्यक्ष

बी.वी.रामणामूर्ति
अध्यक्ष

कोलकाता
दिनांक 21 जुलाई, 2003

आर.एन.पाल
निदेशक(ए एंड एफ)

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st July, 2003

Reg. No. G/18-CWA/9/2003.—In pursuance of Sub-section 5 of Section 18 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Annual Report of the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India and the Audited Accounts of the said institute for the year ended 31st March, 2003 are hereby published for general information.

B. V. RAMANA MURTY, President
[ADVT/III/IV/71/03-Exty.]

44th ANNUAL REPORT—2002-2003

Issued under Section 18(5) of the Cost and Works Accountants Act, 1959.

The Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India takes pleasure in presenting the Annual Report and Audited Accounts of the ICWAI for the year ended 31st March, 2003.

The Council at its meeting held on 22nd July 2002 elected Shri B. V. Ramana Murty, B.Com. B. A., LLB, FICWA, FCS as President and Dr K. L. Jaisingh, FICWA, FCS, FSTA, MIAEM, Ph.D(A.M). as Vice-President of the Institute for the year 2002-2003.

The Council met 5 times during the year 2002-2003.

Committees of the Council

The details of various Committees constituted by the Council on 22nd July 2002 are given in the Annexure-I.

DIRECTORATE OF STUDIES

Registered Students

During the current year, 13,106 students registered themselves with the Institute. In the previous year the number was 15,178. The number of registered students at the end of the year stood at 1,52,321. The Regionwise break-up of the students registered during the years 2001-2002 and 2002-2003 is produced below:

REGISTRATION		
REGION	2001-2002	2002-2003
NORTHERN	2,102	2,181
EASTERN	1,683	1,508
WESTERN	3,160	2,527
SOUTHERN	5,551	5,052
TOTAL	12,496	11,268
DENOVO	2,682	1,838
G-TOTAL	15,178	13,106

Coaching

During the year 26,376 students enrolled themselves for coaching. The region wise break up is as under:

Course	Region	POSTAL		ORAL		TOTAL	
		2001-2002	2002-2003	2001-2002	2002-2003	2001-2002	2002-2003
FOUNDATION	NORTHERN		300		687	0	987
	EASTERN		250		270	0	520
	WESTERN		181		490	0	671
	SOUTHERN		780		1,670	0	2,450
	Sub Total	0	1,511	0	3,117	0	4,628
INTER	NORTHERN	2,816	2,490	1,232	1,200	4,048	3,690
	EASTERN	1,267	1,059	1,380	1,489	2,647	2,548
	WESTERN	2,253	1,840	3,155	2,652	5,408	4,492
	SOUTHERN	5,253	4,438	5,239	5,115	10,492	9,553
	Sub Total	11,589	9,827	11,006	10,456	22,595	20,283
FINAL	NORTHERN	317	296	120	60	437	356
	EASTERN	174	99	116	93	290	192
	WESTERN	246	157	129	98	375	255
	SOUTHERN	547	497	252	165	799	662
	Sub Total	1,284	1,049	617	416	1,901	1,465
GRAND TOTAL		12,873	12,387	11,623	13,989	24,496	26,376

Facility for Postal Coaching in the form of supply of study notes, test papers and suggested answers through Regional Councils continues to be provided to the students during the year. Publication of suggested answers to the questions set at the Institute's examinations (Foundation, Inter and Final) is continuously meeting the demands of students undergoing Postal and Oral Coaching.

Besides Postal Coaching, the Institute is providing Oral Coaching to the students through 106 centres spread all over the country and 1 Overseas Coaching Centre at Dubai.

Practical Training Scheme

The Institute is having a Practical Training Scheme to help the students acquire experience in industry, service and other sectors of the economy. Reputed organisations like Indian Oil Corporation, Food Corporation of India, ITC, NALCO, INDORAMA, Hindustan Lever, Hindustan Motors, ITI, Foreign Banks,

etc., are engaging Cost Trainees in their organisations. During the year, many organisations like Oil and Natural Gas Commission, Larsen & Toubro Ltd., INDORAMA, IDBI, IDBI Bank, TVS Suzuki, ICICI, etc. recruited the qualified candidates of ICWAI examinations in June and December 2002 terms in their organisations through Campus Interviews/Walk-in-Interviews.

Revision/Updating of Study Notes and Publication of Supplements

The Institute has updated and improved the Study Notes to incorporate latest developments in various fields. During the year, Tax Updates for Direct Taxation and Indirect Taxation, based on the Finance Act 2002, have been published in the Institute's journal. The Management Accountant and distributed to the students free of cost.

Career Counseling Initiatives

Special initiatives for disseminating the scope of the course among the student community were taken during the year. Chapters of the Institute were asked to coordinate with the local educational Institutions or organise meetings of the senior students in which representatives of the Institute attended the same and highlighted the scope of Cost and Management Accountancy Profession in the emerging economic scenario. The initiatives taken by the Council in this direction have effectively been responded and series of Career Counseling Programmes have been held during the financial year. In addition, during the period, many well circulated newspapers and periodicals published details regarding ICWAI course as career guide to its readers.

Computerization of Coaching Status:

For the first time in the Institute it has been possible to computerise the coaching status of the students and the files have been sent to all Regional Councils and Chapters. A notification in this regard dated December 5, 2002 was also published in the Journal. It has been possible for the Regional Councils and Chapters to reply to the queries of the students without referring the same to HQ.

Implementation of Revision of Syllabus and Introduction of Coaching in the Foundation Course:

The Central Government approved the revised syllabus and introduction of coaching on 25.6.2002 and it was published in the Official Gazette on 26.6.2002. It has been possible to publish all the study notes under revised syllabus. It was also possible to issue necessary

guidelines regarding implementation of the revised syllabus and introduction of coaching in Foundation Course of the Institute for the students.

Recognition by Foreign Institutes

It is heartening to note that the Canadian School of Business and Management accorded exemption in two papers in the Graduate Certified Course of Internal Auditors and three papers in the Graduate Certified Course in Financial Management and Management Accounting respectively. CIMA, U.K., in response to the letter of Director of Studies, ICWAI, accorded exemption in the papers namely Financial Accounting Fundamentals, Management Accounting Fundamentals, Economics for Business, Business Law, Business Mathematics, Finance, Business Taxation, Performance Management, in the revised syllabus of the Institute. In the Global Accounting Education Research Project conducted by the European Institute of Advanced Studies in Management highlights of the study were presented in the IAAER in Hong Kong in February 2002. The academic quality of the research result was successfully defended during the international Ph.D. ceremony at Laiden University in December 2002. A short report about the project was published in January 2003 issue of COSMOS Chronicle of IAR Newsletter. The research results were well received at the World Congress.

The proposal of e-learning and introduction of course on Information System Audit are under active consideration of the Training and Educational Facilities Committee and Council and very soon decision will be taken so that the students and Members would be in a position to avail themselves of the facilities.

EXAMINATIONS

June 2002 and December 2002 examinations were held at 78 Inland and 3 overseas centers. There were about 29633 and 28697 number of examinees enrolled for these two terms. The first examination under revised syllabus was held in December 2002 alongwith old syllabus. The examination under two syllabi will continue for four consecutive terms and the last examination under old syllabus will be held in June 2004. The detailed list of the places having examination centers, both inland and overseas, are given overleaf.

Our Institute website < www.icwai.com > was further improved and for June 2002 and December 2002 examinations, Admit Card database and Result were hosted in the website so that the students could download Admit Cards and details of marks obtained. This was well

appreciated by the student community. Constant efforts are on to further improve the services to the examinees and for smooth and efficient conduct of examinations.

However, it has been possible to introduce Oracle based Integrated Examination Processing system in place of age old COBOL system. This will go a long way in improving the examination processing. It is expected that very soon there will be decentralisation of the total Computer System in the HQ of ICWAI as decided earlier by the Council and Examination Committee of the Institute.

The annual prize distribution ceremony was held during the National Cost Conference held at Chennai and the successful recipients of the prizes turned out in great numbers to make the ceremony a grand success where eminent dignitaries were present.

Examination Centres - June 2002 & December 2002

Inland:

Western Region	Southern Region	Eastern Region	Northern Region
Ahmedabad	Bangalore	Agartala	Ajmer
Aurangabad	Chennai	Asansol	Allahabad
Baroda	Coimbatore	Bhubaneswar	Chandigarh
Bhilai	Ernakulam	Bokaro	Dehradun
Bhopal	Hyderabad	Kolkata	Delhi
Bilaspur	Kottayam	Cuttack	Faridabad
Indore	Madurai	Dhanbad	Ghaziabad
Kolhapur	Mangalore	Durgapur	Jaipur
Mumbai	Mysore	Guwahati	Jammu
Nagpur	Neyveli	Howrah	Jodhpur
Nasik	Pondicherry	Jamshedpur	Kanpur
Panaji (Goa)	Rajamundry	Naihati	Kota
Pune	Salem	Patna	Lucknow
Surat	Thiruvananthapuram	Ranchi	Patiala
Vindhyannagar	Tiruchirappalli	Rourkela	Udaipur
	Tirunelveli		Jalandar
	Ukkunagaram		
	Vellore		
	Vijaywada		
	Waltair		

Overseas :

Botswana	Dubai	Muscat
----------	-------	--------

MEMBERS' SERVICES & MEMBERS' FACILITIES COMMITTEE

During the year, 624 candidates were admitted as Associate members and 91 Associate Members were elevated as Fellow Members. As on 31st March, 2003, the total number of members stood at 22016, out of which 19486 are Associate Members and 2530 are Fellow Members. (Details are given in Annexure -II) The number of Members in Practice was 1779 as against 1695 in the previous year. The number of Graduate Members enrolled during the year was 365 as against 364 in the previous year.

During the year, efforts were made by the Members' Services and Members' Facilities Committee to achieve the following targets :

1. Bringing the defaulting members into the fold by vigorous follow up, whereby it was possible to collect Rs.63.06 lakhs towards membership fee during the year 2003-04.
2. Steps towards further development of computerisation work of the Membership records were taken. Facilities have also been provided for online due updation of members at the time of issue of official receipts from the Headquarters. Further system development activities are in progress.
3. As a drive to realise the arrear dues, letters were issued twice during the year requesting the members in this respect. Good response was received in reply to these letters and a number of them cleared their arrear dues.
4. Insertions were also made in the monthly journal "The Management Accountant" intimating the Members to clear their arrear dues.
5. To enable the members to have a quick information about their dues and update their profile, requisite facilities have been provided in the website of the Institute www.icwai.com. Facilities have already been provided to download various forms and Membership Guidelines.
6. Steps have been taken to update the particulars of members on the basis of information received from them and display the same in the website of the Institute.
7. In order to reduce the paper work to minimum possible extent and encourage members to make more use of e-mail, steps were taken to record their e-mail addresses as intimated by them and provide prompt reply to their queries through e-mail.

8. Steps have been taken to publish all Government Notifications and Cost Audit Orders in the journal and website for the benefit of members as also those in practice.
9. Certain amendments to the Cost and Works Accountants Regulations have been approved by the Government regarding revision of membership fees etc.
10. The Council has also finalised its section-by-section and regulation-by-regulation recommendations to the Government for comprehensive amendments to the Cost and Works Accountants Act & Regulations which was pending since 1996.
11. Decision has been taken to introduce compulsory training for all practicing members under continuing education programme to undergo minimum mandatory training for 20 hours in a period of 3 years.

The Committee hopes that the steps taken would definitely result in providing better services to the members and look forward to the suggestions from them for further improvement.

RESEARCH & JOURNAL COMMITTEE

In the field of research full emphasis has been given on sponsored research projects of immense value. Our applied research project on price formula for woven plastic bag sponsored by the Chemicals and Petrochemicals Manufacturers' Association (CPMA) has since been concluded and its final report handed over to the sponsors that has been widely acclaimed. Such research projects will be of immense value to the Government, Regulatory Bodies, Manufacturers' Associations and the Consumers. Tea Board of India has also approached the Institute with a proposal of sponsored applied research project on costing and pricing of tealeaves. With the expertise of Cost and Management Accountants recognized as essential for pricing and tariff regulation and cost management policies and strategies, more and more regulatory bodies and public utilities are approaching the Institute for sponsored applied research projects in relevant areas. For example, State Electricity Boards and Telecom authorities have already approached with/awarded relevant research projects to the Institute and its Regional Councils- particularly, Western India Regional Council. It is felt, Research activities of the Institute will be further strengthened by adopting, in addition to sponsored projects, a series of in-house projects (that could not be taken in the last year due to financial constraints but are now possible with the improvement of Institute's financial position).

It is a great pleasure to witness the rise of The Management Accountant as a foremost professional journal of our country that has been acclaimed all over the country and abroad not only by the cost and management accountants but also other professionals in the economic world. Frequent reference of articles published in The Management Accountant in other professional journals is a testimony of the prestigious position our journal holds. We have given constant effort to reorient our priority towards practical reality and utility of the journal for the professionals. The contents of the journal, its extent of coverage, its quality and depth seeking have combined to elevate our profession in the public mind. The student edition of the journal has also become a reader-friendly and very valuable reference guide for the students.

Our bi-annual Research Bulletin has also grown from strength to strength. It has turned out to be a very valuable resource for academicians, Researcher and Professionals alike.

The Institute's Guidance Notes to Cost Audit has been published and has become immensely popular among the professionals. This guidance note is a result of our long research into the practice and methodology of Cost Audit vis-à-vis the Cost Audit Report Rules 2000 that has reengineered the entire Cost Audit exercise and virtually metamorphosed it to a kind of Management Audit. The publication owes much to the team of professionals who helped us in bringing out the guidance notes. It is a great pleasure that the Institute has formed a Technical Advisory Board (TAB) to answer technical queries raised by individuals and corporate bodies. TAB has already answered various queries from the Industry and it draws heavily support from the Research and Technical infrastructure of the Institute.

The excellence achieved in our Research activities has attracted Chambers of Commerce and Industry Associations to offer strategic partnership for Research Study and Guideline formulation in relevant areas of mutual interest. In this context, Indian Merchants Chamber has already entered into an MOU with WIRC of ICWAI for Research Study, guidance and assistance in diverse areas relating to cost competitiveness, industrial cost structure and various WTO related issues to endow Indian industries with global competitiveness.

INTERNATIONAL AFFAIRS

The Institute represented on all the international accounting bodies like International Federation of Accountants (IFAC), Confederation of Asian and Pacific Accountants (CAPA) and South Asian Federation of

Accountants (SAFA). Incidentally, the Institute happens to be the founder member of all these three international accounting bodies.

During the year under review, Shri S. Ramanathan, past President and present Council Member, has been appointed as a member of the prestigious FMAC of IFAC (Financial and Management Accounting Committee of International Federation of Accountants) and Shri V. V. Deodhar, Immediate past President, as Technical Adviser of the same Committee.

The Institute participated in various meetings of these international accounting bodies including IFAC-FMAC meeting, CAPA EXCOM and SAFA Assembly and in the international events associated therewith. In all these meetings, the Institute held high the banner of excellence representing the interests of the Indian Accountants, Cost and Management Accountants in particular, and, above all, aptly representing Indian national interests.

Shri B. V. Ramana Murty, President, visited Dhaka and participated in the SAFA Conference on 7-8 September 2002. Smt. Deepa Gupta, the then Government Nominee on the Council, also attended the Conference along with Shri B. V. Ramana Murty, President. Smt. Gupta acted as commentator there on the paper "IT as a Vehicle of Economic Progress". The Conference was a grand success, to say the least.

On behalf of the Institute, Shri B. V. Ramana Murty, President, attended the World Congress of Accountants at Hong Kong during 18-22 November, 2002. Besides World Congress of Accountants, Shri Ramana Murty also attended Council meeting of IFAC and EXCOM and Annual General Meeting of CAPA. In all these international meetings, he aptly held very high the banner of our profession, thereby ventilating the viewpoints of the Institute in the international milieu.

CONTINUING EDUCATION PROGRAMME COMMITTEE

The Continuing Education Programme Committee of the Institute organized 26 Management Development Programmes during the year 2002-2003 (Annexure-III). The programmes were organized at different locations in India and also an International Programme at Singapore, Malaysia and Bangkok. The programmes were organized on the following areas during the year :

1. Management Audit and Performance Optimization.
2. Corporate Finance
3. Cost Control and Cost Effectiveness
4. Accounting Standards

5. Management Accounting
6. Cost Accounting Record Rules for Petroleum Industry
7. Corporate Financial Risk Management and Financial Restructuring
8. Recent Trends in Financial Management
9. Corporate Tax Planning
10. Tax Deduction at Source
11. Corporate Accounting Policies, Methods and Practices
12. Costing for Engineers
13. Internal Auditing
14. Financial Management for Non-finance Executives.

The in-house programmes were organized for the various organizations includes M/s. Maruti Udyog Ltd., ONGC Ltd., Oil Industry Development Board, National Highways Authority of India, Central Environment Authority of Sri Lanka, APGENCO, Department of Company Affairs, Government of India and also for Indian Navy.

The Committee organized an International Programme on Recent Trends in Financial Management for the 5th time at Singapore, Malaysia and Bangkok and the programme was well attended by many senior Executives of Public and Private Sector Enterprises. Other in-land programmes organized by CEP Committee were well attended by the senior and middle level executives of Public and Private Sector Enterprises, Multinationals, Banks, Insurance Companies, Financial Institutions and Government Departments. The programmes were well appreciated and supported by various organizations. The Committee organized an exclusive programmes on the Cost Accounting Records (Petroleum Industry) Rules for the benefit of the Petroleum Industry.

The Committee is planning to organize many Workshops and Seminars in the coming year on the Cost Accounting Records Rules for the Automobile Industry, Petroleum Industry, Electricity Industry, Plantations and Telecommunications Industry. The Committee is also planning to organize 3 International Programmes during the coming year at different locations in addition to the usual In-house programmes and self-run programmes.

The Committee acknowledges with thanks the continuous support given by the Industry, the participants, the Council of the Institute and also the employees of the Institute for its continuous development.

PROFESSIONAL DEVELOPMENT COMMITTEE

During the year the Professional Development activities at ICWAI were quite encouraging. The scope for practice has been very widely increased by bringing some big industries within the ambit of Section 209(1)(d) of the Companies Act, 1956. The Department of Company Affairs have issued notifications for (i) Telecommunications, (ii) Petroleum and (iii) Plantation Products Industries for maintaining Cost Accounting Records Rules.

The ICWAI organized a non-residential Management Development Programme on Cost Control and Cost Effectiveness on 17-19 December, 2002 at Hotel Peerless Inn, Kolkata. The said Programme was inaugurated by Md. Salim, Hon'ble Minister-In-Charge, Minority Development, Youth Service & Technical Education, Government of West Bengal. In his inaugural speech, the Hon'ble Minister mentioned that in a time when globalization and economic liberalization had turned out to be the major determinant of economic fate of the country, Cost Control and Cost Effectiveness is bound to become the most crucial issue in any economic activity. He also assured of extending best help and cooperation to the Institute's authorities as and when needed. Shri Robin Deb, Hon'ble M.L.A. of West Bengal Legislative Assembly, had also graced the programme by his presence and spoke about the relevance of the topic in the present economic scenario. Shri Shyamal Banerjee, one of the senior most members of this Institute, not only attended the above Programme in the inaugural session but also joined the Programme as a Faculty Member. Shri D. K. Verma, Director (Finance), Coal India Limited, was present in the programme as one of the dignitaries and also deliberated on the subject. Shri Harijiban Banerjee, past President of the Institute was also present in the above Programme.

Another Programme on Management Accounting for ONGC officials was organized by ICWAI on 20-24 January, 2003 at EIRC, 84, Harish Mukherjee Road, Kolkata. Shri Robin Deb, Hon'ble Member of the Legislative Assembly, West Bengal graced the function as Chief Guest and also inaugurated the above Programme. In his inaugural address, he mentioned that the Institute of Cost and Works Accountants of India was a premier national Institute, which was the national authority on Cost & Management Accounting and Cost Management and the breeding ground of Cost Accountants who were the topmost professionals in this field. He opined that Cost Accounting, on a broader context, was known as Management Accounting in the rest of the world and change in nomenclature on a par

with the international scenario was yet to be effected by the appropriate authority of our country. He further stated that since the announcement of liberalization policy by the Government, substantial changes in the economic scenario had already taken place. Under the changed scenario, Cost & Management Accountants had great role to play. The relevance of the topic was, therefore, beyond question and hoped that the participants would be largely benefited. Wishing the Programme a grand success, he concluded by saying that the Programme had a wide variety of issues in its portfolio and hoped that the participants would have lively interactions. Octogenarian former Secretary of the Institute Shri S. N. Ghose, who was associated with the Institute since its birth took the trouble of attending the Programme as a most revered dignitary and apprised all concerned some of the past golden moments of his very long service career in the Institute. Shri Harijiban Banerjee, Past President of the Institute was also present.

To discuss the contemporary issues and to formulate views, the ICWAI organized the following Seminars/Workshops at the Auditorium of the Institute during the period that provided excellent opportunities for sharing of experience and updating the skill and knowledge of the members: (i) Seminar on VAT, (ii) Cost Accounting Report Rules-2001, (iii) Tea Industry, (iv) Telecommunications Industry. Some representatives of Tea Board at Kolkata were present in the Seminar on Tea Industry. They became very happy to witness the deliberations of the learned Speakers and lively interaction of the members present. It was noteworthy that the tea Board authorities had accorded a Consultancy job of national importance to the Institute and the same was accepted by the Institute. The job in question is in progress.

During the year, the progress path of the Cost & Management Accounting profession appears to be very bright. Some of the opportunities for the Practising Members achieved through the initiative of the Institute are appended:

The Cost Accountants have been recognized as the professional experts for certifying Transportation Cost under the new Central Excise Valuation Rules. They have also become entitled to certify Export Earning in Foreign Exchange. The Export Group on Transfer Pricing, formed by the Central Government, has finalized its report and one of its major recommendations is the introduction of a statement on Transfer Pricing Policy and its implementation which will have to be audited by the Cost Accountants. Cost Accountants have been given due recognition in the matter of State VAT (several States

including Goa, Tamilnadu, Karnataka, Orissa & Kerala) empowering our members for VAT Audit. West Bengal has also recognized Cost Accountants for certifying valuation of fixed assets of big dealers under West Bengal Sales Tax Rules as amended recently. A national committee on VAT has also been formed to introduce VAT in all states in modification/replacement of relevant State Sales Tax Act. It is expected that Cost Accountants will have the unity to play a big role in this area all over India.

Besides, the job market for the Cost Accountants is on the way of improvement both in India and abroad. Employers are showing keen interest to engage Cost Accountants in their organizations. This is quite evident from several campus interviews by esteemed organizations like BHEL, ONGC etc.

The Cost Accounting Standard Board has formulated 4 Cost Accounting Standards (CAS). Out of them, 3 have been prescribed by the Institute during the year viz, CAS 2 on Capacity Determination, CAS 3 on Allocation and Apportionment of Overhead, CAS 4 on Cost of production for Captive Consumption. Draft on CAS 5 on Determination of Averaged Transportation Cost has been published and will be prescribed in due course. The Government of India has, meanwhile, made application of CAS 4 mandatory for valuation of captive consumption vide Central Government's circular No. 692/08/2003-CX dated 13th February, 2003.

The Department of Company Affairs, Ministry of Finance & Company Affairs, Government of India, vide its letter No. 10/32002-IGC dated 5th February, 2003, requested the Institute's authorities to submit detailed proposals with justification against the points raised therein to enable them to take further action on them. It is heartening to note that the Institute, vide its letter no. G-142/3/2003 dated 20th March, 2003, furnished the following proposals with justification and the decision of the Government in this regard is awaited:

1. Include Cost Accountants in the definition of "Accountant" under Income Tax Act, 1961.
2. Authorise the Cost Accountants for conduct of Sales Tax Audit in cases the turnover exceeds Rs.40 lakhs.
3. Authorise the Cost Accountants for conduct of VAT Audit in the context of introduction of VAT concept
4. Authorise the Cost Accountants to conduct the Audit of co-operative societies and co-operative banks as they have core competencies in the working of these sectors.

5. As a measure of consumer protection, authorise the Cost Accountants to certify the MRP (Maximum Retail Price) on the packing of least essential consumer articles.

In addition to above the Institute also requested the Central Government to consider the following measures to create further avenues and strengthen the prospects for Cost Accountants :

- Authorise the qualified Cost Accountants for certification of inventory valuation of limited companies.
- Authorise the Cost Accountants for certification as to maintenance of cost accounting records under section 209(i) (d) instead of giving the present authorization to Chartered Accountants under MAOCARO.
- Make the annual cost audit, automatic without there being any necessity of issuing a separate individual cost audit order by cost accounts branch of ministry of finance.
- Appoint Cost auditor also on the analogy of statutory auditor (chartered accountant) in AGM and fix his remuneration. Authorize publication of summarized cost audit report along with the annual report.
- Include the qualified Cost accountant as eligible for appointment as Chief Accounts Officer for companies with authorized paid up capital of Rs.5.00 Crores or more.
- Change the name of the ICWAI as ICMA (Institute of Cost & Management Accountants) on the analogy followed by other countries in the world. The ICWAI is the off shoot of ICWA(London) and the name of this parent body was long back changed as CIMA.
- Authorize the Cost accountants to certify the figures reported under segment report in Annual Accounts.
- Authorize the Cost accountants to certify with figures for related party transactions under transfer pricing.
- Authorize Cost accountants to undertake audit of the accounts of DRDA.

ACCOUNTS

The Audited Accounts of the Institute for the year 2002-2003 with Audit Report thereon showing a surplus after last two year's huge deficit are being sent separately.

APPRECIATION AND THANKS

The Council appreciated the cooperation extended by the officers and staff as well as the members at large of the Institute for furthering the cause of the profession. The Council also placed on record its sincere thanks to the secretaries and officers of the Government Departments specially the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Ministry of Finance, Ministry of Industry, other Government Departments, various Public

and Private Sector Organisations, Autonomous Bodies, Banks, Insurance Companies, Financial Institutions and Multinationals, for the cooperation and support extended to the Council during the year under report. The council expects to receive similar help, cooperation and guidance continuously in the future.

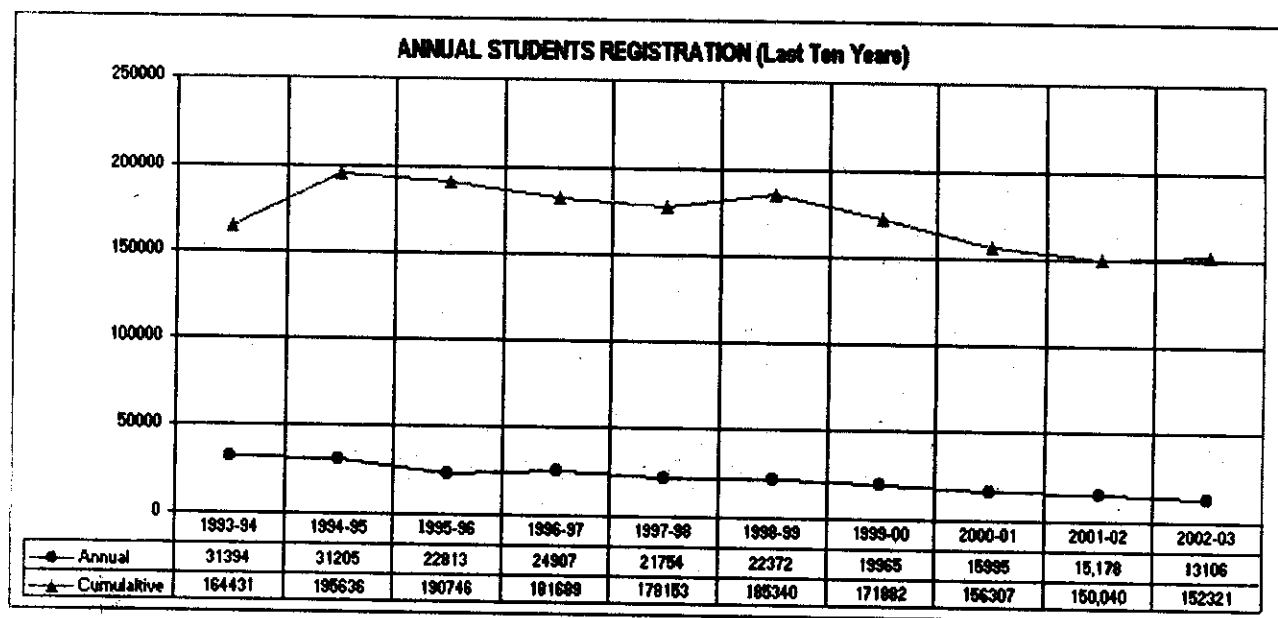
21st July, 2003

By Order of the Council

B.V.Ramana Murty
President

ANNUAL STUDENTS REGISTRATION (Last Ten Years)

YEAR	1993-94	1994-95	1995-96	1996-97	1997-98	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
Annual	31394	31205	22813	24907	21754	22372	19965	15995	15,178	13106
Cumulative	164431	195636	190746	181689	178153	185340	171882	156307	150,040	152321



DISTRIBUTION OF STUDENTS-GROUP INTERMEDIATE & FINAL (POSTAL & ORAL SCHEME)

	FOUNDATION			INTERMEDIATE			FINAL		
YEAR	POSTAL	ORAL	TOTAL	POSTAL	ORAL	TOTAL	POSTAL	ORAL	TOTAL
2001-2002	0	0	0	11589	11006	22595	1284	617	1901
%				51	49	100	68	32	100
2002-2003	1,511	3,117	4,628	9827	10456	20283	1049	416	1465
%	33	67	100	48	52	100	72	28	100

FOUNDATION (2001-2002)

1%

■ POSTAL
■ ORAL

FOUNDATION (2002-2003)

33%
67%

■ POSTAL
■ ORAL

INTERMEDIATE (2001-2002)

49% 51%

■ POSTAL
■ ORAL

INTERMEDIATE (2002-2003)

52% 48%

■ POSTAL
■ ORAL

FINAL (2001-2002)

32% 68%

■ POSTAL
■ ORAL

FINAL (2002-2003)

28% 72%

■ POSTAL
■ ORAL

**THE INSTITUTE OF COST AND WORKS
ACCOUNTANTS OF INDIA**

12, SUDDER STREET, KOLKATA 700 016

Annexure - I

**Standing and other Committees of the Council for the
year 2002-2003 [as constituted on 22nd July 2002]**

STANDING COMMITTEES

1. Executive Committee (Quorum 3)

- | | |
|--------------------------------------|--------------------------|
| (1) Shri B.V. Ramana Murty, Chairman | President |
| (2) Dr. K.L. Jaisingh | Member |
| | Vice-President |
| (3) Shri S. Ramanathan | Member |
| (4) Shri V.V. Deodhar, | Member |
| | Immediate Past President |
| (5) Shri Bibhabananda Majumder | Member |
| | Secretary |

2. Disciplinary Committee (Quorum 2)

- | | |
|-----------------------------|--------------------|
| (1) Shri B.V. Ramana Murty, | Chairman |
| | President |
| (2) Ms. Deepa Gupta, | Member |
| | Government Nominee |
| (3) Shri V.V. Deodhar | Member |

3. Examination Committee (Quorum 2)

- | | |
|--------------------------------|-------------------------|
| (1) Dr. K.L. Jaisingh, | Chairman |
| | Vice-President |
| (2) Shri Bibhabananda Majumder | Member |
| (3) Shri Chandra Wadhwa, | Member |
| | Government Nominee |
| Ms. C. Bose, | Secretary |
| | Director (Examinations) |

OTHER COMMITTEES

**4. Training & Educational Facilities Committee
(Quorum 2)**

- | | |
|--------------------------------|--------------------|
| (1) Shri Bibhabananda Majumder | Chairman |
| (2) Shri D.C. Bajaj | Member |
| (3) Shri S. Ramanathan | Member |
| (4) Shri Kunal Banerjee | Member |
| Shri Swapan Dey | Secretary |
| | Director (Studies) |

5. Research & Journal Committee (Quorum 2)

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------|
| (1) Shri D. V. Joshi | Chairman |
| (2) Shri Bibhabananda Majumder | Member |
| (3) Dr. H.R. Subramanya | Member |
| Shri Siddhartha Sen | Secretary |
| | Director (Research & Journal) |

**6. Continuing Education Programme
Committee (Quorum 3)**

- | | |
|------------------------|----------|
| (1) Shri S. Ramanathan | Chairman |
| (2) Shri D.C. Bajaj | Member |
| (3) Shri P. Mohanty | Member |
| (4) Ms. Deepa Gupta | Member |

Shri D. Chandru
Dy. Director (Programmes) Secretary

7. Professional Development Committee (Quorum 2)

- | | |
|-------------------------|----------------------|
| (1) Shri V.V. Deodhar | Chairman |
| (2) Shri D.C. Bajaj | Member |
| (3) Shri S. Ramanathan | Member |
| (4) Shri Kunal Banerjee | Member |
| Shri A.P. Kar | Secretary |
| | Director (Technical) |

**8. Members' Services & Members' Facilities
Committee (Quorum 3)**

- | | |
|---------------------------|---------------------------|
| (1) Dr. Ashok K. Agarwal | Chairman |
| (2) Shri B. Majumder | Member |
| (3) Shri Pravakar Mohanty | Member |
| (4) Shri D. V. Joshi | Member |
| Shri Kaushik Banerjee, | Secretary |
| | Dy. Director (Membership) |

**9. Financial Institutions, Insurance and Service
Sectors Committee (Quorum 2)**

- | | |
|--------------------------|--------------------|
| (1) Shri H.R. Subramanya | Chairman |
| (2) Shri D.V. Joshi | Member |
| (3) Dr A.K. Agarwal | Member |
| (4) Shri Vijay Jhalani | Member |
| Shri S.R. Saha | Secretary |
| | Dy. Director (A&F) |

**10. Regional Councils and Chapters
Coordination Committee (Quorum 2)**

- | | |
|---------------------------|------------------------|
| (1) Shri Pravakar Mohanty | Chairman |
| (2) Shri V.V. Deodhar | Member |
| (3) Shri V.R. Kedia | Member |
| Shri S. Chakraborty | Secretary |
| | Jt. Director (Studies) |

11. Computer & Networking Committee (Quorum 3)

- | | |
|---------------------------|------------------------|
| (1) Shri D.C. Bajaj | Chairman |
| (2) Dr. Ashok K. Agarwal | Member |
| (3) Shri B. Majumder | Member |
| (4) Shri H. R. Subramanya | Member |
| Shri Banhi Bhattacharyya | Secretary |
| | Dy. Director (Journal) |

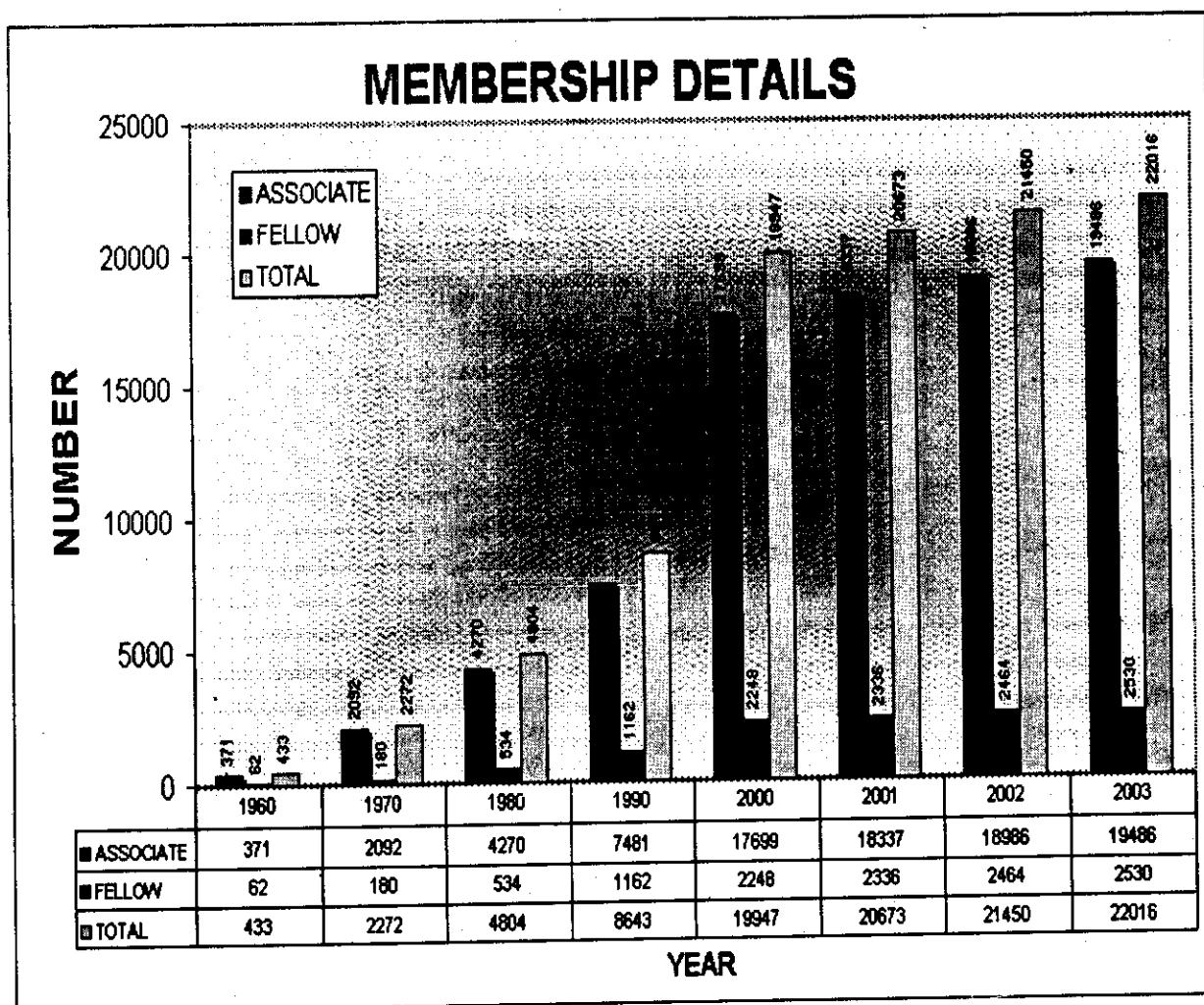
12. Public Sector Coordination Committee (Quorum 2)

- | | |
|-------------------------|----------------------|
| (1) Shri Kunal Banerjee | Chairman |
| (2) Shri V.V. Deodhar | Member |
| (3) Shri S. Ramanathan | Member |
| Shri S.C. Gupta | Secretary |
| | Dy. Director (P & D) |

**13. Navi Mumbai Research Centre Building
Committee (Quorum 2)**

- | | |
|------------------------|------------------|
| (1) Shri D.V. Joshi | Chairman |
| (2) Shri V. V. Deodhar | Member |
| (3) Shri V.R. Kedia | Member |
| Shri R. N. Pal | Secretary |
| | Director (A & F) |

MEMBERSHIP DETAILS			
YEAR	ASSOCIATE	FELLOW	TOTAL
1960	371	62	433
1970	2092	180	2272
1980	4270	534	4804
1990	7481	1162	8643
2000	17699	2248	19947
2001	18337	2336	20673
2002	18986	2464	21450
2003	19486	2530	22016



Annexure - III**Management Development Programmes Held
During 2002- March, 2003**

Sl. No.	Title of the Programme	Dates	Venue
1.	Maruti Udyog Ltd. programme - Financial Management for Non-finance Executives	April 26-27, 2002	Gurgaon, Haryana
2.	ONGC Programme - Financial Management for Non-finance Executives	June 24-28, 2002	New Delhi
3.	Maruti Programme - Finance and Cost Management	July 25-26, 2002	Gurgaon, Haryana
4.	Maruti Udyog Ltd. Programme - Finance for Non-finance Executives	August 6-8, 2002 (three half a days)	Gurgaon, Haryana
5.	OIDB Programme - Financial Management	August 19-23, 2002	New Delhi
6.	NHAI - Orientation Programme for Accounts Officer/Accountants	August 19-23, 2002	Goa
7.	Residential Programme - Internal Auditing	September 16-19, 2002	Goa
8.	ONGC Programme - Costing for Engineers	September 23-27, 2002	New Delhi
9.	Financial Management and Management Accounting for Central Environment Authority of Sri Lanka	September 23, 2002 & October 6, 2002	Chennai
10.	Corporate Accounting Policies, Methods & Practices	October 8-11, 2002	Thiruvananthapuram
11.	ONGC Programme - Financial Management for Non-finance Executives	October 28 November 1, 2002	New Delhi
12.	Tax Deduction at Source	November 12-14, 2002	Chennai
13.	Accounting Standards	November 20-22, 2002	New Delhi
14.	DEP Programme - Management Audit and Performance Optimisation	November 27-29 2002	Hyderabad
15.	APGENCO (PFC) in-house programme - Cost Accounting, Computers & Information Technology in Financial Management	November 28-30, 2003	Ibrahimpattanam, Andhra Pradesh
16.	Cost Control and Cost Effectiveness	December 17-19, 2002	Kolkata

17.	Corporate Tax Planning	December 18-20, 2002	Bhubaneswar
18.	ONGC in-house Programme - Cost Control & Cost Effectiveness	January 6-10, 2003	Delhi
19.	Recent Trends in Financial Management	January 15-25, 2003	Singapore, Kuala Lumpur and Bangkok
20.	ONGC In-house programme - Management Accounting	January 20-24, 2003	Kolkata
21.	Corporate Financial Risk Management & Financial Restructuring	February 3-6, 2003	Port Blair
22.	Department of Company Affairs, Govt. of India Programme - Costing and Accounting	February 17-21, 2003	Mumbai
23.	ONGC in-house programme - Costing for Engineers	February 17-21, 2003	New Delhi
24.	Tax Deduction at Source	February 18-20, 2003	Bangalore
25.	Indian Navy Programme - Cost Management	March 3-7, 2003	New Delhi
26.	Seminar on Cost Accounting Records (Petroleum Industry) Rules, 2002	March 6, 2003	New Delhi

WESTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

WIRC undertook the following activities during the year under report :

- 1) A seminar on Cost Audit (Report) Rules 2001 was held on 18-19 July, 2002 which was inaugurated by Shri Suresh Kotak, President, Indian Merchants' Chamber. Other guests included S/Shri C. D. Paik, Regional Director, DCA, Mumbai, I.P. Singh, Jr. Director (Cost), P.D. Phadke, V. V. Deodhar, Past Presidents, ICWAI and some Council Members/Office Bearers. A Guidance Note to Cost Audit' was released on 18.7.2002 by Shri Suresh Kotak also on this occasion.
- 2) The second seminar on Cost Audit (Report) Rules 2001 was held on 18.10.2002 which was inaugurated by Shri Vikram Sarda, President, Maharashtra Chamber of Commerce and Industry. Other guests included dignitaries, past President and office bearers of the WIRC.
- 3) Regional Cost Conference on Indirect Tax Planning - A Cost Management Tool was held on 22-23 Nov., 2002 at Aurangabad. Shri R. N. Baglaji, Industrialist and President, Waluj Industries Association, inaugurated the conference.

- 4) A seminar on Antidumping Safeguard Duty was held on 13.12.2002 which was inaugurated by Shri Mohan Nihalani, President, All India Importers' & Exporters' Association. The keynote address was delivered by Shri P.D. Phadke, Past President, ICWAI.
- 5) A seminar on Securitisation, Reconstruction and Enforcement of Security Interest Act 2002 and Negotiable Instruments Act was held on 20.12.2002. Shri Jayaraman Iyer, Executive Director, IDBI, inaugurated the seminar and Shri G. M. Ramamurthy, Legal Adviser, IDBI, delivered the keynote address.
- 6) The next seminar on Cost Audit (Report) Rules 2001 was held on 20-21. 2. 2002 which was inaugurated by Shri Amilal Anandpara, past President, MCCI. Other guests included dignitaries, past President and office bearers of the WIRC.
- 7) It completed three months Executive Development Programme for officers of IOCL. It also arranged a training programme on behalf of Headquarters for the officers of Indian Company Law Services.
- (8) A seminar on Excise Audit and Cost Audit was held for excise officials at Ahmedabad and Pune
- (9) WIRC has received Applied Research Projects from MSEB for designing and developing cost and cost accounting system for their three Power Generating Stations, the reports for which have already been submitted. Some more works from MSEB are on the pipeline.
- (10) It is conducting members' meetings every Saturday for the benefit of members of the profession where topics of professional interest are discussed.
- (11) A MOU has been entered between Indian Merchants' Chamber and WIRC on 14.2.2003 which was signed by Shri Suresh Kotak, President, Indian Merchants' Chamber, and Shri D. V. Joshi, Central Council Member, and Chairman, WIRC.
- (12) Two meetings of the faculty of oral coaching and postal coaching were held during the year or improving the status of coaching further.
- (13) A students carnival was organised for students of oral and postal courses during the year.
- (14) Special guidance lectures on Direct and Indirect Taxation were held for the benefit of the students of the Region.
- (15) Publication of communique from past and present Chairman of WIRC have kept members abreast of the activities of the Region.
- (16) The Computer Lab and its training have helped students for preparing for the ICWAI course. The Online

Objective Test for computer training has also helped Inter and Final students to a great extent.

- (17) The Placement facility is also providing benefit to the deserving students.
- (18) WIRC felicitated Shri B. V. Ramana Murthy, President, and Dr. K. L. Jaisingh, Vice-President, on 20.8.2002 and 20.2.2003 respectively.
- (19) A members' meet was organised in WIRC in connection with the visit of Shri Ashok Kapoor, Advisor (Cost), DCA, New Delhi.

SOUTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

SIRC undertook the following activities during the year under report :

- (1) The 44th National Cost Convention was held during 4-6 January, 2003 at Chennai on "Globalising Management Accounting—Paradigms for New Economic Order". The Convention was inaugurated by His Excellency, Shri P. S. Ram Mohan Rao, Governor of Tamil Nadu. At the end of four technical sessions, the valedictory session was held on 6.1.2003 where Shri B. V. Ramana Murthy, President, acted as the Chief Guest-
- (2) The Southern India Regional Cost Convention was held at Hyderabad on 22-23 November, 2002 and the theme was "Compete for Global Success". The Convention was inaugurated by Shri B. V. Mohan Reddy, Chairman & Managing Director, Infotech Enterprises Ltd., Hyderabad.
- (3) A Practitioners' convention was held on the theme "Cost Audit -A part of Corporate Governance" during the National Convention on 3.1.2003. Shri K. V. Shetty, Vice-President, Automotive Components Manufacturers' Association and Managing Director, IP Rings Ltd., Chennai, inaugurated and rendered keynote address.
- (4) A Bankers' Meet was organised on 7.10.2002 at Chennai. Smt. Ranjana Kumar, Chairperson and Managing Director, Indian Bank, inaugurated the meet and rendered keynote address on "Competitiveness in the Banking Industry and the Role of Management Accountants"
- (5) A two-day convention on "Taxation Summit" was organised during 19-20 June, 2002.
- (6) SIRC organised various training programmes such as :
 - (a) An in-house training programme on 'Finance for Non-Finance Executives' for executives of Airport Authority of India (NAD) was held from 3rd to 5th July, 2002. The training was inaugurated by

Shri P.K. Kapoor, Addl. General Manager (Comml.), AAI.

- (b) An Executive Development Programme on 'Finance & Accounting Practices Course' was organised for executives of Indian Oil Corporation Ltd. from 26.8.2002 to 21.9.2002. Shri R. K. Puri, General Manager (Finance), IOCL, inaugurated the programme.
- (c) An Executive Development Programme (Phase II) on 'Finance & Accounting Practices Course' was organised for executives of Indian Oil Corporation Ltd. from 6-30 November 2002. Eminent faculties from the Institute and industry handled the technical sessions on the subject. During the valedictory session, Shri R. K. Puri, General Manager (Finance), Indian Oil Corporation Ltd., distributed certificates to the participants.
- (d) A programme on 'Fundamentals of Finance & Accounts' for the executives of Wellwin Industry Ltd. was conducted on 15.2.2003. Shri R. Rajagopalan, Managing Director of the company, inaugurated the training. Eminent faculties from the Institute and industry addressed the sessions.
- (7) SIRC organised the following professional development meetings :
 - (a) A half-day workshop on Revised Cost Accounting Record Rules 2001 was held on 6.5.2002 for corporates in the morning and for practitioners in the afternoon which was well attended by the industries as well as practitioners.
 - (b) One day workshop on TDS, Central Sales Tax and Service Tax was organised on 26.7.2002 wherein many corporates took active part in the deliberations.
 - (c) Two-day training programme on 'Finance for Non-Finance Executives' was organised on 6-7 March, 2003 which was well attended by a sizeable number of participants.
- (8) A discussion meet on 'Union Budget 2003' was organised on 5.3.2003. Apart from direct and indirect sessions on budget, there was an interaction session where the members interacted with different speakers. Apart from the above, a large number of other professional development meetings were held during the year.
- (9) Video/CD programmes on latest Cost Management Techniques were screened for the benefit of students.
- (10) Coaching activities of SIRC included the following :
 - (a) SIRC organised career counseling programmes at

three Colleges during December 2002—February 2003

- (b) It participated at INFORMEX 2002, a career fair, organised by the University of Madras between 7-13 May 2002. Participants at the fair included Hon'ble Shri A.P.J. Abdul Kalam, President of India, who was kind enough to enquire about ICWAI course there.
- (c) 'Podigai' Channel of Doordarshan telecast a programme on the Institute and profession on 7.1.2003. AIR also broadcast about the Institute and its profession.
- (d) It also organised refresher course and guest lectures for the benefit of both postal and oral coaching students. A faculty meet for oral and postal students was held on 22.2.2003 and 29.3.2003 respectively.
- (e) It organised a two-day students convention 'Cost O-Rhythm — Euphoria 2002' on 13-14 September, 2002. Shri S. Rangarajan, Sr. General Manager (Finance), IP Rings Ltd., Chennai, inaugurated the convention.
- (f) All India students' convention was organised on 3.1.2003 on the theme 'Ushering New Vistas of Cost and Management Accounting'. Shri L. Sabaretnam, Chief Executive Officer, India Cements Ltd., inaugurated the convention. It was followed by a paper presentation session on different subjects of topical interest.
- (g) SIRC organised chapters' meet on 27.2.2002. Another meet was held on 5.1.2003 to coincide with the National Cost Convention hosted by SIRC.

EASTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

EIRC undertook the following activities during the year under report :

- (1) Around 40 Final/Inter ICWA candidates were engaged in Kolkata BSNL circle and Orissa
- (2) The Cuttack-Bhubaneswar Chapter succeeded in
 - (a) including the name of "Cost Accountant" in the definition of Accountant under Orissa VAT Act along with Chartered Accountant
 - (b) engaging 40 Final/Inter ICWA candidates in GRIDCO, CESCO, OHPC, DPEP, PWC, REL., etc.
 - (c) agreeing to appoint 30 ICWA candidates for 30 DRDAS and accord internal audit assignments to Cost Accounting firms under Panchayat Raj Dept., Govt. of Orissa.

- (3) Independence Day was observed on 15.8.2002. Shri B. V. Ramana Murty, President, hoisted the National Flag. Dr K. L. Jaisingh, Vice-President, Shri Arup Shankar Bagchi, Secretary and Shri C. R. Chattopadhyay, Treasurer and staff members attended the programme.
- (4) A Practising Members' meet was held on 5.10.2002. Shri P. G. Nandy, Chairman, presided over the meeting. Shri B. P. Mahapatra, Vice-Chairman, Shri Bimalendu Dasgupta, past Chairman, Shri Sanjiban Bandyopadhyay, Regional Council Member, were also present.
- (5) A Practising Members' meet was held on 26.10.2002. Shri Bimalendu Dasgupta, past Chairman, Shri Sanjiban Bandyopadhyay, Member, and a large number of senior members attended the meeting and discussed professional matters.
- (6) A meeting of members to discuss Union Budget was held on 15.3.2003. Dr K. L. Jaisingh, Vice-President, presided over the session. Shri P. G. Nandy, Chairman, welcomed the members. S/Shri Bibhabananda Majumder, Central Council Member, B. P. Mahapatra, Vice-Chairman, Bimalendu Dasgupta, past Chairman, Sanjiban Bandyopadhyay, Regional Council Member, were also present. S/Shri Sampat Mukherjee, renowned Economist, S.N.S. Mahapatra, senior member and Tax Consultant, were the Guest Speakers.
- (7) A members meet was held on 30.4.2003 where Shri Harijiban Banerjee Past President spoke on Disinvestment.
- (8) An orientation training programme for executives of Indian Oil Corporation was held on TDS/Sales Tax, Works Contract between 13-16 March 2003 at Haldia. Shri Sanjiban Bandyopadhyay, Chairman, Management Development Programme and Research Committee, coordinated the programme.

NORTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

- (1) NIRC conducted a Mind Blowing Seminar on Dynamic Memory Methods on 14.8.2002 and 23.8.2002. A two-day seminar on the same subject was also held on 24-25.8.2002.
- (2) A seminar was organised on New Cost Audit Report Rules, 2001 on 3.10.2002 wherein Shri Arun Kapur, President PHD Chamber of Commerce and Industry, was the Chief Guest. S/Shri J.K. Puri, Addl. Chief Adviser, Ministry of Finance and former President, ICWAI and I. P. Singh, Joint Director, Cost Audit Branch, DCA, also deliberated on the subject.
- (3) NIRC organised a members' meet with Shri B. V.

Ramana Murty, President, and Dr K.L. Jaisingh, Vice-President, along with other Council Members and former Presidents of ICWAI, on 23.10.2002 wherein important issues like

- (a) inclusion of Cost Accountants in the definition of Accountants as given in explanation to Sec. 288(2) of I. T. Act .
- (b) appointment of Cost Accountants in all companies where Cost Accounting Record Rules are applicable u/s 209(1)(d) of the Companies Act
- (c) appointment of Cost Auditors in the AGM of companies
- (d) making provisions for certification by Cost Accountants in Practice about applicability of Sec. 209(1)(d) in the MAOCARO Report
- (e) change of title of 'Cost Accountants' to 'Cost and Management Accountants' in the GWA Act and Regulations
- (f) change of name of the Institute to 'Institute of Cost and Management Accountants of India', etc., prominently figured.
- (4) It organised a talk on International Business, Import Export Documentation and Documentary Credits on 28.10.2002.
- (5) It held a seminar on Public Financial Accountability on 8.11.2002 in association with the Institute of Internal Auditors, Delhi Chapter.
- (6) It organised a programme on Insurance Claims and Survey -Role of Cost and Management Accountants on 21.11.2002 wherein various issues connected with the subject were thoroughly discussed.
- (7) A two-day Cost Conference on 'Cost Management in International Business Environment' was held on 13-14 Dec. 2002 at Jaipur. Shri S. C. Mathur, Former Chief Minister of Rajasthan and presently Chairman of Administrative Reforms Commission, inaugurated the conference. Apart from two technical sessions on 13.12.2002, a seminar on VAT was held on 14.12.2002 where Shri S. C. Agrawal chaired the occasion.
- (8) The annual get-together and new year celebrations, along with family members of the Region, were held on 29.12.2002.
- (9) A talk on Implications of VAT was organised on 22.1.2003. Dr K. K. Srivastava, PCS, Dy. Commissioner of Sales Tax, Ghaziabad, was the guest speaker wherein various important issues connected with VAT were thoroughly discussed.
- (10) A full day seminar on Employers' Obligations and

Compliances under Industrial and Labour Laws' was held on 22.2.2003. Shri J.K. Puri, Addl. Chief Adviser, Ministry of Finance and former President, ICWAI, inaugurated the seminar. The speakers of the day spoke on various connected issues on the subject.

- (11) A talk on Union Budget 2003 was held on 5.3.2003. S/Shri S. D. Kapila, Advocate and former Director General of Income Tax, and S. C. Kamra, Advocate, spoke on the subject.
- (12) Talk on new Cost Accounting Records and Cost Audit Report Rules was held on 21.3.2003. Shri A. K. Kapoor, Adviser (Cost), Cost Audit Branch, DCA, deliberated on the issue accompanied by Shri R. Balasubramanian, Deputy Director, Cost Audit Branch.
- (13) Talk on Antidumping was organised on 23.4.2003 where S/Shri Mukesh Bhatnagar, ITS, Director, Directorate General of Antidumping, and Y. K. Venkatesh ICAI, Director, Ministry of Commerce and Industry, were the eminent speakers.
- (14) A Regional Cost Conference on 'Total Cost Management for Competitive Advantage' was held on 25-26 April 2003 at Chandigarh. Hon'ble Chief Minister of Haryana, Shri Om Prakash Chautala, inaugurated the Conference. Shri Anand Rao Adsul, Hon'ble Minister of State for Finance, Govt. of India, was Chief Guest in cultural evening and first technical session on 26.4.2003. Other eminent personalities and dignitaries also spoke on the occasion.
- (15) A talk on New Management Technique -Six Sigma was organised on 28.5.2003. Shri Ashish Awasthi, a member of the Institute and Service Delivery Leader of E funds International (India) Pvt. Ltd., spoke on the day.
- (16) A talk on New Companies (Amendment) Bill, 2003 was arranged on 23.6.2003 where the guest speakers were S/Shri G. R. Bhatia, Addl. Director General (Investigation & Registration) in MRTP Commission and S. Sudhakar, General Manager (Finance), Berger Paints Ltd.
- (17) A talk on Role of Professional in Current Economic Scenario was organised on 4.7.2003 in association with Institute of Internal Auditors, Delhi Chapter. The key speaker was Shri N. Parthasarathy, Member (Fin.), Telecom Commission, Govt. of India.
- (18) NIRC launched its own website <www.nircicwai.org> for the benefit of its members and students.
- (19) It took initiative for campus interviews held by ABN AMRO Bank on 12.5.2003.

AUDITORS' REPORT

Auditors' Report to the Members of the Institute of Cost and Works Accountants of India.

1. We have audited the attached Balance Sheet of The Institute of Cost and Works Accounts of India ("the Institute") as at 31 st March 2003 ,the Income and Expenditure Account and also the Cash Flow Statement for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit
2. We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.
3. These accounts have been approved by the Council of the Institute but has not been signed by Secretary as the Institute did not have a Secretary on that date.
4. Attention is drawn to the following:
 - 4.1 The fixed assets of the Institute have not been physically verified by the management during the year.
 - 4.2 Freehold land and Building include Rs. 31,29,503 for land which has not been separately disclosed in Schedule 5.
 - 4.3 Documents of title for Freehold land valuing Rs. 18,27,619 and Buildings valuing Rs. 1,72,21,270 were not available for our examination.
 - 4.4 As stated in the Accounting Policy 1(b) no write off is made in respect of leasehold land. In our opinion, this is not in consonance with Generally Accepted Accounting Principles and leasehold lands should be amortised over the period of the lease.
 - 4.5 In many cases there are long delays in capitalisation of a building after the date of its comple-

tion resulting in non charging of depreciation for about 3-8 years on a cost of Rs. 17,93,245 (Kalyan Ambernath, Bhopal & Vellore) and Rs. 32,01,969 (Cochin & Vishakapatnam included in Notes to Accounts).

- 4.6 In our opinion, the internal controls in respect of reconciliation of annual subscription and tuition fees, transactions with Regional Councils and Chapters, payment and recoveries of advances and reconciliation of various accounts and unlinked items require to be strengthened. Further, certain areas are exposed to control risk and, thus require special consideration of the internal auditor.
- 4.7 The share scrip for investment in trust fund of Rs. 500 was not available for our examination.
- 4.8 The stocks of publication, paper and study materials have not been physically verified by the management during the year. Accordingly, we have not been able to verify the quantities. Further, the balances are as per book records (maintained on the basis of statements received from Regional Councils which could not be reconciled in terms of receipts and issues). Confirmation from printers in respect of paper stock were also not available.
- 4.9 The outstanding balances from sundry debtors are subject to reconciliation and consequent adjustments on receipt of confirmation from them. Accordingly, we are unable to comment if any provision is required in this regard.
- 4.10 Included in bank balance is Rs.32,295 in respect of cheques and drafts returned.
- 4.11 Significant amount or advances to Regional Councils and chapters for construction of building and silver jubilee capital grants are remaining unadjusted for a long period for lack of documents. We are unable to comment on these at this stage. Further, buildings purchased valuing Rs.16.60 lacs in earlier years are yet to be capitalised in the Institute's accounts. (Kalyan Ambernath and Vijaywada).
- 4.12 As stated in Note-14 no provision has been made in these accounts for Rs. 2,68,452 considered as doubtful of recovery.
- 4.13 Leave encashment benefit on retirement is accounted for on cash basis which is contrary to Accounting Standard -15 "Accounting for retire-

ment benefits in the financial statements of Employers" issued by Institut of Chartered Accountants of India.

- 4.14 Publication Income is being accounted for on the basis of advice forwarded by stores department which do not include quantitative details and thus could not be verified by us.
- 4.15 The consequential effects of the paragraphs 4.4, 4.5, 4.8, 4.9, 4.11, 4.13 and 4.14 could not be determined.
- 4.16 Subject to and read with the foregoing remarks we report that;
 - a) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.
 - b) In our opinion proper accounts have been kept in conformity with the requirements of The Cost and Works Accountants Act, 1959 and The Cost and Works Accountants Regulations, 1959.
 - c) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Cash Flow statement dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.
 - d) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, subject to the effects of the matter discussed in paragraphs 4.1 to 4.15 above, the accompanying accounts together with notes thereon and the significant accounting policies give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
 - i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute as at 31 March.2003;
 - ii) in the case of the Income and Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date; and
 - iii) in the case of Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended on that date.

For Gupta & Co.
Chartered Accountants

S. K. Ganguli
Partner

Kolkata
Dated : 21.07.03

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2003

Last year 2001-2002 (RS.)	SCHEDULE NO.	This year 2002-2003 (RS.)	(RS.)
INSTITUTE FUNDS :			
65,874,133	General Fund (1)	69,417,074	
10,362,105	Employees' Gratuity Fund (2)	10,947,315	
331,424	Employees' Benevolent Fund (3)	350,421	
720,549	Misc. Prize & Other Fund (4)	825,394	
6,570,090	Demand Loan/Bank Overdraft (Note No.5)	4,857,722	
<u>83,858,211</u>	TOTAL	<u>86,397,926</u>	
REPRESENTED BY :			
Fixed Assets :			
48,083,917	a) Gross Block (5)	52,338,185	
23,618,082	b) Less Depreciation	27,533,123	
24,465,835	c) Net Block	24,805,062	
500	Investments (6)	500	
48,367,461	Current Assets (7)	49,539,859	
21,482,688	Loans & Advances (8)	19,026,661	
69,850,149		68,566,520	
11,443,291	Less : Current Liabilities & Provisions (9)	7,466,665	
58,406,858	NET CURRENT ASSETS	61,099,855	
985,018	Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off)	492,509	
<u>83,858,211</u>	TOTAL	<u>86,397,926</u>	
Notes on Accounts (20)			

Schedules referred to above form part of the Accounts

As per our report attached.

For Gupta & Co.
Chartered AccountantsS.K. Ganguli
PartnerK. L. Jaisingh
Vice PresidentB. V. Ramana Murty
President

Kolkata

R. N. Pal
Director (A & F)

Dated : 21st July, 2003.

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT for the year ended 31st March 2003

Last year 2001-2002 (RS.)	Particulars	Schedule No.	This year 2002-2003 (RS.)
INCOME :			
6,699,008	Annual Subscription	(10)	8,761,494
23,632,829	Examination Fees	(11)	26,728,166
23,433,654	Tuition Fees	(12)	23,881,792
137,180	Computer Training - Net		1,908,870
1,842,530	Interest		1,705,379
3,683,372	Publication Income		3,460,912
499,042	Journal Fee (Incl. Advt.)		557,418
4,998,171	C. E. Programme Income		4,151,491
—	Research Study Project - Net		196,274
<u>64,925,786</u>	Total :		<u>71,351,796</u>
EXPENDITURE :			
30,688,295	Establishment	(13)	31,618,672
8,568,573	Office Expenses	(14)	7,460,929
177,025	Advertisement		—
40,000	Statutory Audit Fee		43,200
52,000	Internal Audit Fee		53,125
1,869,814	Travelling & Conveyance		1,692,579
8,339,637	Examination Expenses	(15)	8,519,418
3,848,769	Council & Comm. Meeting Exp.	(16)	1,439,503
492,509	Election Expenses		492,509
2,683,147	Journal Expenses		2,164,635
4,175,992	Contribution to Regional Councils	(17)	2,753,652
99,320	Contribution to Chapters (Grant)		87,555
1,670,215	Membership Subscription To Foreign Bodies		1,691,018
696,378	Conference & Meeting International		124,244
3,841,156	C. E. Programme Expenses		3,105,680
506,362	Professional Development Expenses		192,014
—	Stock Written Off		2,256,010
2,011,757	Study Materials Consumed		2,905,864
850,943	Publication Stock Consumed		845,235
2,848,368	Depreciation		2,908,558
<u>73,460,260</u>	TOTAL		<u>70,354,400</u>
(8,534,474)	Surplus / (Deficit) for the year		997,396
<u>64,925,786</u>	TOTAL		<u>71,351,796</u>
(8,534,474)	Surplus / (Deficit) for the year B/F		997,396
155,195	Contribution to Gratuity Fund Revert Back		—
<u>(8,379,279)</u>	TOTAL		<u>997,396</u>
175,070	Prior Period Income	(18)	911,391
328,499	Prior Period Expenses	(19)	3,257,722
(8,532,708)	Transferred to General Fund		(1,348,935)
Notes on Accounts (20)			

Schedules referred to above form part of the Accounts

As per our report attached.

For Gupta & Co.
Chartered AccountantsS.K. Ganguli
PartnerK. L. Jaisingh
Vice PresidentB. V. Ramana Murty
President

Kolkata

R. N. Pal
Director (A & F)

Dated : 21st July, 2003.

CASH FLOW STATEMENT **for the year ended 31st March, 2003**

	Rs.	2002-2003	Rs.
Cash Flow from Operating Activities			
Cash Receipt from Members / Students	64,350,083		
Other Receipt	823,128		
	<u>65,173,211</u>		
Cash paid to Employees	(32,303,611)		
Other Operating Expenses	(33,759,396)		
Net Cash from Operating Activities			(889,796)
Cash Flow from Investing Activities			
Purchase of Fixed Assets	(190,129)		
Proceeds from Sale of Equipments	59,812		
Interest received from Investments	2,580,144		
Refund of Advances	300,540		
Investments made	(309,873)		
Net Cash from Investing Activities			2,440,494
Cash Flow from Financing Activities			
Interest Paid			(511,985)
Net increase in Cash And Cash Equivalent			1,038,713
Cash and Cash Equivalents at the beginning of the period (See Note 1)			25,875,693
Cash and Cash Equivalents at the end of the period (See Note 1)			26,914,406
Note - 1			
Cash in Hand and Balances with Banks : 2001-02			(4,759,236)
Term Deposit with Banks : 2001-02			30,634,929
			<u>25,875,693</u>
Cash in Hand and Balances with Banks : 2002-03			(3,765,524)
Term Deposit with Banks : 2002-03			30,679,930
			<u>26,914,406</u>

Previous year's figures have not been stated as this is the first year for which Cash Flow Statement has been prepared.

As per our report attached.
For Gupta & Co.
Chartered Accountants

S.K.Ganguli
Partner

Kolkata
Dated : 21st July, 2003.

K.L.Jaisingh
Vice President

R. N. Pal
Director (A & F)

B.V.Ramana Murty
President

SCHEDULES FORMING PART OF ACCOUNTS

SCHEDULE NO. 1 :
GENERAL FUND as at 31st March 2003

Last year 2001-2002		This year 2002-2003	
(Rs.)	PARTICULARS	(Rs.)	(Rs.)
67,248,291	Balance as per last account	65,874,133	
26,474	Less : Refund during the year	9,800	
<u>67,221,817</u>		<u>65,864,333</u>	
	Add :		
38,108	i) Cancellation of cheques issued in the previous year	—	
5,392,411	ii) Contribution by Chapters towards Construction of Buildings :		
	Bangalore Chapter	432,000	
	Visakhapatnam Chapter	2,061,044	
	Cochin Chapter	446,200	
	Bhilai Chapter	6,026	
20,304	iii) Others	202,434	3,147,704
<u>72,672,640</u>		<u>69,012,037</u>	
	Less :		
474,590	i) Adjustment of Advance	—	
62,576	ii) Others	130,820	130,820
<u>72,135,474</u>		<u>68,881,217</u>	
	Capital Grants to Regional Councils :		
75,000	for Library	61,275	
9,000	for Furniture	7,550	68,825
<u>72,051,474</u>		<u>68,812,392</u>	
368,887	Add : Entrance Fee (Member)	402,257	
1,986,480	Entrance Fee (Student)	1,551,360	1,953,617
<u>74,406,841</u>		<u>70,766,009</u>	
	Add : Surplus/(Deficit) for the year :		
(8,532,708)	Income & Expenditure Account (HQ)	(1,348,935)	
<u>65,874,133</u>	Total	<u>69,417,074</u>	

SCHEDULE NO. 2 :
EMPLOYEES' GRATUITY FUND as at 31st March 2003

Last year 2001-2002		This year 2002-2003	
(Rs.)	PARTICULARS	(Rs.)	(Rs.)
10,813,486	Balance as per last account	10,362,105	
—	Add : Contribution for the period	1,063,501	
<u>10,813,486</u>		<u>11,425,606</u>	
1,477,121	Add : Interest earned on Investment of Fund for the period	1,271,411	
<u>12,290,607</u>		<u>12,697,017</u>	
1,773,307	Less : Gratuity paid to Employees during the period	1,749,702	
155,195	Amount Written Back to Income & Expenditure Account		
<u>10,362,105</u>	Total	<u>10,947,315</u>	

SCHEDULE NO. 3 :
EMPLOYEES' BENEVOLENT FUND as at 31st March 2003

Last year 2001-2002		This year 2002-2003	
(Rs.)	PARTICULARS	(Rs.)	(Rs.)
307,272	Balance as per last account	331,424	
	Add : Contribution during the period		
7,336	Employers'	7,120	
3,668	Employees'	3,560	10,680
25,779	Add : Interest earned on Investment of Fund for the period	25,801	
<u>344,055</u>		<u>367,905</u>	
	Less : Paid to Employees during the period		17,484
12,631	Total	<u>350,421</u>	

SCHEDULE FORMING PART OF ACCOUNTS

SCHEDULE NO. 4 :

MISC. PRIZE & OTHER FUND as at 31st March 2003

Name of the Prize Fund	Opening Balance (Rs.)	Addition during the year (Rs.)	Income credited (Rs.)	Total (Rs.)	Cost-of Prizes (Rs.)	Closing Balance (Rs.)
B.D. Puri Prize Fund	17,328.85		1,020.00	18,348.85	1,602.06	16,746.79
Wazir Debi Puri Prize Fund	16,288.00		1,200.00	17,488.00	1,602.06	15,885.94
B. C. Chakraborty Prize Fund	10,184.70		602.00	10,786.70	—	10,786.70
D. D. Kalra Prize Fund	15,024.30		648.00	15,672.30	594.00	15,078.30
A. K. Biswas Prize Fund	44,377.75		2,201.00	46,578.75	2,566.06	44,012.69
Bikramjit Mazumdar Prize Fund	12,280.30		500.00	12,780.30	552.00	12,228.30
B. N. Ganguly Prize Fund	7,678.30		171.00	7,849.30	—	7,849.30
K. Ramachandran Prize Fund	7,071.26		710.00	7,781.26	650.00	7,131.26
Sm.Rajamma M.R.S. Iyengar Prize Fund	6,762.70		484.00	7,246.70	500.00	6,746.70
U. N. Sur Prize Fund	13,851.50		954.00	14,805.50	1,000.00	13,805.50
Maujiram Jain Prize Fund	11,768.00	5,000.00	1,079.00	17,847.00	1,000.00	16,847.00
Pune Chapter of Cost Accountants Prize Fund	13,603.00		990.00	14,593.00	1,200.00	13,393.00
Gangadas Mundhra Prize Fund	15,178.00		1,139.00	16,317.00	1,602.06	14,714.94
V. Srinivasan Prize Fund	16,204.00		1,138.00	17,342.00	1,602.06	15,739.94
V. K. Cansal & S. P. Cansal	27,023.00		1,901.00	28,924.00	—	28,924.00
J. N. Bose Prize Fund	15,679.00		358.00	16,037.00	1,602.06	14,434.94
Subhas Adhya Prize Fund	5,338.56		500.00	5,838.56	500.00	5,338.56
N. Sarkar Prize Fund	15,085.56		1,000.00	16,085.56	1,000.00	15,085.56
G. Indira Debi Prize Fund	23,143.11		939.00	24,082.11	1,602.06	22,480.05
Pusparani De Prize Fund	17,919.55		1,093.00	19,012.55	1,602.06	17,410.49
Srinivasan Jagannathan Prize Fund	31,590.62		1,985.00	33,575.62	1,602.06	31,973.56
Sultan Chand Prize Fund	43,067.00		3,416.00	46,483.00	2,338.00	44,145.00
K. K. Dutta Prize Fund	19,916.83		1,718.00	21,634.83	—	21,634.83
Kedarnath Prahaldrai Dhanuka Prize Fund	26,203.00		2,019.00	28,222.00	1,436.00	26,786.00
Dhanapati Goel Prize Fund	30,170.91		2,100.00	32,270.91	1,602.06	30,668.85
Kanshi Ram Prabhakar Prize Fund	31,148.91		2,100.00	33,248.91	1,602.06	31,646.85
Mandakini Vasant Limaye Prize Fund	4,354.50		500.00	4,854.50	500.00	4,354.50
Colonel Ambuja Nath Bose Prize Fund	42,884.00		2,700.00	45,584.00	1,602.06	43,981.94
M. Krishna Murthy Prize Fund	10,095.00		900.00	10,995.00	1,000.00	9,995.00
Laxmibai Dhandopant Kavishwar Prize Fund	7,279.00		208.00	7,487.00	—	7,487.00
Kamala Mukherjee Prize Fund	13,438.00		861.00	14,299.00	—	14,299.00
P.Ganguly Memorial Prize Fund	101,243.00		8,250.00	109,493.00	—	109,493.00
Principal Smt.V. J.Talati Prize Fund	26,316.00		2,250.00	28,566.00	—	28,566.00
Annapurna & Rebati R Bhattacharjee P. Fund	21,053.00		1,800.00	22,853.00	—	22,853.00
A.V.S.Rao Endowment Lecture Fund	—	10,001.00	414.00	10,415.00	—	10,415.00
Students Benevolent Fund	—	70,201.00	2,254.00	72,455.00	—	72,455.00
TOTAL :-	720,549.21	85,202.00	49,848.00	785,398.21	32,458.72	825,394.49

SCHEDULE FORMING PART OF ACCOUNTS

SCHEDULE NO. 5 :

FIXED ASSETS as at 31st March 2003

Description of Assets	Gross Block			Depreciation			Net Block	
	Opening Cost 01.4.2002	Addition during the year	Less : Sale/ Adjustment of Fixed Assets during the year	Total as on 31.3.2003	Upto 1.4.2002	For the year Adjustment of Fixed Assets during the year	This year 2002-2003	Last year 2001-2002
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
FREEHOLD LAND & BUILDING								
Headquarter	2,847,998	—	—	2,847,998	1,192,662	151,534	1,503,802	1,655,336
Regional Councils & Chapters	29,703,430	4,005,375	—	33,708,805	11,959,063	1,852,526	19,897,216	17,744,367
LEASEHOLD LAND :								
Regional Councils & Chapters (Durgapur, Nagpur, Ukkunagram, Visakhapatnam, Pune & Bhilai)	367,175	39,895	—	407,070	—	—	407,070	367,175
FURNITURE & FITTINGS :								
Headquarter	2,662,136	—	13,937	2,648,199	1,855,974	80,616	1,924,536	806,162
LIBRARY BOOKS :								
Headquarter	787,357	31,033	—	818,390	396,045	42,234	380,111	391,312
OFFICE EQUIPMENTS :								
Headquarter	3,199,546	180,315	213,209	3,166,652	2,012,888	132,118	1,989,077	1,186,658
GENERATORS :								
Headquarter	280,545	—	—	280,545	269,146	2,850	8,549	11,399
LIFT :								
Headquarter (EIRC Premises)	416,062	—	—	416,062	240,536	43,882	131,644	175,526
MOTOR CAR :								
Headquarter	738,878	—	75,004	663,874	477,558	52,264	208,407	261,320
COMPUTER :								
Headquarter	7,080,790	299,800	—	7,380,590	5,214,210	1,799,355	367,025	1,866,580
Total :	48,083,917	4,556,418	302,150	52,338,185	23,618,082	4,157,379	24,805,062	24,465,835

Note : Depreciation for Computer 'for the year' includes Rs. 12,48,821/- for prior periods.

SCHEDULES FORMING PART OF ACCOUNTS

SCHEDULE NO. 6 :

INVESTMENTS (AT COST) as at 31st March 2003

Last year 2001-2002		This year 2002-2003	
Rs.	PARTICULARS	Rs.	Rs.
	SHARES (GENERAL FUND) :		
500	5 Shares of Rs.100/- each in Jai Brindaban Premises Trust Fund, Bombay		500
500	TOTAL		500

SCHEDULE NO.7 :

CURRENT ASSETS as at 31st March 2003

Last year 2001-2002		This year 2002-2003	
Rs.	PARTICULARS	Rs.	Rs.
3,047,390	Publication Stock (at Cost)		2,557,744
449,349	Paper Stock (at Cost)		623,733
2,928,800	Study Material Stock (at Cost)		1,932,413
8,820	Stock Silk Ties		8,820
990,139	Interest Accrued on Investments in Fixed Deposits		1,267,534
922,789	Accrued Interest on Loan to RC & Chapters for construction of Building etc.		1,052,565
6,938,881	Sundry Debtors		9,798,030
	Cash and Bank Balances :		
78,714	In hand (including Cash and Postage Stamps)		124,863
265,997	At Post Office		289,498
	Balances with Scheduled Banks :		
1,607,643	On Current Account		1,032,820
494,910	On Savings Account		171,910
	Fixed Deposits :		
14,144,645	Employees' Gratuity Fund		14,144,645
15,700,000	Institute's Fund (Note No.7)		15,700,000
263,007	Employees' Benevolent Fund		263,007
527,277	Misc. Prize & Other Fund		572,278
48,367,461	Total		49,539,859

SCHEDULE NO. 8 :

LOANS AND ADVANCES as at 31st March 2003

Last year 2001-2002		This year 2002-2003	
Rs.	PARTICULARS	Rs.	Rs.
2,295,969	Building Loan to Chapters : (A)		
122,870	8% Building Loan		2,230,223
726,723	4% Building Loan		113,978
11,879,050	Computer Loan to Chapters (B)		720,912
	Advance to Regional Councils & Chapters for construction of Buildings (C)		10,979,050
2,132,138	Silver Jubilee Cap.Grants (D) (Adv.) to Chapters		1,932,138
1,888,885	Building Advance to Employees		1,963,606
28,027	Vehicle Purchase Advance to Employees		35,323
1,231,269	Other Advances		94,176
210,874	Festival Advance to Employees		232,208
563,352	Advance for Fixed Assets		268,452
	Salary Advance to Employees for Provident		
2,370	Fund Contribution		2,370
255	Flood Relief Advance		255
150,982	Prepaid Expenses		122,150
243,924	Deposits		331,820
21,482,688	Total		19,026,661

SCHEDULE NO. 8(A) :

BUILDING LOAN TO CHAPTERS as at 31st March 2003

Last year 2001-2002		This year 2002-2003	
4% Loan Rs.	8% Loan Rs.	4% Loan Rs.	8% Loan Rs.
16,552		16,552	
16,318		7,426	
	47,796		46,607
	100,000		100,000
	200,000		200,000
	59,532		29,975
	160,000		150,000
	25,000		

SCHEDULES FORMING PART OF ACCOUNTS

SCHEDULE NO. 8(A) : (Contd.)

90,000	Howrah	90,000
150,000	Bokaro Steel City	150,000
200,000	Durgapur	200,000
200,000	Asansol	200,000
200,000	Dhanbad - Sindri	200,000
191,897	Serampore	191,897
186,744	Cuttack-Bhubaneswar	186,744
135,000	Jaipur	135,000
200,000	Udaipur	200,000
100,000	Kanpur	100,000
140,000	Kota	140,000
122,879	Total	113,978
2,295,969		2,230,223
Realisation of Building Loan during the year 2002-2003 (4% & 8%)		
	Amount	Rs.
Goa	8,892	
Surat-South Gujarat	1,189	
Visakhapatnam	29,557	
Ranipet	10,000	
Mysore	25,000	
TOTAL :	74,638	

SCHEDULE NO. 8 (C) :
ADVANCE TO REGIONAL COUNCILS & CHAPTERS
FOR CONSTRUCTION OF BUILDINGS as at 31st March 2003

Last year 2001-2002	Name of the Chapter	This year 2002-2003
Rs.		Rs.
3,892,000	N.I.R.C.	3,892,000
2,700,000	W.I.R.C.	27,00,000
300,000	Bhilai	300,000
300,000	Cochin	—
300,000	Udaipur	300,000
300,000	Lucknow	300,000
300,000	Visakhapatnam	—
200,000	Nasik-Ojhar	200,000
300,000	Cuttack-Bhubaneswar	300,000
300,000	Bangalore	—
150,000	Jaipur	150,000
300,000	Durgapur	300,000
300,000	Bokaro	300,000
200,000	Kolhapur-Sangli	200,000
300,000	Asansol	300,000
200,000	Kanpur	200,000
300,000	Dhanbad	300,000
300,000	Mysore	300,000
300,000	Serampore	300,000
300,000	Thrissur	300,000
127,050	South Surat Gujarat	127,050
210,000	Kota	210,000
11,879,050	Total	10,979,050

SCHEDULE NO. 8 (B) :
COMPUTER LOAN TO CHAPTERS as at 31st March 2003

Last year 2001-2002	Name of the Chapter	This year 2002-2003
Rs.		Rs.
64,150	Goa	64,150
62,150	Ahmedabad	62,150
62,368	Visakhapatnam	62,368
56,889	Cochin	54,889
52,727	Neyveli	52,727
50,885	Trivandrum	47,074
64,150	Howrah	64,150
64,150	Durgapur	64,150
64,150	Asansol	64,150
62,150	Cuttack-Bhubaneswar	62,150
58,804	Jaipur	58,804
64,150	Udaipur	64,150
726,723	Total	720,912
Realisation of Computer Loan during 2002-2003		
	Amount	Rs.
Cochin	2,000	
Trivandrum	3,811	
Total :	5,811	

SCHEDULE NO. 8 (D) :
SILVER JUBILEE CAPITAL
GRANTS (ADVANCE) TO CHAPTERS as at 31st March 2003

Last year 2001-2002	Name of the Chapter	This year 2002-2003
Rs.		Rs.
100,000	Kanpur	100,000
100,000	Bangalore	—
100,000	Durgapur	100,000
32,138	Jaipur	32,138
100,000	Ahmedabad	100,000
100,000	Howrah	100,000

SCHEDULES FORMING PART OF ACCOUNTS**SCHEDULE NO. 8(D) : (Contd.).**

100,000	Jamshedpur	100,000
100,000	Naihati Ichapur	100,000
100,000	Faridabad	100,000
100,000	Chandigarh	100,000
100,000	Cuttack-Bhubaneswar	100,000
100,000	Bokaro	100,000
100,000	Cochin	—
100,000	Kalyan-Ambamath	100,000
100,000	Baroda	100,000
100,000	Bhopal	100,000
100,000	Trivandrum	100,000
100,000	Nagpur	100,000
100,000	Goa	100,000
100,000	Lucknow	100,000
100,000	Nashik Ojher	100,000
100,000	Mysore	100,000
2,132,138	Total	1,932,138

**SCHEDULE NO. 9 :
CURRENT LIABILITIES AND
PROVISIONS as at 31st March 2003**

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
	Current Liabilities :	
451,956	Library Deposit	452,756
331,767	Non-specific Deposit (Refundable)	241,490
86,000	Caution Money Deposit from Oral Coaching Institutions (Refundable)	82,000
5,362,618	Sundry Creditors	38,27,827
201,728	Other Liabilities	1,18,592
635,600	Book Overdraft	526,893
3,780,275	Outstanding Membership Fee to Foreign Bodies	1,747,107
593,347	Provisions	470,000
11,443,291	Total	74,66,665

**ANNEXURE TO SCHEDULE NO. 9 :
SCHEDULES OF PROVISIONS :**

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
	Provisions :	
30,000	Provision for Grants to Co-op. Cr.Soc.Pvt.Ltd.	30,000
	Provision for Golden Jubilee Contribution to	
140,000	Regional Councils & Chapters -	140,000
123,347	Provision for Bad & Doubtful Debts	123,347
—	Less : Utilised during the year	123,347
150,000	Provision for Rates & Taxes	150,000
150,000	Provision for Contribution to IFAC	150,000
593,347	Total	470,000

**SCHEDULE NO. 10 :
INCOME : ANNUAL SUBSCRIPTION AND OTHER FEES :
for the year ended 31st March 2003**

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
2,855,110	Annual Membership Fees	5,904,309
2,979,720	Student Annual Subscription	2,327,040
159,688	Members Certificate of Practice Fee	212,200
684,840	Grad C.W.A. Fees	317,700
450	Members Restoration Fee	45
—	Members Complaint Fee	200
19,200	Nomination Fee	—
6,699,008	Total	8,761,494

**SCHEDULE NO. 11 :
INCOME : EXAMINATION AND OTHER FEES :
for the year ended 31st March 2003**

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
22,247,935	Examination Fees	24,998,817
84,248	Verification of Answers Paper Fees	117,048
1,244,272	Sale of Exam. Forms	1,003,712
56,374	Sundry Income	608,589
23,632,829	Total	26,728,166

SCHEDULES FORMING PART OF ACCOUNTS

SCHEDULE NO.12 :
INCOME : TUITION AND OTHER FEES :
 for the year ended 31st March 2003

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
14,11,288	Tuition Fees	14,11,288
55,500	Annual Recurring Fees	55,500
3,214,140	Service Fees	3,264,535
2,836,518	Sale of Study Notes	3,383,689
17,105	Sale of Denovo Forms	19,075
30,610	Sale of Coaching Revalidation Forms	30,545
3,017,160	Revalidation of Coaching Completion Certificates Fees	3,017,160
23,881,792	Total	23,881,792

SCHEDULE NO.13 :
ESTABLISHMENT
 for the year ended 31st March 2003

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
24,693,809	Salaries & Allowances	24,693,809
1,063,501	Employer's Cont. to Employees' Gratuity Fund	1,063,501
2,346,017	Employer's Cont. to Employees' Provident Fund	2,346,017
7,120	Employer's Cont. to Employees' Benevolent Fund	7,120
1,293,572	Medical Benefit to Employees	1,293,572
274,000	Leave Travel Allowance to Employees	274,000
1,800,023	Leave Encashment to Employees	1,800,023
62,694	Employer's Contribution to Employees E.D.L.I.	62,694
510	E.D.L.I. Inspection Charges	510
35,785	Administrative Charges to R.P.F.C.	35,785
41,541	Training & Development (H.R.D.)	41,541
31,518,672	Total	31,518,672

SCHEDULE NO.14 :
EXPENDITURE : OFFICE EXPENSES
 for the year ended 31st March 2003

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
1,702,187	Printing & Stationery	1,161,335
2,346,558	Postage, Telegrams, Telephones & Fax	2,112,417
734,065	Electricity Charges	772,619
15,961	Generator Expenses	8,688
58,303	Rates & Taxes	394,131
52,580	Insurance	47,692
559,056	Repair & Maintenance	592,755
580,670	Car Expenses	279,729
7,310	Interest on Caution Money Deposit	6,970
316,515	Study Material Distribution Expenses	332,360
135,286	Books & Periodicals	108,087
132,375	Legal Charges	76,256
629,536	Interest on Demand Loan/Bank Overdraft	511,985
51,367	Bank Charges	57,367
426,653	Computer Expenses incl. Hire Charges	455,262
31,710	Public Relation Expenses	16,833
39,688	Watch & Ward Expenses	39,651
260,216	Staff Welfare	214,890
3,600	Delegate Fee	—
296,100	Gazette Notification	179,140
188,837	Sundry Expenses	92,762
8,568,573	Total	7,460,929

SCHEDULE NO. 15 :
EXAMINATION EXPENSES
 for the year ended 31st March 2003

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
8,247,084	Examination Charges	8,488,449
92,553	Prize & Prize Distribution Expenses	30,969
8,339,637	Total	8,519,418

SCHEDULE NO. 16 :
COUNCIL & COMMITTEE MEETING EXPENSES
 for the year ended 31st March 2002

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
2,782,928	Council & Committee Meeting Expenses	843,684
1,065,841	Travelling Allowance to Council Members	595,819
3,848,769	Total	1,439,503

SCHEDULES FORMING PART OF ACCOUNTS**SCHEDULE NO.17 :****REVENUE GRANTS TO REGIONAL COUNCILS INCLUDING REIMBURSEMENT OF REVENUE EXPENSES**
for the year ended 31st March 2003

A) Amount reimbursed to the Regional Councils during the year on following accounts and merged with Income & Expenditure Account

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	E.I.R.C. Rs.	S.I.R.C. Rs.	W.I.R.C. Rs.	N.I.R.C. Rs.	This year 2002-2003 Rs.
75,697	Repair & Maintenance	4,446	—	6,000	27,221	37,667
—	Rates & Taxes	—	32,643	—	—	32,643
75,697	Total (A) :	4,446	32,643	6,000	27,221	70,310
225,000	T.A. Grants	—	75,000	75,000	75,000	225,000
240,000	Running Expenses Grant	60,000	60,000	60,000	60,000	240,000
3,710,992	Revenue Grants	321,152	1,049,730	212,670	705,100	2,288,652
4,175,992	Total (B) :	381,152	1,184,730	347,670	840,100	2,753,652
4,251,689	Total (A) + (B) :	385,598	1,217,373	353,670	867,321	2,823,962

SCHEDULE NO. 19 :**PRIOR PERIOD EXPENSES**
for the year ended 31st March 2003**SCHEDULE NO. 18 :****PRIOR PERIOD INCOME**

for the year ended 31st March 2003

Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.	Last year 2001-2002 Rs.	PARTICULARS	This year 2002-2003 Rs.
—	Repairs & Maintenance - EIRC	10,125	—	T.A. Grant - EIRC	49,980
—	C.E. Programme Expenses	221,073	—	Honorarium - P.D. Publication & Journal	93,850
—	Telephone	20,627	—	Telephone	20,627
—	SIRC Claim	9,771	41,613	SIRC Claim	9,771
—	Gazette Notification	—	189,000	Gazette Notification	—
—	Misc. Expenses (Unlinked transactions in Bank Accounts)	339,033	71,571	Misc. Expenses (Unlinked transactions in Bank Accounts)	339,033
—	Other Advances - Travel Expenses	273,764	—	Other Advances - Travel Expenses	273,764
80,081	Misc. Receipts (Unlinked transactions in Bank Accounts)	499,512	—	Other Advances - Legal Expenses	939,672
—	Depreciation on Computer	1,248,821	—	Depreciation on Computer	1,248,821
94,989	Misc. Receipts (Transfer from Non-specific Deposits)	161,299	—	Training & Development (H.R.D.)	9,887
—	Examination Expenses	41,119	26,315	Examination Expenses	41,119
175,070	Total	911,391	328,499	Total	3,257,722

SCHEDULES FORMING PART OF ACCOUNTS**NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS
FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2003****SCHEDULE NO. 20****A. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICY****1. Fixed Assets :**

- a) Fixed Assets are stated in the accounts at cost less depreciation provided at diminishing value method irrespective of the date of purchase at the rate prescribed under the Income Tax Rules from time to time.
- b) No write off is made in respect of leasehold land.
- c) Assets under creation are shown as capital work in progress.

2. Income and Expenditure Recognition :

- a) Incomes are normally treated in the accounts on cash basis except Interest Income and transactions with the Regional Councils and Chapters in respect of sale of various publications of the Institute.
- b) Expenditures other than Annual Grants to Chapters and Leave Encashment to Employees are considered on mercantile basis. Election related expenses are charged off in the accounts over three years.

3. Investments :

Investments are stated at cost.

4. Inventories :

Inventories are comprised of various publications, papers and study materials, which have been valued at Cost of Purchase plus other related incidental charges. However, un-consumable / un-saleable publications and study materials are not included in stock value.

5. Employees' Retirement Benefits :

- a) Gratuities are provided in the Accounts on the basis of actuarial valuation in accordance with the Payment of Gratuity Act, 1972.
- b) Provident Funds are paid to the Trustees as per the Institute's Rules in this regard and Institute's contribution are charged against revenue each year.
- c) Leave Encashment benefit on retirement is accounted for on cash basis.

6. Foreign Currency Transactions :

Foreign currency transactions are accounted for in the accounts on Collection/Payment in rupee, i.e. when it is received and incurred in rupee value All transactions

made in foreign currencies for monetary items are translated at the rate prevailing on date of transactions or at the closing rates.

7. Prior Period Income/Expenditure :

Prior period specific revenue portion is shown below the line of the Income and Expenditure Accounts and other adjustments for prior period are done to and from General Fund.

B. NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS :

1. An amount of Rs. 1,60,479/- (comprising credit of Rs 4,99,512/- and debit of Rs.3,39,033/-) has been adjusted in General Fund to write off partial outstanding in Bank Reconciliation Statements of various bank accounts of the Institute Further adjustments, as may be necessary, will made from time to time.
2. Land and Building of three chapters viz. Bangalore, Visakhapatnam and Cochin has been capitalized during the year at a gross value of Rs.40,33,969/- (Previous year-Rs.59,92,411/- in respect of Pune & Hyderabad) which include contribution by Bangalore Chapter for Rs.4,32,000/-, Visakhapatnam Chapter for Rs.20,61,044/- and Cochin Chapter for Rs.4,46,200/- respectively alongwith Leasehold Land of Bhiiai Chapter at Rs.6,026/-. Depreciation has been provided w.e.f. the year of capitalization. Unadjusted balance in Advance to Regional Councils and Chapters for construction of buildings is Rs.1,09,79,050/- for want of relevant documents.
3. Silver Jubilee Capital Grants (Advance) given to Bangalore Chapter and Cochin Chapter has been adjusted during the year, leaving an unadjusted balance amounting to Rs.19,32,138/-, which could not be adjusted for want of relevant documents.
4. Exemption in respect of Income Tax has been granted u/s 10(23A) read with Section 11 of the Income Tax Act, 1961. Accordingly, no provision for Income Tax has been made.
5. Institute has converted the Demand Loan of Rs.65,70,000/- taken from the Central Bank of India, New Market Branch, Kolkata into Over Draft Facility w.e.f. 15th November, 2002 against lien of Fixed Deposits of Rs.75.00 lakhs earmarked under Institute's Fund.
6. Employees' Gratuity Fund as at 31st March, 2003 is Rs 1,09,47,315/- as per actuarial valuation as against the investment including accrued interest thereon of Rs.1,45,81,077/-.
7. Employees' Benevolent Fund as on 31st March, 2003

is Rs.3,50,421/- as against the investment including accrued interest thereon of Rs.3,34,675/- resulting in shortfall of Investment of Rs.22,550/-, which will be made good in the current year.

8. All Prize Funds maintained by the Institute have been incorporated in the accounts together with relevant investments thereof in terms of the decision of the Council. Since the funds have been sponsored by the different donors, the Income / Expenditure thereof have no bearing with the Institute's Accounts. During the year, Institute has received an additional amount of Rs.5,000/- for Maujiram Jain Prize Fund.
9. Amount recoverable on account of Journal Advertisement and C.E. Programme Participation Fees amounting to Rs.19,200/- and Rs.1,68,600/- respectively has been adjusted against Provision for Bad & Doubtful Debts and General Fund.
10. As per past practice, the accounts of the Regional Councils are not incorporated, though at the time of computation of Trust Income under the Income Tax Act, 1961 these are considered.
11. Towards election related expenses Rs. 4,92,509/- has been charged to the Income & Expenditure Account leaving a balance of Rs 4,92,509/- under the head Misc. Expenditure (to the extent not written off) as per Accounting Policy No 2(b).
12. Confirmation of Bank balance in respect of Rs.3000/- and Rs.48,955/- in Current Account could not be obtained.
13. Bank Balances include Rs.77,095/- (Previous year - Rs.5,879/-) in inoperative Bank Accounts.
14. Out of advance payment of Rs. 5,63,352/- given to M/s. Nexus Computers Ltd., the authorized representative of M/s. Digital Equipments (I) Ltd. Rs. 2,94,900/- being the cost of five Digital PCs. has been capitalized during the year 2002-03 keeping a balance of Rs. 2,68,452/- as doubtful advance.
15. During this year Institute has sold one old Ambassador Car (WMF-1844) and twenty-one type writers. Profit / loss on this account has been adjusted to Sundry Income.
16. During the year, Study Notes worth Rs.17,28,424/-, Suggested Answers & Scanners worth Rs.5,27,586/- (all related to old syllabus) has been written off as per decision of the 214th Meeting of the Central Council dt. 20 & 21/5/03 and the same has been charged to the Income & Expenditure A/c.
17. During the year, Study Notes worth Rs. 17,28,424/- Suggested Answers & Scanners worth Rs.5,27,586/-

(all related to old syllabus) has been written off as per decision of the 214th Meeting of the Central Council dt. 20 & 21/5/03 and the same has been charged to the Income & Expenditure A/c.

18. An advance of Rs. 12,13,436/- comprising of Rs. 2,73,764/- recoverable from five Central Council Members on account of travel expenses and Rs. 9,39,672/- recoverable from seven Central Council Members on account of legal expenses have been charged to Income & Expenditure A/c as per decision of the 214th Meeting of the Central Council dt. 20 & 21/5/03 and have been shown as Prior Period Expenses.
19. Verification slips issued to different Regional Councils and Chapters for confirmation of balances are still awaited.
20. Account No. CD/1924 of the Central Bank of India, Khan Market Branch, New Delhi has been attached by the Municipal Corporation of Delhi (Assessment and Collection Department w.e.f. 7th November, 2001) on account of Property Tax. However, the same has been paid during the year 2002-03 and the process has been initiated to release the Bank Account.
21. The recovery in respect of the following has been pending for more than three years :
Sundry Debtors (Programmes) - Rs. 1.04 lakhs.
Steps are being taken to recover the amount.
The Institute had granted Building Loan and Computer Loan to different Chapters and the amount outstanding as on the date of Balance Sheet is as under :
8% Building Loan - Rs. 22.30 Lakhs
4% Building Loan - Rs. 1.14 Lakhs
Computer Loan - Rs. 7.21 Lakhs.
Accrued Interest on Building Loan - Rs.10.21 Lakhs.
22. Receipts from Members/Students for the Current Year included Draft valued Rs. 32,295/-. Steps are being taken for realization.
23. Previous year's figures have been regrouped wherever found necessary to conform to the current year's groupings.

Kolkata
Dated : 21st July, 2003.

K.L.Jaisingh
Vice President

B.V.Ramana Murty
President

R. N. Pal
Director (A & F)